राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

वर्ष 07, अंक 84, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

भ्रष्टाचारियों के सीने पर लगातार लोट रहे सांप..03

इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर दो पक्षों में मारपीट, छह घायल..12

यूनुस का होगा तख्तापलट! इंकलाब मंच की धमकी- उस्मान हादी के कातिल पकड़ो या गद्दी छोड़ो

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ढाका/नई दिल्ली- बांग्लादेश की राजनीति में एक बार फिर बवंडर उठने के आसार हैं. शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद देश की कमान संभालने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस अब खुद एक बड़े संकट के मुहाने पर खड़े हैं. जिस छात्र शक्ति और क्रांतिकारी संगठनों ने उन्हें उम्मीद की किरण मानकर सत्ता के शीर्ष पर बैठाया था, अब वही संगठन उनके तख्तापलट की तैयारी कर रहे हैं. उस्मान हादी के कितलों की गिरफ्तारी न होने से नाराज इंकलाब मंच ने धमकी दी है कि अगर कातिल नहीं पकड़े गए तो यूनुस को जाना होगा. इंकलाब मंच के प्रवक्ता ने कहा, उस्मान हादी की हत्या के मामले में अगर तुरंत न्याय नहीं मिला, तो वे इस अंतरिम सरकार को उखाड़ फेंकेंगे. ढाका की सड़कों पर फिर से वही नारे गूंजने लगे हैं जो कुछ महीने पहले हसीना सरकार के खिलाफ गूंजते थे, लेकिन इस बार निशाना यूनुस सरकार है।

दो हफ्ता बीतने के बावजूद कातिलों का सुराग नहीं मिलने पर इंकलाब मंच उग्र है. सोमवार को इंकलाब मंच के पदाधिकारियों ने बड़ी बैठक की और इसमें यूनुस सरकार को साफ साफ अल्टीमेटम दे दिया. 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता और प्रमुख युवा नेता उस्मान हादी की कुछ दिनों पहले निर्मम हत्या कर दी गई थी. उस्मान हादी उन चेहरों में से एक थे जिन्होंने बांग्लादेश में बदलाव की बयार लाने में अहम भूमिका निभाई थी.

उनकी हत्या ने न केवल उनके संगठन को, बल्कि पूरे देश के युवा वर्ग को झकझोर कर रख दिया है. हत्या के बाद इंकलाब मंच ने सरकार को कातिलों को पकड़ने के लिए एक निश्चित समय-सीमा दी थी. लेकिन, वह समय-सीमा अब समाप्त हो चुकी है और पुलिस के हाथ अब भी खाली हैं. इसी बात से नाराज होकर इंकलाब मंच ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है. संगठन का कहना है कि सरकार अपराधियों को बचाने की कोशिश कर रही है या फिर प्रशासन पूरी तरह से नकारा हो चुका है।

कुर्सी छोड़ने के लिए तैयार रहें यूनुस

इंकलाब मंच द्वारा बुलाई गई एक आपातकालीन प्रेस कॉन्फ्रेंस और विरोध सभा में वक्ताओं ने बेहद तल्ख टिप्पणी की. मंच के नेताओं ने एक सुर में कहा, उस्मान हादी की हत्या के मामले में न्याय सुनिश्चित नहीं किया गया, तो इंकलाब मंच अंतरिम सरकार को सत्ता से हटाने के लिए आंदोलन शुरू करेगा. हम सरकार बनाना जानते हैं, तो सरकार गिराना भी हमें आता है।

यूनुस के लिए खतरे की घंटी

यह बयान मोहम्मद यूनुस के लिए खतरे की घंटी है. बांग्लादेश का हालिया इतिहास गवाह है कि जब वहां के छात्र और युवा संगठन किसी मुद्दे पर एकमत हो जाते हैं, तो बड़ी से बड़ी सत्ताएं भी नहीं टिक पातीं. इंकलाब मंच ने आरोप लगाया है कि डॉ. यूनुस की सरकार, जिसे कानून का राज स्थापित करने के लिए लाया गया था, वह अपने ही समर्थकों की सुरक्षा करने में विफल रही है।

गृह सलाहकार और पुलिस प्रशासन पर गंभीर सवाल

इंकलाब मंच का गुस्सा केवल डॉ. यूनुस पर ही नहीं, बल्कि विशेष रूप से गृह मंत्रालय और पुलिस प्रशासन पर है. संगठन ने अपने बयान में कहा, समय-सीमा बीत जाने के बावजूद गृह सलाहकार या संबंधित अधिकारियों की ओर से आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उस्मान हादी के हत्यारों के बारे में सुराग होने के बावजूद पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है. उनका आरोप है कि गृह सलाहकार इस मामले की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं. मंच ने सवाल उठाया कि क्या प्रशासन के भीतर अब भी पुराने शासन के वफादार बैठे हैं जो जानबूझकर जांच को भटका रहे हैं? या फिर मौजूदा सरकार अपराधियों के सामने घुटने टेक चुकी है? मंच के सदस्यों ने कहा कि जब उस्मान हादी जैसे प्रमुख चेहरे सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा? यह विफलता सीधे तौर पर अंतरिम सरकार की प्रशासनिक अक्षमता को दर्शाती है।

क्या फिर जल उठेगा बांग्लादेश?

इंकलाब मंच की धमकी को महज कोरी बयानबाजी नहीं माना जा सकता. उस्मान हादी की हत्या के बाद से युवाओं में जो आक्रोश है, वह कभी भी एक बड़े जन-आंदोलन का रूप ले सकता है. इंकलाब मंच ने अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है कर्ि? यदि हत्यारे नहीं पकड़े गए, तो वे सरकारी कामकाज को ठप कर देंगे. ढाका में शक्ति प्रदर्शन और प्रमुख सरकारी इमारतों का घेराव करेंगे. यूनुस सरकार के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाएंगे और नई व्यवस्था की मांग करेंगे. बांग?लादेश की राजनीति के जानकारों का मानना है कि अगर इंकलाब मंच सड़कों पर उतरता है, तो अन्य असंतुष्ट समूह भी उनके साथ जुड़ सकते हैं. इससे देश में फिर से अराजकता का माहौल बन जाएगा, जिससे निपटना यूनुस सरकार के लिए लोहे के चने चबाने जैसा होगा।

बांग्लादेश संकट पर मोहन भागवत बोले- हिंदू एकजुट हों, भारत सरकार को कुछ करना होगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- पड़ोसी देश बांग्लादेश में जारी उथल-पुथल की ओर इशारा करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार (21 दिसंबर) को वहां के हिंदुओं से एकजुट रहने की अपील की और दुनिया भर में फैले हिंदुओं से उनकी मदद करने का आग्रह किया. कोलकाता में आयोजित एक सेमिनार में बोलते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा, 'वे (हिंदू) वहां (बांग्लादेश में) अल्पसंख्यक हैं और स्थिति काफी कठिन है. हालात मुश्किल हैं, फिर भी अधिकतम सुरक्षा के लिए वहां के हिंदुओं को एकजुट रहना होगा. और दुनिया भर के हिंदुओं को उनकी मदद करनी चाहिए.' बांग्लादेश में इस समय एक बार फिर अशांति का दौर चल रहा है. हिंसा की ताज़ा चिंगारी 12 दिसंबर को 32 वर्षीय शरीफ उस्मान हादी की गोली मारकर हत्या से भड़की, जो प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ चले आंदोलन में शामिल थे. इसी आंदोलन के बाद 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना को सत्ता से हटना पड़ा था. भारत सरकार से बांग्लादेश की स्थिति का संज्ञान लेने का आग्रह करते हुए मोहन

भागवत ने रविवार को कहा, 'हम जो कुछ भी कर सकते हैं, वह सब करना होगा, और हम कर भी रहे हैं... भारत सरकार को भी कुछ करना होगा. संभव है कि वह पहले से कुछ कर रही हो. कुछ बातें सार्वजनिक होती हैं, कुछ नहीं हो सकतीं. कभी नतीजे निकलते हैं, कभी नहीं. लेकिन कुछ न कुछ तो किया ही जाना चाहिए.' पश्चिम बंगाल में कुछ महीनों बाद होने वाले विधानसभा चुनावों का ज़िक्र करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि बंगाल में बढ़ता इस्लामी कट्टरपंथ, हिंदुओं पर हमलों की घटनाएं, बांग्लादेश की स्थिति और मुस्लिम घुसपैठ ने राज्य पर नकारात्मक असर डाला है।

आरएसएस प्रमुख ने बाबरी जैसी मस्जिद को साज़िश बताया

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा मुर्शिदाबाद ज़िले में बाबरी मस्जिद जैसी दिखने वाली मस्जिद बनाने की पहल को 'विवाद को फिर से भड़काने की राजनीतिक साज़िश' बताया. उन्होंने कहा, 'यह सब वोटों के लिए किया जा रहा है. इससे न मुसलमानों का भला होगा और न ही हिंदुओं का. ऐसा नहीं होना चाहिए. मेरी यही राय है.' टीएमसी सरकार द्वारा तटीय शहर दीघा में जगन्नाथ मंदिर बनाए जाने पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, 'मुझे नियमों की पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन एक धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी देश में सरकार द्वारा मंदिर बनवाना, मुझे नहीं लगता कि इसकी अनुमति है.' अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का उल्लेख करते हुए, जहां पहले बाबरी मस्जिद थी, भागवत ने कहा, 'राम मंदिर सुप्रीम कोर्ट की अनुमति से बनाया गया है. ट्रस्ट को मंदिर निर्माण के लिए कहा गया था और इसमें सरकार का कोई पैसा नहीं लगाया गया. सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन धर्म स्थायी होता है. धार्मिक स्थल हमें ईश्वर के द्वार तक ले जाते हैं. इसलिए इन्हें राजनीति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए. मंदिर सरकारों द्वारा नहीं बनाए जाने चाहिए।'

शीतलहर के कहर के बीच नगर निगम अलर्ट

● अलाव से लेकर रैन बसेरों तक, ठंड से राहत के लिए हर मोर्चे पर निगरानी के निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। कड़ाके की ठंड और शीतलहर के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए नगर निगम प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। रविवार को नगर आयुक्त सीलम सांई तेजा ने शहर के सभी जोनल अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अलाव और रैन बसेरों की व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए,ताकि ठंड से सबसे अधिक प्रभावित निराश्रित, बेघर और फुटपाथों व सड़कों पर रात

गुजारने वाले लोगों को राहत मिल सके। निर्देशों के अनुसार शहर के सभी प्रमुख चौराहों, लेबर चौराहों, रेलवे स्टेशनों,बस अड्डों, सार्वजनिक स्थलों एवं रैन बसेरों पर अलाव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्थान पर लापरवाही या व्यवस्था में कमी न पाए जाने पर तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम द्वारा यह भी कहा गया है कि रैन बसेरों में साफ- सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। वहां ठहरने वाले लोगों के लिए तकिया, चादर, गद्दे, रजाई एवं कंबल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि कड़ाके की ठंड में उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक आश्रय मिल सके। इसके साथ ही रैन बसेरों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था को भी अनिवार्य रूप से दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। नगर आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वे केवल निर्देश देकर औपचारिकता न निभाएं, बल्कि स्वयं लगातार भ्रमण और निरीक्षण करते रहें। ठंड के इस दौर में किसी भी जरूरतमंद को राहत से वंचित न रहना पड़े, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। शहर में लगातार गिरते तापमान को देखते हुए नगर निगम की यह पहल न केवल मानवीय संवेदना का परिचायक है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि प्रशासन ठंड से होने वाली किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए पहले से ही पूरी तैयारी में जुटा हुआ है।

मंदिर परिसर के पास शव मिलने से पूजन करने पहुंचे लोगों में हड़कंप, ठंड से मौत की संभावना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। यमुनापार तहसील व थाना बारा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत नीबी लोहगरा स्थित प्राचीन कैलाश मंदिर परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मंदिर की चहारदीवारी के पास एक अधेड़ व्यक्ति का शव पड़ा हुआ मिला। सुबह पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं की नजर जैसे ही शव पर पड़ी,मौके पर हड़कंप मच गया।श्रद्धालुओं ने तुरंत आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी,और पुलिस को भी सूचना दी।सूचना मिलते ही बारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची,और घटनास्थल का निरीक्षण शुरू किया।पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की और शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया।कुछ ही देर में मृतक की पहचान ग्राम पंचायत लोहगरा के मजरा जज्जी का पुरवा निवासी भैयन अरोड़ (50वर्ष) पुत्र राजन अरोड़ के रूप में हुई।शव खुले स्थान पर पड़े होने के कारण स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बना रहा, कि अत्यधिक ठंड लगने से उसकी मौत हो सकती है।घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी मंदिर परिसर में पहुंच गए।परिजनों की हालत काफी व्यथित थी।प्रारंभिक तौर पर उन्होंने पुलिस कार्रवाई पर आपत्ति जताई,और पंचायतनामा कराने से इनकार कर दिया,जिससे कुछ समय के लिए मौके पर तनाव की स्थिति बन गई।पुलिस ने संयम बरतते हुए परिजनों को समझाया,और विधिक प्रक्रिया की जानकारी दी।काफी समझाने-बुझाने के बाद परिजन पुलिस कार्रवाई के लिए सहमत हुए।स्थानीय पुलिस के अनुसार शव के बाहरी निरीक्षण में किसी भी प्रकार की चोट,संघर्ष या हिंसा के स्पष्ट निशान नहीं पाए गए। प्रथमदृष्टया,मामला संदिग्ध नहीं प्रतीत हो रहा है।हालांकि, सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी।फिलहाल,पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है,और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है,ताकि, यह स्पष्ट हो सके, कि मृतक मंदिर परिसर तक कैसे पहुंचा, और किन परिस्थितियों में उसकी मौत हुई है।

संक्षिप्त ख़बरें

पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे को लेकर सपा ने किया जमकर हंगामा, सरकार ने दिया ये जवाब

लखनऊ- उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान सोमवार को राज्य विधान परिषद में समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने पुरानी पेंशन योजना (OPS) की बहाली का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। सपा के विधान परिषद सदस्य डॉ. मानसिंह ने सरकार से सवाल किया कि प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाल करने को लेकर क्या कोई निर्णय लिया गया है।

सरकार ने दिया जवाब

सरकार की ओर से जवाब देते हुए नगर विकास मंत्री ए. के. शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक अप्रैल 2005 से नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नई पेंशन प्रणाली को राज्य के राजकोषीय संतुलन को बनाए रखने के साथ-साथ न केवल सरकारी कर्मचारियों, बल्कि संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के कार्मिकों तथा सामान्य जन के लिए बेहतर, राष्ट्रव्यापी वृद्धावस्था सुरक्षा व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है।

पेंशन बुढ़ापे की लाठी होती है

मंत्री ने यह भी कहा कि एनपीएस दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जिससे भविष्य में पेंशन दायित्वों का प्रबंधन सुचारु रूप से किया जा सके। इस पर सपा सदस्यों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि पेंशन बुढ़ापे की लाठी होती है और कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का भरोसा देती है। सपा सदस्यों ने मांग की कि कर्मचारियों के हित में पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जाए। इस मुद्दे पर सदन में कुछ समय तक चर्चा और नोकझोंक भी देखने को मिली।

कोटेदारी में रोजाना के विवाद से तंग आकर बेटे ने पिता को पीट-पीटकर मार डाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज । थाना बारा क्षेत्र के अंतर्गत एक बेटे ने ही अपने पिता की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी।हत्या के पीछे की वजह पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। घटना के बाद से पूरे गांव में सनसनी फैल गई,जबकि परिजन रो-रो कर बेहाल हो रहे हैं। बारा थाना क्षेत्र के सीध टिकट गांव निवासी राम बहादुर यादव (65वर्ष) का अपने बेटे रामबाबू यादव से मामूली कहासुनी हुई थी, लेकिन धीरे-धीरे विवाद इतना गहराया कि गुस्से में आकर बेटे रामबाबू यादव ने लाठी-डंडे से पिता के सिर पर जोरदार वार कर दिया।सिर पर गंभीर चोट लगने से राम बहादुर यादव मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े।परिजनों ने आनन-फानन में घायल राम बहादुर यादव को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती

कराया,जहां इलाज के दौरान रात में उनकी मौत हो गई। राम बहादुर यादव पिछले लगभग 38 वर्षों से कोटेदार थे।कोटेदारी को लेकर पिता और उनके बेटों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। ग्रामीणों का कहना है कि इसी को लेकर आए दिन परिवार में तनाव बना रहता था।

सूचना मिलने पर बारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची,और जांच-पड़ताल में जुटी। पुलिस ने आरोपी के बेटे रामबाबू यादव को हिरासत में ले लिया है।सहायक पुलिस आयुक्त बारा निकिता श्रीवास्तव ने बताया कि एक शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है। जिसमें मुनेश यादव ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उनके बड़े भाई रामबाबू यादव ने पारिवारिक कलह के चलते पिता राम बहादुर यादव के सिर पर लाठी से वार किया, जिससे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।वहीं आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है,साथ ही मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज भेजा गया है।

माघ मेला के दौरान बेहतर आपदा प्रबंधन के उद्देश्य से महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय संगोष्ठी

● 26 जनपदों के राजस्व, पुलिस, अग्निशमन एवं आपात सेवाएं, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारी कर रहे प्रतिभाग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा दिनांक 22-23, दिसंबर 2025 को कोबरा ऑडिटोरियम, न्यू कैंट, जनपद प्रयागराज में भीड़ प्रबंधन तथा 03 संवेदनशील आपदाओं-डूबना, शीतलहर एवं अग्नि दुर्घटना विषय पर सिम्पोजियम एवं टेबलटॉप एक्सरसाइज का आयोजन किया जा रहा है। इस दो दिवसीय आयोजन में प्रथम दिवस में टेक्निकल सेशन एवं द्वितीय दिवस में 26 जनपदों के अधिकारियों के साथ टेबल टॉप एक्सरसाइज किया जा रहा है। संगोष्ठी प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी, पी.वी.एस.एम, ए.वी.एस.एम, वी.एस.एम, (से.नि.) एवं लेफ्टिनेंट जनरल पी.एस. शेखावत, पी.एस.एम, ए.वी.एस.एम, एस.एम, जी.ओ.सी. मध्य भारत एरिया की अध्यक्षता में मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मेला अधिकारी ऋषिराज, पुलिस विभाग, भारतीय सेना, भारतीय रेलवे, एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0, अग्निशमन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी तथा 26 जनपदों प्रयागराज, अयोध्या, फतेहपुर, कौशांबी, प्रतापगढ़, चित्रकूट, बांदा, महोबा, झांसी, जालौन, ललितपुर, गाजियाबाद, मेरठ, आगरा, कानपुर नगर, कानपुर देहात, गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती, बाराबंकी, उन्नाव, लखनऊ, हरदोई, फतेहपुर सीकरी, शाहजहाँपुर, चित्रकूट जिलों के अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0), पुलिस अधिकारी, अग्निशमन अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से आपदा विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। टेक्निकल सेशन के प्रथम सत्र में पुलिस विभाग द्वारा भीड़ की गतिशीलता, जोखिम कारकों और भीड़ प्रबंधन के लिए संगठन और चुनौतियाँ पर केस स्टडी के बारे में प्रतिभागियों को बताया गया। प्राधिकरण द्वारा भीड़ प्रबंधन के लिए इन्सिडेन्ट रिस्पांस सिस्टम, अग्निशमन एवं आपात सेवाओं द्वारा आग की घटनाओं की रोकथाम, तैयारी और प्रतिक्रिया, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल द्वारा डूबने के जोखिम से बचाव एवं प्रबंधन अभियान तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के वक्ताओं द्वारा शीतलहर से बचाव की तैयारी-पूर्वानुमान, आश्रय और स्वास्थ्य प्रतिक्रिया के संबंध में केस स्टडी/बेस्ट प्रैक्टिस के माध्यम से संगोष्ठी में व्याख्यान दिया गया। द्वितीय सत्र में जनपद प्रयागराज द्वारा माघ मेला हेतु भीड़ प्रबंधन के दृष्टिगत की गयी तैयारियों पर जानकारी तथा जनपद हापुड़, गौतमबुद्ध नगर, गोरखपुरएवं मथुरा के अपर जिलाधिकारी/पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा जनपद में भीड़ प्रबंधन की तैयारियों एवं केस स्टडी पर चर्चा किया गया।

विशेष उद्बोधन में (ऑनलाइन मोड से जुड़े) पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश, राजीव कृष्ण ने कहा कि भीड़ प्रबंधन केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि यह बहु-विभागीय समन्वय, वैज्ञानिक योजना, जोखिम आकलन तथा त्वरित निर्णय क्षमता पर आधारित एक समग्र प्रक्रिया है। जनसंख्या के दृष्टि से प्रदेश में आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं खेल-कूद आदि कार्यक्रमों के आयोजन में भीड़ प्रबंधन एक चुनौती पूर्ण कार्य है। यूपीएसडीएमए द्वारा सभी स्टेकहोल्डर को एक मंच पर लाना और विशेषकर माघ मेला के दौरान भीड़ प्रबंधन तथा अन्य संवेदनशील आपदाओं जैसे- डूबना, शीतलहर एवं अग्नि दुर्घटना विषय पर संगोष्ठी सह टेबलटॉप एक्सरसाइज का आयोजन फील्ड स्तर पर कार्य कर रहे अधिकारियों के लिए लाभकारी होगा। बैठक को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष योगेन्द्र डिमरी ने बताया कि प्रदेश में भीड़

प्रबंधन और आपदा प्रबंधन के शमन के उपाय, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण और हितधारकों की सहभागिता बहुत आवश्यक है। भीड़ प्रबंधन योजना बनाते समय खतरे, जोखिम और नाजुकता का महत्त्व समझना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आयोजित होने वाले बड़े धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयोजनों में जनसुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। यह दो दिवसीय कार्यक्रम नीति, योजना एवं फील्ड-स्तर पर कार्यान्वयन के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने का प्रभावी मंच प्रदान करता है। तकनीकी सत्रों के माध्यम से भीड़ की गतिशीलता, जोखिम आकलन, इन्सिडेन्ट रिस्पांस सिस्टम, अग्नि सुरक्षा, डूबने की घटनाओं में बचाव तथा शीतलहर से निपटने हेतु स्वास्थ्य-आधारित तैयारियों पर आधारित केस-स्टडी एवं बेस्ट प्रैक्टिस प्रतिभागियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी। द्वितीय दिवस में आयोजित होने वाली टेबल-टॉप एक्सरसाइज, विशेषकर माघ मेला जैसे

विशाल आयोजन के परिप्रेक्ष्य में, जिलों की तैयारियों की समीक्षा, अंतर-विभागीय समन्वय एवं त्वरित निर्णय-क्षमता को सुदृढ़ करने में सहायक होगी। 26 प्रतिभागी जनपदों के प्रशासनिक, पुलिस, अग्निशमन, स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता इस अभ्यास को व्यवहारिक एवं परिणामोन्मुख बनाएगी। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने कहा कि यह सिम्पोजियम एवं टेबलटॉप एक्सरसाइज प्रदेश के सभी 26 जनपदों में आपदा प्रबंधन की तैयारी, प्रतिक्रिया क्षमता और विभागीय समन्वय को मज़बूत करने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है साथ ही उन्होंने कहा कि इस विषय पर माक अभ्यास करने की भी आवश्यकता है जिससे सभी जनपद स्तरीय कार्य करने वाले अधिकारीयों को अधिक जागरूकता किया जा सके। सभी विभागों और जनपदों के अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे पूर्ण मनोयोग, तत्परता और टीम भावना के साथ इसमें भाग लेकर प्रदेश की आपदा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ एवं सक्षम बनाएं।

लेफ्टिनेंट जनरल पी.एस. शेखावत, पी. एस. एम, ए.वी.एस.एम, एस.एम,जी.ओ.सी. मध्य भारत एरिया ने बताया कि भीड़ प्रबन्धन के लिए किसी भी आयोजन स्थल के आगमन एवं प्रस्थान मार्ग का प्रबंधन अगर बेहतर है तो अधिक भीड़ होने पर भी कोई कठिनाई नहीं आयेगी। ऐसे आयोजना से सेना एवं प्रशासन के मध्य सामंजस्य बढता है और प्रशासन को आवश्यकता पड़ने पर सेना अपनी मेडिकल टीम, क्विक रिस्पांस टीम बेहतर प्रबंधन के लिए उपलब्ध करा सकती है। अपर पुलिस आयुक्त डॉ अजय पाल ने बताया कि माघ मेला के दृष्टिगत सभी संभावित परिस्थितियों का आंकलन कर लिया गया है तथा मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु पर्याप्त पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे। उन्होंने यह भी बताया की विभिन्न मार्गों से आने वाले यात्रियों हेत पार्किंग स्थल एवं ट्रैफिक प्लान को यात्रियों की सुविधा के अनुसार बनाया गया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिगत सभी पाण्टुन पुलों के दोनों तरफ चौकियाँ बनायी जाएंगी, जिससे की किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। संगोष्ठी का संचालन प्राधिकरण के वरिष्ठ सलाहकार कर्नल संदीप मेहरोत्रा द्वारा किया गया एवं समन्वय प्रवीण किशोर, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर (ट्रेनिंग) तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, प्रयागराज द्वारा किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

छेड़खानी और जान से मारने की धमकी के मामले में एफआईआर दर्ज

बस्ती। बस्ती जिले केलालगंज थाना क्षेत्र में छेड़खानी और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर लालगंज पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। लेकिन सवाल यह खड़ा हो रहा है मुस्लिम लड़कों द्वारा हिंदू लड़कियों को टारगेट किया जा रहा है इसके चलते लोगों द्वारा कई बार शिकायत होने पर ठोस कार्रवाई न होने से पीड़ित पक्ष के पिता द्वारा दिए गए तारे के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा डर तो कर लिया और गिरफ्तार भी कर लिया उनको लेकिन अभी साजिश का खुलासा नहीं हो पाया कहीं लड़की को फंसा कर धर्म परिवर्तन तो नहीं करना चाहते हैं प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक व्यक्ति ने में लिखित शिकायत देकर बताया कि उसकी लड़की जब स्कूल जाने के लिए घर से निकलती है, तो रास्ते में मोहम्मद असलम नाम का युवक उसके साथ लगातार छेड़खानी करता है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पीड़िता द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने न केवल अपशब्द कहे , बल्कि जान से मारने की भी धमकी देता है। मामले में लालगंज पुलिस ने आरोपी मोहम्मद असलम पुत्र मोहम्मद आलम, निवासी जिभियांव, थाना लालगंज के खिलाफ बीएनएस की धारा 74, 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है। पुलिस का कहना है की मामले की झान बीन की जा रही है।

परशुराम थाना क्षेत्र केसेहरिया गोपीनाथपुर में अजगर की दहशत, ग्रामीणों में भय का माहौल

बस्ती। बस्ती जिले के परसरामपुर ब्लॉक अंतर्गत थाना परशुरामपुर क्षेत्र के सेहरिया गोपीनाथपुर गांव में विशाल अजगर दिखाई देने से गांव में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि अजगर को सबसे पहले गांव के पास स्थित खेतों और झाड़ियों के इलाके में देखा गया, जिसके बाद ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों के सहयोग से विवेक कुमार सिंह ने तुरंत इस संबंध में वन विभाग और स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचना दी। लेकिन अजगर को पकड़ा नहीं जा सका है। आशंका जताई जा रही है कि अजगर खेतों से निकलकर आबादी की ओर आया और झाड़ियों में छिप गया, जिससे ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है।गांव के लोगों का कहना है कि इससे पहले भी आसपास के क्षेत्रों में जंगली जानवर देखे जा चुके हैं, लेकिन इस तरह अजगर का गांव में निकलना पहली बार है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द रेस्क्यू टीम भेजकर अजगर को पकड़ने और गांव को सुरक्षित कराने की मांग की है। स्थिति को देखते हुए। गांव में फिलहाल भय और दहशत का माहौल बना हुआ है, वहीं ग्रामीण प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

नहरबालागंज इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास नगर पालिका की लापरवाही, खुले गड्ढे में बहता पानी बना जानलेवा खतरा

बलरामपुर- नहरबालागंज स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास नगर पालिका की गंभीर लापरवाही सामने आई है। क्षेत्र में लगातार बहता पानी एक गहरे गड्ढे में भर गया है, जो अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए जानलेवा खतरा बन चुका है। स्थानीय निवासी सलमान, इमरान, सागर, शकील, बाबा और पप्पू ने बताया कि पानी से भरे इस गड्ढे में आए दिन दोपहिया और चारपहिया वाहन फंस जाते हैं। वाहनों को बाहर निकालने में लोगों को भारी मशक्कत करनी पड़ती है, जिससे आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। स्थानीय दुकानदार सलमान ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार नगर पालिका और जल निगम में शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। पानी भरने के कारण उसकी दुकान में भी पानी घुस जाता है, जिससे व्यापार को नुकसान हो रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सलमान ने स्वयं गड्ढे के दोनों ओर अस्थायी रूप से फरवा (मिट्टी का बांध) लगाना शुरू किया। उनका कहना है कि यदि कोई व्यक्ति अनजाने में इस गड्ढे में गिर जाए, तो उसकी जान भी जा सकती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एक ओर नगर पालिका और जल निगम के वाहन क्षेत्र से गुजरते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर तेज रफ्तार से बहता पानी और यह खतरनाक गड्ढा विभागीय अधिकारियों को दिखाई नहीं देता। लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द समस्या का स्थायी समाधान करने और किसी बड़े हादसे से पहले ठोस कदम उठाने की मांग की है।

कृषि विज्ञान केंद्रबस्ती द्वारा प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले मेंआचार्य नरेंद्र कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित एवं वित्त पोषित-भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) कानपुर के कृषि विज्ञान केंद्र, बस्ती द्वारा प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय मधुमक्खी पालन विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को मधुमक्खी पालन जैसे लाभकारी, कम लागत एवं स्वरोजगारोन्मुख उद्यम से जोड़ना तथा उन्हें वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी देकर आत्मनिर्भर बनाना रहा। प्रशिक्षण में जनपद बस्ती के विभिन्न विकासखंडों से आए 25 युवाओं एवं कृषकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन मुख्य अतिथि के रूप में जनपद के उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम ने प्रशिक्षण के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा मधुमक्खी पालन के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें मधुमक्खियों की प्रमुख प्रजातियाँ, मधुमक्खी बक्सों की स्थापना, कॉलोनी प्रबंधन, रानी मधुमक्खी का महत्व, शहद उत्पादन की वैज्ञानिक विधियाँ, मोम एवं अन्य उप-उत्पादों का संग्रह, रोग एवं कीट प्रबंधन, साथ ही शहद की गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं विपणन से संबंधित जानकारियाँ शामिल रहीं।

केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ पी के मिश्रा ने बताया कि मधुमक्खी पालन से न केवल कृषकों एवं युवाओं को अतिरिक्त आय का स्रोत मिलता है, बल्कि फसलों में परागण बढ़ने से उत्पादन एवं गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होती है। जनपद के भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ राज मंगल चौधरी ने प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से मधुमक्खी बक्सों का निरीक्षण, शहद निष्कर्षण तथा आवश्यक उपकरणों के उपयोग का प्रत्यक्ष अनुभव भी कराया गया। साथ ही साथ यह भी बताया की मधुमक्खी पालन में माइग्रेशन का भी बहुत ही महत्व है। मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रशिक्षण कोर्स कोआर्डिनेटर/केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ प्रेम शंकर ने मधुमक्खी पालन को युवाओं के लिए एक सशक्त स्वरोजगार विकल्प बताया। उन्होंने आधुनिक बॉक्स प्रबंधन, शहद की गुणवत्ता तथा बाजार से जुड़ाव की सरल तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण में सीखी गई विधियों को अपनाकर उद्यम के रूप में मधुमक्खी पालन शुरू करें और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएं। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ वी बी सिंह ने समापन सत्र में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी, व्यवहारिक एवं रोजगारपरक बताया तथा भविष्य में मधुमक्खी पालन को उद्यम के रूप में अपनाने की इच्छा व्यक्त की। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कृषि प्रसार वैज्ञानिक आर बी सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र, बस्ती द्वारा यह विश्वास व्यक्त किया गया कि आर्या परियोजना के अंतर्गत आयोजित इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को कृषि आधारित उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करेंगे तथा क्षेत्र में मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देकर आय एवं रोजगार के नए अवसर सृजित करने में सहायक सिद्ध होंगे। केंद्र की गृह विज्ञान वैज्ञानिक डॉ अंजलि वर्मा ने अपने संबोधन में बताया कि शहद एक पोषक एवं औषधीय खाद्य पदार्थ है, जो बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों के लिए अत्यंत लाभकारी है। शहद, मोम, परागकण एवं रॉयल जेली जैसे उत्पादों से घरेलू स्तर पर मूल्य संवर्धन कर महिलाएँ आत्मनिर्भर बन सकती हैं। शस्य विज्ञान वैज्ञानिक हरिओम मिश्रा जी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मधुमक्खी पालन को कृषि के साथ जोड़कर आय बढ़ाने का प्रभावी साधन बताया। उन्होंने कहा कि मधुमक्खियां फसलों में परागण की प्रक्रिया को सशक्त बनाकर उत्पादन एवं गुणवत्ता दोनों में वृद्धि करती हैं। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि एवं वैज्ञानिकों के द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं फल सब्जी पौध वितरण किया गया।

मध्यस्थता केंद्र में वर्षो पुराने विवादों का हुआ समाधान

हमीरपुर :- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हमीरपुर में संचालित मध्यस्थता केंद्र के माध्यम से वर्षो से लंबित दो विवादों का आपसी सुलह-समझौते के जरिए समाधान कराया गया। वाद संख्या 110/2025 में नीलू गुप्ता निवासी मौदहा और शुभम गुप्ता निवासी छतरपुर के मध्य दांपत्य विवाद चल रहा था, जिसे नियुक्त मध्यस्थ अधिवक्ता राजनारायण निगम ने दोनों पक्षों से संवाद कर सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाया। इसी प्रकार वाद संख्या 67/2025 में कुरारा निवासी राजन और जयप्रकाश के बीच शमनीय प्रकृति के विवाद को मध्यस्थ अधिवक्ता शिवशरण गुप्ता द्वारा आपसी सहमति से निस्तारित कराया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव महेंद्र कुमार पाण्डेय ने दोनों पक्षों को बधाई दी और मध्यस्थ अधिवक्ताओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता के माध्यम से विवादों का त्वरित और शांतिपूर्ण समाधान संभव है, जिससे न्यायालयों का बोझ भी कम होता है।

महुलानी बुर्जुग मे हुए चोरी का 24 घंटे के अंदर पुलिस ने चोर को पड़कर किया खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगंज पुलिस ने थाना क्षेत्र में हुई चोरी के घटना का अनावरण 24 घंटे में करने का दावा किया है पुलिस ने चोरी में शामिल शातिर चोर के साथ चोरी गए रुपए और जेवरात भी बरामद किए हैं जबकि मामले में अभी एक शातिर फरार बताया जा रहा है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है ।सीओ कलवारी संजय सिंह ने कप्तानगंज थाने पर प्रेस वार्ता के दौरान बताया की थाना क्षेत्र के महुलानी बुर्जुग की महिला सुनीता देबी पत्नी भरथराम ने 20 दिसंबर दिन में पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया था कि अज्ञात चोरों द्वारा दिन में ही दरवाजा तोड़कर घर में रखें 8 अब पीली धातु जेवर एक आदत मोबाइल 9500 नगद उसके घर में चोरी कर लिए गए हैं। उक्त मामले में पुलिस जांच में जुटीं और कप्तानगंज थाने के एसएसआई कमलेश गौड़ के नेतृत्व में उप निरीक्षक राम आशीष प्रसाद दुर्गेश यादव हेड कांस्टेबल प्रदीप सिंह कांस्टेबल श्याम जीत यादव और कांस्टेबल काशी कुमार की टीम ने चोरी के मामले में मुखबिर की सूचना पर

चोरी में शामिल प्रवीण कुमार पुत्र राम शगुन यादव निवासी गढहा ओझा थाना कप्तानगंज जिला बस्ती को गिरफ्तार कर लिया। जिससे पूछताछ और उसके पास घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के अलावा चोरी के 9500 सौ रुपए और दो उधर पीली धातु छह आदत बिछिया एक आदत पायल एक आदत पाजेब एक आदत मोबाइल दो अदर टीवीएस की चाबी दूध गोदरेज अलमारी की चाबी एक आदत सरिया का टुकड़ा एक आदत पिलास बरामद हुए हैं। चोरी मे शामिल एक अन्य युवक का भी नाम प्रकाश में आया है जो शातिर चोर का साथी बताया जा रहा है पुलिस उसकी तलाश कर रही है। सीओ संजय सिंहने के चोरी की घटना का सफल अनावरण करने वाली कप्तानगंज पुलिस को शाबसी दी।

मेरा हौसला तोड़ना चाहती है पुलिस- बृजेश पटेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में सरदार सेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व प्रदेश उपाध्यक्ष बृजेश पटेल ने खौरहवा स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि कोतवाली पुलिस अनेक मामलों में भेदभावपूर्ण रवैया अपना रही है। यह लोकतंत्र के लिये अत्यन्त घातक है। पूर्व सांसद के खिलाफ सोशल मीडिया पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले विशाल चौधरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने पर उन्होने सिर्फ इतना ही कहा था अगर विशाल चौधरी के खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज कर पुलिस बेवजह प्रताड़ित करेगी तो वे पीड़ित के साथ खड़े दिखाई देंगे। ऐसी टिप्पणियां राजनीतिक जीवन मे स्वाभाविक हैं। बृजेश पटेल ने कहा हमने कुछ नाजायज नही किया। लेकिन पुलिस ने 19 दिसम्बर को उन्हे उठा लिया और कोतवाली ले गई। बार बार जानने का प्रयास किया गया कि उन्हे

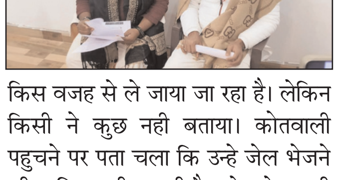

किस वजह से ले जाया जा रहा है। लेकिन किसी ने कुछ नही बताया। कोतवाली पहुचने पर पता चला कि उन्हे जेल भेजने की साजिश रची जा रही है। पटेल ने यह भी कहा कि सीओ सदर के निर्देश पर यह सब हो रहा है। बृजेश पटेल ने स्पष्ट आरोप लगाया कि कोतवाली मे हिरासत के दौरान बड़ी संख्या मे फोर्स बुलाई गयी।

ऐसा लग रहा था जैसे कोई बड़ी कार्यवाही होने वाली हो या फिर शातिर अपराधी पकड़ लिया हो। हिरासत के दौरान बड़ी संख्या मे बृजेश पटेल के समर्थक बड़ी संख्या मे कोतवाली पहुंच गये। उन्होने सीओ सदर की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाया। फिलहाल रात 10 बजे उन्हे जिला पंचायत सदस्य की पैरवी और माफीनामे के बाद कोतवाली से रिहा किया गया जिसमे जिपंअ. स्वयं गारेन्टर हैं। इतना ही नही रात मे 11 बजे उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया। पुलिस की दुर्भावना का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है।

बृजेश पटेल ने कहा कि इससे पहले मौजूदा सांसद, रूधौली विधायक के खिलाफ ओम सिंह द्वारा अभद्र टिप्पणी सोशल मीडिया पर की गई है, इनकी अनदेखी की जा रही है। सरदार सेना के जिलाध्यक्ष विनय चौधरी ने इस संदर्भ मे कई साक्ष्य भी प्रस्तुत किया। बात जब ओबीसी और किसी जमीनी संघर्षशील जनप्रतिनिधि की आती है तो पुलिस सत्ताधारी नेताओं को खुश करने के लिये तत्परता दिखाने लगती है। ये दोहरा मापदंड बेहद घातक है। उन्होने कहा हमारे हौसले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है फिर भी जरूरतमंदों की आवाज दबने नही पायेगी और वक्त आने पर अनेक बृजेश पटेल संघर्ष को तैयार हो जायेंगे।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू की मासिक बैठक, डीएम को सौंपा छह सूत्रीय ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीदत्तगंज (बलरामपुर)। भारतीय किसान यूनियन (भारत का किसान संगठन) की मासिक बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित की गई। बैठक में जनपद के किसानों से जुड़ी विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके पश्चात संगठन के पदाधिकारियों ने छह सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन में किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि जनपद के विभिन्न गन्ना क्रय केंद्रों पर गन्ना लोडिंग व अनलोडिंग के नाम पर खुलेआम अवैध वसूली की जा रही है, जबकि शासन स्तर से इस पर पूर्व में ही रोक लगाई जा चुकी है। इसके बावजूद सरायखास, जखौली, मदद्दो भट्ठा सहित अन्य गन्ना क्रय केंद्रों पर

मनमानी बदस्तूर जारी है। साथ ही ग्रामीण इलाकों में बिजली बिल बढ़ाकर अवैध वसूली किए जाने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

किसान यूनियन ने जनपद में स्थापित धान क्रय केंद्रों की सूची सार्वजनिक करने, ठंड के मौसम को देखते हुए प्रत्येक प्रमुख चौराहे पर अलाव की समुचित व्यवस्था कराने तथा निजी विद्यालयों द्वारा ड्रेस व पुस्तकों के नाम पर की जा रही अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा किसानों को सिंचाई के लिए निःशुल्क बिजली देने की घोषणा के बावजूद बिजली विभाग पर फर्जी वसूली करने का आरोप लगाते हुए समाधान स्वरूप निःशुल्क मोटर कनेक्शन उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। संगठन के जिला अध्यक्ष तिलक राम वर्मा ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो संगठन को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस अवसर पर देवीपाटन मंडल अध्यक्ष हृदय राम यादव, जिला कोषाध्यक्ष सुरेश चंद्र वर्मा, जिला महासचिव राजू पाठक, जिला संगठन मंत्री पुत्तूलाल तिवारी, महिला जिला अध्यक्ष फातिमा, राम उग्रव वर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान व संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत, बाइक चालक पर मुकदमा दर्ज

हमीरपुर:- सुमेरपुर थाना क्षेत्र में बीते माह पूर्व हुए सड़क हादसे में घायल युवक की कानपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई।युवक की मौत के बाद मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हमीरपुर कोतवाली क्षेत्र के बडागांव निवासी बाबू ने बताया कि उनका पुत्र संदीप देवगांव में बटाई पर खेत लेकर खेती करता था। 7 नवंबर की रात करीब 8 बजे संदीप खेत में पानी लगाकर बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान कैथा नाला के पास पत्योरा की ओर से आ रहे एक बाइक सवार युवक ने गलत दिशा में आकर संदीप की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संदीप सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बाइक सवार मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों की मदद से परिजन संदीप को इलाज के लिए कानपुर ले गए, जहां उसकी हालत गंभीर बनी रही। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने बाइक के नंबर के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

वॉटर गंज थाना क्षेत्र में नहीं है पुलिस का खौफ अपराधियों मेंबाइक सवार बदमाशों ने ग्राम प्रधान को मारी गोली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के वाल्टर गंज थाना क्षेत्र मे अपराधियों के हौसले बुलंद अपराधियों पर शिकंजा कने में नाकाम अल्टरगंज पुलिस आए दिन घटनाएं हो रही हैं जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है पूर्व थाना अध्यक्ष एवं वर्तमान थाना अध्यक्ष अपराधियों के शिकंजा कसने में नाकाम साबित हो रहे हैं घटनाओं से क्षेत्र की आम जनता दहशत में जी रही है ताजा मामला वॉटर गंज थाना क्षेत्रके अंतर्गत रेहार बाबू के मेहौरा पुलिया के पास में मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बदमाशों ने ग्राम प्रधान के ऊपर फायर झोंक दिय। मिली जानकारी के अनुसार तीन बदमाशों ने मोटरसाइकिल पर मुंह बांधकर सवार होकर आए और एक ने प्रधान के ऊपर तान दी तमंचा प्रधान रोकने की कोशिश किये जिससे उनके हाथों में गोली लगी गोली लगने के बाद तत्काल अस्पताल पहुंचे जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करते हुए खतरे से बाहर

बताया है। विनोद राजभर ग्राम प्रधान मझौआ खुर्द के रहने वाले हैं पूर्व प्रधान और वर्तमान प्रधान में विवाद बताया जा रहा है स्वास्थ्य केंद्र सल्टौआ मे प्राथमिक उपचार के बाद बस्ती जिला चिकित्सालय के लिए डॉक्टरों ने विनोद राजभर को रेफर किया। ग्राम प्रधान विनोद राजभर जिनकी उम्र लगभग 45 वर्ष है थाना वॉल्टर गंज के अंतर्गत मझौवा खुर्द के रहने वाले हैं दाहिने हाथ के कलाई में गोली लगी है अब उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। बस्ती जिले में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं जरा जरा सी बात पर गोली चला दे रहे हैं यह पुलिस प्रशासन के लिए चुनौती है।

सांसद खेल स्पर्धा मैं समापन के अवसर पर खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिला प्रशासन एवं क्षेत्रीय खेल कार्यालय बस्ती के तत्वाधान मे सांसद खेल स्पर्धा बस्ती के दुसरे दिन रविवार को 10 बजे अमर शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम बस्ती मे खेलों का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता यादव (सांसद राज्य सभा) एवं महेश शुक्ला जी (उपाध्यक्ष उ0 प्र0 गो-सेवा आयोग) एवं सरोज बाबा द्वारा किया गया। श्रीमती कृतिका ज्योत्सना जिलाधिकारी बस्ती सार्थक जायसवाल (मुख्य विकास अधिकारी), दिलीप कुमार (क्रीडाधिकारी बस्ती) द्वारा मुख्य अतिथियों को बैज, बुके, देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्जवलित कर तथा खिलाडियो से परिचय प्राप्त कर एवं गुब्बारा छोडकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया।

समापन सत्र मे कबड्डी, बालीबाल, फुटबाल, बैडमिन्टन, जूडो, भोत्तोलन, एथलेटिक्स, कुश्ती खेलो के विजेता एवं

उविजेता, तथा एकल खेलों मे विजयी खिलाडियो को मां0 श्रीमती संगीता यादव (सांसद राज्य सभा) द्वारा पुरस्कार वितरण कर खिलाडियों को सम्मनित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित राजेश जायसवाल (परियोजना निदेशक बस्ती), संजय सिंह (जिला विद्यालय निरीक्षक बस्ती), राज मंगल चौधरी (भूमि संरक्षण अधिकारी बस्ती), उदय भान वर्मा (सह जिला विद्यालय निरीक्षक बस्ती) नवनीत तिवारी (प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी), उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को सफल बनाने मे-श्री प्रमोद कुमार जायसवाल उप क्रीडाधिकारी बस्ती, विकास सोनकर, दीप पटेल, कमलेश यादव, आशुतोष पाण्डेय, अमित कुमार यादव, माता प्रसाद त्रिपाठी, प्रभाकर रंजन ओझा, आलोक सिंह, बेद प्रकाश द्विवेदी, रमेश गुप्ता, प्रदीप त्रिपाठी, विवेक श्रीवास्तव, जगन्नाथ यादव, अर्जुन वर्मा, राकेश कुमार, डॉ0 सुनील कुमार विश्वकर्मा, कृष्ण कुमार पाठक, हरीश सिंह, प्रभाकर सिंह, अमरनाथ मौर्या,सुरेन्द्र शुक्ला, संतोष कुमार पाण्डेय, अरुण कुमार राकेश कुमार राजकुमार यादव अरविंद शेखर त्रिपाठी धनंजय दुबे बृजेश वर्मा अखिलेश वर्मा, चन्द्रशेखर चौधरी, अमित मिश्रा, अभिषेक, अशोक पांडे चंद्रशेखर पांडे, अमित पांडे, पदम पाणी पाठक, प्रमोद सिंह आलोक सिंह, राम सिंह आदि सहित माध्यमिक शिक्षा विभाग के शारीरिक शिक्षा अध्ययापकों की देख-रेख मे प्रतियोगिता सम्पन्न करायी गयी। मंच का संचालन श्री अजय कुमार वर्मा व मान्वी सिंह द्वारा किया गया।अन्त मे क्रीडाधिकारी दिलीप कुमार द्वारा आये सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेट कर सम्मान किया गया एवं खिलाडियों/चिकित्सक दल/सहयोगियों का आभार प्रगट किया गया।

जिला उद्योग बन्धु एवं औद्योगिक व्यापारिक सुरक्षा फोरम तथा एमओयू क्रियान्वयन समिति की मुख्य विकास अधिकारी ने की बैठक

●उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए - सीडीओ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। मुख्य विकास अधिकारी सचिन कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बन्धु एवं औद्योगिक/व्यापारिक सुरक्षा फोरम तथा एमओयू क्रियान्वयन समिति की बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र की मूलभूत व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की गई जिस पर सीडीओ ने इकाइयों/व्यापारिक बन्धुओं से प्राप्त समस्त प्रकरणों को संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने/कराने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ के समक्ष उद्यमियों की सुरक्षा व्यवस्था, औद्योगिक क्षेत्र में अनाधिकृत व्यक्तियों से अवैध कब्जा खाली कराए जाने, पार्किंग व्यवस्था, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

द्वारा अनापत्ति प्राप्त कराए जाने, विद्युत कनेक्शन तथा औद्योगिक क्षेत्रों में उद्यमियों से संबंधित अन्य सभी प्रकरणों पर भी चर्चा की तथा संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए। इसके उपरान्त निवेश मित्र पोर्टल पर निर्धारित समय के उपरांत लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के संबंध में शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना की समीक्षा की गई तथा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में निवेशकों द्वारा किए गए एमओयू के क्रियान्वयन तथा उन्हें धरातल पर उतारने के संबंध में चर्चा की गई जिस पर सीडीओ द्वारा निर्देश दिए गए कि उद्योग स्थापना में यदि किसी भी उद्यमी को किसी भी विभाग से कठिनाई से आ रही हो तो समिति को अवगत कराएं उसका प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। सीडीओ ने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं का निराकरण सम्बन्धित अधिकारी प्राथमिकता के साथ करें और उनकी सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिये जाये। बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र दिनेश कुमार चौरसिया ने करते हुए गत बैठक की कार्यवाही सहित बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं को समिति के समक्ष रखा तथा बैठक के अन्त में उपस्थित सभी के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी राजेश द्विवेदी, जिला उद्यान अधिकारी रणविजय सिंह, सहित अन्य संबंधित अधिकारी व उद्यमी उपस्थित रहे।

गो आश्रय स्थलों में मूलभूत सुविधाओं को लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों के साथ की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। मुख्य विकास अधिकारी सचिन कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में निराश्रित गोवंशों के संरक्षण को लेकर जनपद में संचालित गौशालाओं में हरा चारा, भूसा, पशु आहार, स्वच्छ पेयजल, शेड, बीमार पशुओं को उचित देखभाल इत्यादि सुविधाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने गौशालाओं के निर्माण कार्यों को लेकर समीक्षा किया। उन्होंने कहा कि जिन गौशालाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है उनको हैंड ओवर लेकर गोवंशों को संरक्षित कराएं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी नोडल अधिकारियों से जनपद में संचालित समस्त गौशालाओं पर मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी गो आश्रय स्थलों पर गोवंशों हेतु पर्याप्त मात्रा में पशु आहार, भूसा व हरा चारा की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए साथ ही वहां पर वर्तमान में ठंड व शीतलहर के दृष्टिगत गोवंशों की सुरक्षा हेतु समस्त को गोवंशों हेतु काऊकोट, अलाव, शेड के चारों तरफ तिरपाल तथा गो आश्रय स्थलों पर कार्यरत समस्त केयर टेकरों को कंबल देने के निर्देश मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि समस्त नोडल अधिकारी, बीडीओ व पशु चिकित्सक प्रत्येक गौशाला का एक दिन के अंतराल पर अवश्य निरीक्षण करें। इसके उपरांत उन्होंने समस्त गौशालाओं पर सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने की प्रगति की समीक्षा की जिस पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में दो गौशालाओं पर सीसीटीवी कैमरा लगा है शेष पर लगाए जाने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने समस्त संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि गोवंशों हेतु पीने का स्वच्छ पानी एवं छांव की उचित व्यवस्था रहे।

सहभागिता योजना के अंतर्गत गोवंशों की सुपुर्दगी व भुगतान के संबंध में जानकारी ली तथा निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार गोवंशों को सुपुर्दगी योजना के तहत गायों को देने व भुगतान की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आप लोग क्षेत्र में नियमित भ्रमण करें तथा जो भी गोवंश बाहर घूमते मिले उन्हें नजदीकी गौशाला में संरक्षित कराएं। इसके अतिरिक्त उन्होंने कहा कि गौशालाओं में भूसा दान देने हेतु किसानों से अपील करें तथा विशेष प्रयास कर अधिक से अधिक किसानों से गौशालाओं में भूसा दान कराएं। बैठक में उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक करें कि वह अपने गोवंशों को ना छोड़े, यदि कोई गोवंश छोड़ने पाया जाए तो उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाए। पशु चिकित्सकों को नियमित गौशालाओं में जाकर बीमार गोवंशों की देखभाल व चिकित्सीय उपचार करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी ने सभी गौशालाओं में रजिस्टरों का रखरखाव सुव्यवस्थित ढंग से करने के निर्देश दिए तथा कहा कि जो भी अधिकारी गौशालाओं का निरीक्षण करने जाएं वह उसमें निरीक्षण टिप्पणी अवश्य अंकित करें एवं जो भी कमियां हैं उसका सुधार कराएं। उन्होंने कहा कि निराश्रित गोवंशों के संरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री एवं शासन स्तर से लगातार समीक्षा की जा रही है तथा इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, समस्त खंड विकास अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी सहित नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

अधिकारियों व ग्राम प्रधानों की मिली भगत के चलते गांवो में कराए जा रहे मानक विहीन कार्य

बिसवां- सीतापुर जहां एक ओर शासन व प्रशासन ग्रामीण क्षेत्र के समुचित विकास के लिए प्रतिबद्ध होने का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर विकास खंड के अधिकारियों और ग्राम प्रधानों की कथित मिलीभगत के चलते गांवों में मानकविहीन कार्य कराए जा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला विकास खंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत कदूनी के शंकरपुर गांव में सामने आया है। यहां ग्राम प्रधान द्वारा खड़ंजा निर्माण में खुलेआम पीली ईंटों का उपयोग किया जा गया है। इतना ही नहीं, नाली निर्माण में भी मानकों की अनदेखी करते हुए पीली ईंटों से कार्य कराया गया है। इस अनियमितता को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध मेंखंड विकासअधिकारी बिसवां से वार्ता किए जाने पर उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्व0 चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस पर आज किसान मेला में 59 कृषक होगें पुरस्कृत

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने बताया है कि स्व0 चौधरी चरण सिंह जी (पूर्व प्रधानमंत्री) के जन्म दिवस पर 23 दिसम्बर मंगलवार को कृषि भवन परिसर में किसान मेला का आयोजन किया गया है जिसमें जनपद स्तरीय प्रथम पुरस्कार 18 कृषक, द्वितीय पुरस्कार 12 कृषक तथा विकास खण्ड स्तरीय 29 कृषकों को पुरस्कृत किया जायेगा। प्रथम पुरस्कार धनराशि रूपये 7 हजार, द्वितीय पुरस्कार धनराशि 5 हजार एवं विकास खण्ड स्तरीय पुरस्कार धनराशि 2 हजार प्रदान किया जायेगा।

रोडवेज कर्मियों के स्वास्थ्य को लेकर बड़ी पहल, निगम परिसर में लगा बहुआयामी स्वास्थ्य जांच शिविर

बलरामपुर। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित और सुचारु बनाए रखने वाले रोडवेज कर्मियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम परिसर में बहुआयामी सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ड्राइवर, कंडक्टर, कार्यालय एवं वर्कशॉप कर्मचारियों ने सहभागिता कर अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। शिविर का उद्घाटन जिला क्षय रोग अधिकारी एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों का स्वस्थ रहना न केवल उनके परिवारों के लिए बल्कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।स्वास्थ्य शिविर में नेत्र परीक्षण, सामान्य रक्त जांच, एचआईवी परामर्श एवं जांच, टीबी स्क्रीनिंग तथा एसटीआई परामर्श एवं जांच जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं। जांच के दौरान कर्मचारियों को विभिन्न बीमारियों से बचाव, समय पर जांच तथा उपचार के महत्व के प्रति जागरूक भी किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन में सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

पलिया क्षेत्र में अनोखी घटना

गाय ने एक साथ दो बच्चों को दिया जन्म, देखने उमड़ी लोगों की भीड़

पलिया- पलिया क्षेत्र के ग्राम बोझवा में एक दुर्लभ और सुखद घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना दिया है। गांव निवासी जयेन्द्र सिंह की गाय ने एक साथ दो स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया है। इनमें एक बछड़ा और एक बछिया शामिल हैं। गाय द्वारा जुड़वा बच्चों को जन्म देने की खबर फैलते ही ग्रामीणों और आसपास के लोगों की भीड़ उन्हें देखने के लिए जुटने लगी। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की घटना बहुत कम देखने को मिलती है, इसी कारण यह पूरे क्षेत्र में खास चर्चा का विषय बनी हुई है। परिजनों के अनुसार गाय और दोनों नवजात बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं। गांव के लोग इसे शुभ संकेत मान रहे हैं और परिवार को बधाइयाँ दे रहे हैं। यह अनोखी घटना न सिर्फ ग्राम बोझवा बल्कि पूरे पलिया क्षेत्र में कौतूहल और उत्सुकता का केंद्र बनी हुई है। अगर आप चाहें तो मैं इसे और भी ज्यादा असरदार हेडलाइन, सोशल मीडिया पोस्ट, या अख़बार कटिंग स्टाइल में भी तैयार कर सकता हूँ।

भ्रष्टाचारियों के सीने पर लगातार लोट रहे सांप

●राजा की कार्रवाई से प्रजा में खुशी तो भ्रष्टाचारियों में दहशत का माहौल

कड़ाके की ठंड में लगातार छूट रहा भ्रष्टाचारियों का पसीना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर में जहां फाइलें धूल में दबकर सो रही थी माफिया, दलालों, भ्रष्टाचारियों का जंगल राज चलता था लेकिन कहते हैं अंधेरा जितना ज्यादा होता है रोशनी भी उतनी ही तेज आती है सीतापुर में भी एक ऐसी रोशनी उतरी है सुपर हीरो की तरह यह कोई सीन नहीं यह सीतापुर की हकीकत है राजा गणपति आर की गाड़ियां देखकर भ्रष्टाचारियो के सीने पर सांप लोट जाते है। सर्दियों में भी माफियाओं के पसीने छूट रहे हैं अब सीतापुर में गुंडागर्दी का डर नहीं नियम कानून की गूंज सुनाई देती है। जो फाइलें सालों से अलमारी में धूल खा रही थी लोगों की उम्मीदें जमी पड़ी थी फिर से हरकत में आ गई है। एक अफसर ने सिस्टम की सांस खोल दी टेबल पर फाइल आते ही अधिकारियों की धड़कनें तेज हो जाती है क्योंकि जुगाड़ नहीं जांच और जिम्मेदारी चलती है। शिक्षा विभाग हो, स्वास्थ्य नीति हो, बिजली विभाग हो, निजी हो या सरकारी कोई भी संस्थान या कार्यालय किसी को नहीं पता डीएम कब और कहां किस रूप में पहुंच जाए। कभी अंधेरे में अस्पतालों अन्य संस्थानो का निरीक्षण और सुबह स्कूलों में अध्यापकों का अटेंडेंस चेक करते डीएम दिख जाते हैं तो कभी खेत में खड़े होकर किसानों की समस्याएं तो कभी विकासखंड में बैठक कर अधिकारियों की कमियों को गिना रहे होते हैं और ऑन द स्पॉट एक्शन ऐसे करते हैं जैसे साउथ इंडियन मूवी का क्लाइमेक्स यह असल जिंदगी में है डीएम कहते नहीं दिखाते हैं काम कैसे होता है कई सालों से दर्द दवाई लोग चुप बैठे-बैठे थक गए थे जिनकी आवाज फाइलों के नीचे दबी थी आज डीएम ऑफिस के बाहर लोग लंबी कतार में खड़े हैं क्योंकि उन्हें पता है यहां सुना भी जाएगा और किया भी जाएगा जनता का भरोसा लौट आया है और भरोसा लौट आए तभी तो सिस्टम बदलना शुरू होता है जिलाधिकारी महोदय को पता है अधिकारी अगर ड्यूटी निभा दे तो पूरा सिस्टम पूरा जिला एक नई दिशा पकड़ लेगा। सीतापुर बदल रहा है उनका सुपर हीरो अपना काम कर रहा है!!

परिवहन निगम से हुई दुर्घटना में मृतक व्यक्तियों की मजिस्ट्रियल जांच हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट लालगंज नामित

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेट शिव सहाय अवस्थी ने बताया है कि परिवहन निगम से हुई दुर्घटना में मृतक व्यक्तियों की जांच हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट लालगंज को नामित किया गया है जो घटना घटित होने की परिस्थितियों व सम्बन्धित सभी लोगों के अभिकथन व साक्ष्य लेकर समस्त पहलुओ की गहनता से सघन जांच करके अपनी विस्तृत आख्या 15 दिवस के भीतर उपलब्ध करायेगें। उन्होने बताया है कि 24 अगस्त को ग्राम तिना चितरी कालेज थाना क्षेत्र लीलापुर में बस संख्या यूपी 33एटी-1897 से पूजा वर्मा पत्नी उमेश वर्मा तथा दिनांक 30 अगस्त को कैथोला रानीगंज थाना क्षेत्र लालगंज में बस संख्या-यूपी 78जेएन-2035 से सूरत सरोज पुत्र बबलू सरोज की दुर्घटना में मृत्यु हो गयी थी।

मलिहाबाद में शर्मनाक वारदात, बच्ची से अश्लील हरकत के आरोप में इरफान उर्फ पप्पू गिरफ्तार, पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। मलिहाबाद क्षेत्र में 6 साल की मासूम बच्ची के साथ अश्लील हरकत और दरिंदगी के प्रयास का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मोहल्ले के ही रहने वाले आरोपी इरफान अली उर्फ पप्पू ने बच्ची को 10 रुपये का लालच देकर अपने कमरे में बंधक बना लिया। बताया गया कि शनिवार 20 दिसंबर को बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान आरोपी इरफान अली उर्फ पप्पू उसे बहला-फुसलाकर अपने कमरे में ले गया। जब काफी देर तक बच्ची घर नहीं लौटी तो मां उसे ढूंढते हुए आरोपी के कमरे तक पहुंची। मां के आवाज लगाने पर बच्ची ने दरवाजा खोला, तभी आरोपी पप्पू पैंट की चैन बंद करते हुए मौके से फरार हो गया। बच्ची ने मां को बताया कि आरोपी पहले भी उसे पैसों का लालच देकर कमरे में बुलाता था और उसके साथ अश्लील हरकतें करता था। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों के होश उड़ गए। पीड़िता की मां ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी पप्पू के खिलाफ संबंधित धाराओं सहित पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद पुलिस टीमों ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में सांसद का उपवास सत्याग्रह, राकेश राठौर बोले- गांधी की विचारधारा की हत्या कर रही भाजपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर में मनरेगा योजना का नाम बदलकर विकसित भारत रोजगार आजीविका गारंटी मिशन योजना किए जाने के विरोध में सोमवार को कांग्रेस सांसद राकेश राठौर ने उपवास सत्याग्रह किया इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने शहर में पैदल मार्च निकालकर केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। पैदल मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और मनरेगा का नाम यथावत रखने की मांग की। पैदल मार्च शहर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ अम्बेडकर पार्क पहुंचा। इससे पहले सांसद राकेश राठौर ने महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद अम्बेडकर पार्क में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर उन्होंने उपवास सत्याग्रह प्रारंभ किया सांसद राठौर ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के नाम से जुड़ी योजना का नाम बदलना निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है यह फैसला उस विचारधारा पर हमला है, जिसने गरीबों, मजदूरों और वंचितों को आत्मसम्मान के साथ रोजगार का अधिकार दिया। उन्होंने कहा कि मनरेगा केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि गांधीजी के विचारों और सिद्धांतों का प्रतीक है। सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा पहले गांधी की हत्या कराने वाली विचारधारा से जुड़ी रही है और अब उनके विचारों की हत्या कर रही है उन्होंने कहा कि सरकार को गांधी के नाम और उनके सिद्धांतों से समस्या है, इसलिए योजनाओं से उनका नाम हटाया जा रहा है। राम के नाम को लेकर उठे सवालों पर सांसद राठौर ने स्पष्ट किया कि भगवान राम के नाम से किसी को कोई आपत्ति नहीं है। आपत्ति इस बात की है कि गांधी के नाम को योजनाओं से हटाया जा रहा है उन्होंने कहा कि भाजपा को विकास और रोजगार जैसे मूल मुद्दों पर जवाब देना चाहिए, न कि योजनाओं के नाम बदलकर जनता का ध्यान भटकाना चाहिए। इस मौके पर कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे सभी ने एक स्वर में मनरेगा का नाम बहाल करने और केंद्र सरकार के फैसले को वापस लेने की मांग की!!

घने कोहरे में विजिबिलिटी महज 5 मीटर तक सिमट कर रह गई, शीतलहर से जनजीवन प्रभावित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर में घने कोहरे और शीतलहर का प्रकोप लगातार जारी है। रविवार के बाद सोमवार को भी सुबह से ही जिले में घने कोहरे की मोटी चादर छाई रही, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ हालात ऐसे रहे कि सड़कों पर विजिबिलिटी महज 5 मीटर तक सिमट कर रह गई। कोहरे के चलते वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और रफ्तार पर पूरी तरह से लगाम लग गई। आज सुबह जिले का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो ठंड के तीखे तेवरों को दर्शाता है वहीं रविवार को अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था सुबह से चल रही ठंडी हवाओं ने ठिठुरन को और अधिक बढ़ा दिया है, जिससे लोग गर्म कपड़ों में भी ठंड से बचाव करते नजर आए घने कोहरे का असर रेल यातायात पर भी साफ तौर पर देखने को मिला। कई पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें अपने निर्धारित समय से करीब एक घंटे की देरी से चल रही हैं यात्रियों को स्टेशन पर ठंड और कोहरे के बीच लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। रेलवे प्रशासन द्वारा ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही के लिए विशेष सावधानियां बरती जा रही हैं कोहरे और शीतलहर के कारण सुबह के समय स्कूल जाने वाले बच्चों, कामकाजी लोगों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ा सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए वहीं हाईवे और प्रमुख मार्गों पर फॉग लाइट और डिपर का इस्तेमाल करते हुए वाहन चलते दिखे। प्रशासन और यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों से सतर्कता बरतने और धीमी गति से वाहन चलाने की अपील की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले कुछ दिनों तक ठंड और कोहरे से राहत मिलने की संभावना कम है शीतलहर के चलते लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं!!

महिला का नकाब खींचने के खिलाफ ऐपवा ने निकाला मुख्यमंत्री के खिलाफ जुलूस

● ऐपवा जिलाध्यक्ष रामावती देवी ने किया सभा को संबोधित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपालगंज- भोरे- नकाब खींचने वाले मुख्यमंत्री महिला डाक्टर से माफ़ी मांगों,धार्मिक पहचान पर हमला बंद करो, सार्वजनिक तौर पर किसी स्त्री के कपड़े खींचना मर्यादा और इंसाफ का उलंघन हैं हिन्दू- मुस्लिम महिलाओं पहनावा जिंदाबाद इत्यादि नारे लगाते हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम के तहत ऐपवा ने भोरे पार्टी कार्यालय से जुलूस निकाला तथा भोरे चारमुहानी पर सभा की सभा को संबोधित करते हुए ऐपवा जिलाध्यक्ष सीता पाल ने कहा कि आप सब लोग फेसबुक अखबार के माध्यम से जानते है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक महिला डॉक्टर को प्रशस्तिपत्र देते समय सार्वजनिक रूप से उनका हिजाब खींचकर अपमानित किया गया आज इस मार्च के माध्यम से मैं इस घटना की तीखी शब्दों में निंदा करती हूँ तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से माफ़ी मांगने की मांग करती हूँ उन्होंने कहा कि बिहार में अगर छोटी-छोटी बच्चियों के साथ अगर बलात्कार हो रहे हैं अपराध बढ़ रहा हैं तो उसका वजह यही हैं, आगे उन्होंने कहा कि विधानसभा में मुख्यमंत्री ने लड़का- लड़की के बारे में कितनी शर्मिंदगी वाली क्या-क्या बात कहें हैं सब लोग जानते हैं इनका मानसिक संतुलन गड़बड़ा गया हैं, सभा को संबोधित करते हुए ऐपवा के जिलाध्यक्ष रामावती देवी -प्रभावती देवी ने कहा कि नीतीश -मोदी सरकार ने दस-दस हज़ार रुपया देकर लोगों को ठग लिया और जब सरकार बन गयी तो गरीबों के घर पर बुलडोजर चला रहीं हैं उन्होंने कहा कि भोरे में गरीबों की दुकान तो उजाड़ दी गई मगर रोड के किनारे बिजली के खम्बे गड़े हैं जो जाम के गम्भीर कारण बने हुए हैं उन्होंने उन खम्भों को तत्काल हटाने व गरीबों के झोपड़ियों पर चल रहे बुलडोजर पर रोक लगाने की मांग कि, सभा को जिला पार्षद सदस्य ललिता चौहान, काजल तिवारी, भोरे मुखिया प्रियंका कुमारी, गिरजा देवी इत्यादि ने संबोधित किया

युवक पर धारदार हथियार से किया ताबड़तोड़ हमला सिर- गले पर गहरे जख्म, हालत गंभीर लखनऊ रेफर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर में रविवार दे रात एक युवक पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर उसे मरणासन्न अवस्था में खेत में फेंक देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है हमलावर युवक को गंभीर रूप से घायल कर मौके से फरार हो गए। होश में आने के बाद घायल किसी तरह अपने घर पहुंचा, जिसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से हालत नाजुक होने पर डॉक्टर ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। घटना थाना रामकोट क्षेत्र के खटकरी खुर्द गांव की है बताया जा रहा है कि पीड़ित युवक ओमकार को आरोपियों ने घर से बुलाकर ले गए थे। इसके बाद खेत में ले जाकर उस पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया गया हमलावरों ने युवक के सिर पर कई बार वार किए, उसका कान काट दिया और गला भी काटने का प्रयास किया। गंभीर रूप से घायल युवक को मृत समझकर हमलावर खेत में ही फेंक कर फरार हो गए कुछ समय बाद होश में आने पर युवक किसी तरह खुद को घसीटते हुए घर पहुंचा। परिजन उसे इस हालत में देखकर दहशत में आ गए और तुरंत जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए लखनऊ के लिए रेफर कर दिया पीड़ित के परिजनों ने शीर्ष के देवगनपुर के ग्राम प्रधान महेश पर घटना में शामिल होने का आरोप लगाया है परिजनों का कहना है कि पुरानी रंजिश के चलते इस घटना को अंजाम दिया गया है सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है पुलिस का कहना है कि पीड़ित के बयान और परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जा रहा है। आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है!!

प्रादेशिक हॉकी टूर्नामेंट के दूसरे दिन दर्शकों को देखने को मिले रोमांचक मुकाबले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां- सीतापुर मेला हजरत गुलजार शाह रह0 अलैह के हॉकी ग्राउंड में आयोजित प्रादेशिक हॉकी टूर्नामेंट के दूसरे दिन दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। टूर्नामेंट के तहत कुल चार मैच खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। पहला मुकाबला शाहजहांपुर और रायबरेली के बीच खेला गया, जिसमें रायबरेली की टीम ने एकतरफा खेल दिखाते हुए 4-0 से जीत दर्ज की। रायबरेली की ओर से आकाश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरा मैच बहराइच और लखीमपुर के बीच हुआ। लखीमपुर की टीम ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए 5 गोल किए, जबकि बहराइच की टीम केवल एक गोल ही कर सकी। इस प्रकार लखीमपुर ने 5-1 से मुकाबला अपने नाम किया। लखीमपुर के शैजल ने हैट्रिक लगाकर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार हासिल किया। तीसरा मुकाबला बिसवां और बाराबंकी के बीच खेला गया, जो बेहद रोमांचक रहा। निर्धारित समय तक मैच ड्रा रहा। इसके बाद शूटआउट में बिसवां की टीम ने 2 गोल किए, जबकि बाराबंकी ने 3 गोल दागकर जीत हासिल की। बाराबंकी टीम के कप्तान इब्राहीम को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। चौथा मैच बरेली और शिवगढ़ के मध्य खेला गया, जिसमें शिवगढ़ की टीम ने बरेली को 2-0 से पराजित किया। टूर्नामेंट में निर्णायक की भूमिका परवेज अख्तर, मनीष द्विवेदी, खुर्शीद अहमद, फहद खान और दुर्गा प्रसाद ने निभाई। इस अवसर पर टूर्नामेंट सचिव मास्टर असलम सहित इशरत अली, हाजी इसरार खां, राजकुमार रस्तोगी, जैनुल आबदीन, शुऐब खान, रेहान कादरी, नुसरत अली, अन्नू तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी दर्शक मौजूद रहे।

विकसित भारत-जी राम जी बिल 2025 को लेकर कार्मिक हितों की आवाज, केंद्रीय राज्यमंत्री कमलेश पासवान से गोरखपुर मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट

●कार्मिकों के हितों के संरक्षण, मानदेय वृद्धि और सुरक्षा की गारंटी पर रखे गए ठोस सुझाव, ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान तक प्रस्ताव पहुंचाने का मिला आश्वासन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। विकसित भारत-जी राम जी बिल 2025 के माध्यम से कार्मिकों के हितों के संरक्षण तथा उनकी भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने की मांग को लेकर सोमवार को गोरखपुर मंडल के साथियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय राज्यमंत्री, ग्रामीण विकास, भारत सरकार कमलेश पासवान से भेंट कर अपना पक्ष मजबूती से रखा। प्रतिनिधिमंडल ने विधेयक के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि यह बिल कार्मिकों के अधिकारों, कार्यसुरक्षा, सेवा शर्तों तथा सामाजिक सम्मान को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकता है। भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से मनरेगा कर्मियों के लंबे समय से लंबित मानदेय वृद्धि के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। साथ ही यह भी मांग रखी गई कि मनरेगा सहित ग्रामीण विकास योजनाओं में कार्यरत कर्मचारियों को स्थायी सुरक्षा की गारंटी, दुर्घटना बीमा, समयबद्ध भुगतान और प्रशासनिक उत्पीड़न से संरक्षण दिया जाए। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि सीमित मानदेय और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों के बावजूद ये कार्मिक ग्रामीण विकास की रीढ़ बने हुए हैं, ऐसे में उनके हितों की अनदेखी न्यायसंगत नहीं है।

केंद्रीय राज्यमंत्री कमलेश पासवान ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि कार्मिक हितों से जुड़े इन महत्वपूर्ण सुझावों पर यथासंभव सकारात्मक पहल की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मनरेगा कर्मियों के मानदेय वृद्धि, सेवा सुरक्षा और संरचनात्मक सुधारों से जुड़े प्रस्तावों को ग्रामीण विकास मंत्री भारत सरकार शिवराज सिंह चौहान के संज्ञान में अवश्य लाया जाएगा, ताकि इस दिशा में ठोस निर्णय लिया जा सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष देव प्रताप सिंह, कोर कमेटी सदस्य उदय राज शर्मा, अतुल राय एवं विनय द्विवेदी भी उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर में केंद्र सरकार से अपेक्षा जताई कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे कार्मिकों को आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक रूप से सशक्त किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

अन्नपूर्णा भवन निर्माण हेतु कार्यदायी संस्थायें 29 दिसम्बर को आयोजित बैठक में आवेदन दें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला पूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी ने जनपद में अन्नपूर्णा भवन निर्माण हेतु इच्छुक कार्यदायी संस्थाओ को सूचित किया है कि 29 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे विकास भवन सभागार में अन्नपूर्णा भवन अनुश्रवण समिति की बैठक आहूत की गयी है। बैठक में इच्छुक कार्यदायी संस्थायें अपने कार्यानुभव व अन्य आवश्यक प्रपत्रों के साथ जिला अनुश्रवण समिति के समक्ष अन्नपूर्णा भवन निर्माण हेतु अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है। जिला अनुश्रवण समिति द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर कार्यदायी संस्थाओं के योग्यता आदि के परीक्षणोपरान्त निर्माण कार्य आवंटन के सम्बन्ध में निर्णय लिया जायेगा। अधिक जानकारी हेतु जिला पूर्ति कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है। निर्मित किये जाने वाले उचित दर दुकान (अन्नपूर्णा भवन) का मानचित्र खाद्य एवं रसद विभाग की वेबसाइट https://fcs.up.gov.in पर भी उपलब्ध है।

फर्मे जेम पोर्टल पर लेखन सामग्री किट क्रय किये जाने हेतु 05 जनवरी को करें प्रतिभाग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/प्रभारी अधिकारी जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) आदित्य प्रजापति ने बताया है कि आगामी त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 हेतु लेखन सामग्री किट क्रय किये जाने हेतु जेम पोर्टल द्वारा बिड/निविदा के माध्यम से क्रय के आधार पर नियमानुसार न्यूनतम एल-1 दर वाली जेम पोर्टल पर रजिस्टर्ड एवं अनुभवी फर्म का चयन किये जाने हेतु क्रमशः जेम बिड संख्या जेम/2025/बी/7022524 दिनांक 20 दिसम्बर में 05 जनवरी 2026 को अपरान्ह 3.30 बजे तक प्रतिभाग कर सकता है। निर्धारित निविदा की शर्तें जेम पोर्टल पर उपलब्ध होगी। इच्छुक फर्में तकनीकी एवं वित्तीय भाव से सम्बन्धित अभिलेख एवं शर्ते जेम पोर्टल से डाउनलोड कर सकते है तथा निर्धारित तिथि तक ही जेम पोर्टल पर सबमिट कर सकते है। टेक्निकल बिड वैध पाये जाने पर ही वित्तीय बिड पर विचार किया जायेगा।

प्रेम, समानता और एक ही ईश्वर की रचना लिखने वाले बाला प्रीतम हिन्द के पीर गुरु गोविंद सिंह

गुरु गोविंदसिंह जी की जन्म जयंती पर विशेष

सिखों के दसवें तथा मानवीय रूप में अंतिम गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म 5 जनवरी 1666 को पटना में हुआ था। नौ वर्ष की आयु में ये 24 नवंबर 1675 को गुरु बने इस संसार से विदा लेने से पहले उन्होंने गुरू ग्रंथ साहिब जी को सिखों का अगला गुरु घोषित किया था। खालसा पंथ की स्थापना करके उन्होंने सिख धर्म को मौजूदा स्वरूप प्रदान किया उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों में गुरु ग्रंथ साहिब को पूर्ण करना भी शामिल है।नौवें सिख गुरु गुरुतेग बहादुर और उनकी पत्नी माता गुजरी के यहां पटना में जन्में गोविंद सिंह का प्रारंभिक नाम गोविंद राय था।उस समय उनके पिता आसाम को धार्मिक यात्रा पर थे। जनश्रुति है कि वर्तमान हरियाणा के करनाल जिले के ठसका गांव के एक फकीर पीर भीकन शाह ने उनके जन्म की भविष्य वाणी पहले ही कर दी थी। एक दिन नमाज करते वक्त भीकन शाह ने पूरब की तरफ सिजदा किया जबकि इस्लामिक उपासना पद्धति में पश्चिम की ओर मुंह करके नमाज पढ़ी जाती है।जब गांव वालों ने उनसे उनके इस आश्चर्य भरे व्यवहार के बारे में पूछा तब पीर साहब ने बताया जिसे ईश्वर ने उद्धारक के तौर पर चुना है, पटना में पैदा होगा।जो कि पूरब में पड़ता है।इसके बाद पीर भीकन शाह अपने कुछ शिष्यों के साथ उस बच्चे को देखने पटना गए।उन्होंने मिठाई से भरे दो कटोरे उस बच्चे के आगे रखे एक कटोरा मिठाई हिंदू के यहां से और दूसरे कटोरे की मिठाई मुसलमान के यहां से खरीदी गई थी। जो इस बात का प्रतीक थी कि भारत में हिंदू और मुस्लिम दो प्रमुख धर्म है। बच्चे ने दोनों कटोरों पर अपने हाथ रख दिए जो इस बात का सबूत था कि उसके द्वारा हिंदू और मुस्लिम दोनों से बराबरी का व्यवहार किया जाएगा। एक अन्य जनश्रुति के अनुसार अंबाला जिले के लखनौर के फकीर अरफदीन ने भी इस बालक का सजदा किया था और उसे देवदूत घोषित किया था।यह बालक गोविंदराय ही थे। गोबिंद राय ने अपने जीवन के प्रारंभिक पांच वर्ष पटना में ही बिताए थे। बचपन में दूसरे बच्चों के साथ युद्ध के खेल खेलते थे एक ब्राह्मण पंडित शिवदत्त समेत उनके कई प्रशंसक थे। एक बार पटना के निःसंतान राजा फतेहचंद और उनकी पत्नी पंडित शिवदत्त के यहां गए और उनसे एक बच्चे का आशीर्वाद मांगा।शिवदत्त ने उन्हें सलाह दी कि यदि गोविंद राय जैसा निष्पाप निश्च्छल बच्चा उनके लिए ईश्वर से प्रार्थना करेगा तो उनकी इच्छा अवश्य पूरी होगी तब राजा और रानी ने गोविंद राय से प्रार्थना कि वे उनकी संतान प्राप्ति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करें, यह सुनकर गोविंद राय जैसी ही हो तब गोबिंद राय हल्के से मुस्कराए और बोले कि मेरे जैसा कोई दूसरा नहीं हो सकता इसलिए रानी साहिबा उन्हें ही अपना बेटा बुला सकती हैं। उस दिन से रानी उन्हें बाला प्रीतम (बाल ईश्वर) के नाम से बुलाने लगी। अब भी कहीं-कहीं गुरु गोबिंद सिंह का उद्धरण देते वक्त लोग बालाप्रीतम शब्द का प्रयोग करते हैं।

राजा रानी ने गोबिंद राय और उनके दोस्तों के लिए महल के दरवाजे खोल दिए।उनके खाने के लिए एक बड़ा हाल भी बनवाया।गोविंद राय के अन्य दो प्रशंसकों में नवाब रहीम बक्श और नवाब करीम बक्श के नाम भी शामिल है।नवाब करीम बक्श ने इस दैवीय बालक को एक गांव और बगीचे उपहार में दिए थे।

गुरु तेग बहादुर ने बिलासपुर (कहलूर) के राजा से जमीन खरीदकर 1665 में आनंदपुर साहिब का शिलान्यास किया था। पूर्वी भारत की यात्रा के पश्चात उन्होंने अपना परिवार आनंदपुर साहिब बुला लिया तब इस जगह को चक्क नानकी कहा जाता था शिवालिक पर्वतमाला की तलहटी में बसे इस शहर में गोबिंद राय ने मार्च 1672 में पैर रखा उनकी प्रारंभिक शिक्षा में पंजाबी, ब्रज, संस्कृत, फारसी और अरबी भाषाओं का ज्ञान शामिल था।साथ ही सैन्य प्रशिक्षण भी हिंदी और संस्कृत का अध्ययन पटना में शुरू किया। आनंदपुर साहिब में साहिब चंद से उन्होंने पंजाबी सीखी काजी पीर मोहम्मद ने उन्हें फारसी और उर्दू का ज्ञान दिया उनके सैन्य प्रशिक्षण के लिए एक राजपूत योद्धा नियुक्त किया गया था। 1675 में कश्मीरी पंडितों को जबरन इस्लाम धर्म अपनाने के लिए बाध्य किए जाने के खिलाफ गुरु तेग बहादुर के मुगल बादशाह औरंगजेब से बात की औरंगजेब को यह बात पसंद नहीं आई और उसने 11 नवंबर को गुरु तेग बहादुर का चांदनी चौक दिल्ली में सरे बाजारसिर कलम करवा दिया। गुरु तेग बहादुर का कटा सिर प्रदर्शन के लिए चौक पर रखा जाने वाला था। गुरु की नृशंश हत्या से उनके मानने वाले डर गए।कुछ लोगों ने तो खुद को गुरु का समर्थक मानने से भी इंकार कर दिया। उन्हें डर था कि बादशाह उन्हें भी मरवा देगा। गुरु तेग बहादुर के एक सच्चे भक्त भाई जैता (भाई जीवन सिंह) ने अपने गुरु के कटे हुए सिर की नुमाइश होने से पहले ही उठाकर आनंदपुर पहुंचा दिया।गुरु तेगबहादुर ने अपनी मृत्यु से पहले ही अपने पुत्र गोबिंदराय को अगला गुरु घोषित कर दिया था।इसलिए उनके बाद गोबिंद राय ने सिखों के दसवें गुरु का पदभार संभाला। दिल्ली में अपने पिता के साथ हुई घटना से सबक लेते हुए उन्होंने अपने समर्थकों में बलिदानी जजबात भरने का काम शुरु किया। उन्होंने 52 विद्वान कवियों को वीरता पूर्ण संस्कृत काव्यों को सरल भाषा में अनुवाद करने के काम में लगा दिया।अपने समर्थकों में युद्धोन्माद भरने के लिए अपनी कई रचनाओं में रणगीत लिखे। साथ ही उन्होंने प्रेम, समानता, एक ईश्वर की उपासना, मूर्तिपूजा के ह्रास और अंधविश्वास दूर करने वाली रचनाएं भी लिखीं। गुरु गोबिंद राय के बढ़ते प्रभाव से बिलासपुर के राजा भीमचंद को चिंता होने लगी है। आनंदपुर बिलासपुर की सीमा में ही स्थित था।इधर गुरुजी ने अपने सैनिकों में जोश भरने के लिए रण नगाड़ा बनाने का आदेश दिया।इस तरह के जंगी नगाड़े बजाना उन दिनों सेना नायकों तक ही सीमित था। राजा ने रण नगाड़े को एक विद्रोही कदम माना।उसने गुरुजी से आनंदपुर में एक मुलाकात की। गुरु के दरबार में राजा का भव्य स्वागतकिया गया। वहां भक्तों द्वारा गुरु को अर्पण किए गए उपहारों को देखकर राजा की आंखें फटी रह गई ।बाद में भीमचंद ने गुरुजी के पास संदेश भिजवाया कि वह प्रसादी नामक हाथी पर सवारी करना चाहता है।

यह हाथी भक्तों ने गुरुजी को भेंट किया था। गुरुजी ने राजा की नीयत भांप ली कि एक बार सवारी करने के बाद राजा हाथी वापस नहीं करेगा।इसलिए उन्होंने राजा को यह कहकर हाथी देने से इंकार कर दिया कि इससे भक्त नाराज होंगे। इन सब घटनाओं से राजा और गुरुजी के बीच तनाव बढ़ता ही गया ।अप्रैल 1685 में सिरमूर के राजा मत प्रकाश के बुलावे पर गुरुजी ने अपना निवास पाओंता स्थानांतरित कर लिया। मत प्रकाश ने गढ़वाल के राजा फतेह शाह के खिलाफ अपनी शक्ति बढ़ाने के लिए गुरुजी को अपने पास बुलाया था।गुरुजी ने पौंता में अपने शिष्यों से बहुत कम समय में एक किला भी बनवा लिया।वे अपनी सैन्यशक्ति बढ़ाने में लगे रहे।

राजा फतेह शाह भी गुरु से मिलने आया। जिससे गुरुजी बड़े ही आदर के साथ मिले। गुरुजी ने दोनों राजाओं के बीच संधि करा दी।वे तीन साल तक वहीं रहे और कई रचनाएं लिखीं।पातों में रहने के दौरान भी भीमचंद और गुरुजी के बीच तनाव बढता ही गया जिसका नतीजा भानगी के युद्ध के रूप में सामने आया। गढ़वाल के राजा फतेह शाह, कटोच के किरपाल, गुलेर के गोपाल, हादुर के हरीचंद तथा जसवाल के राजा भीमचंद के साथ थे।इसके अलावा गुरू से अलग हुए उनके कुछ पठान सेवकों का भी भीमचंद को समर्थन था। गुरुजी के साथ उनके शिष्य, कुछ उदासी, कुछ पठान और सधुआरा के पीर बुधुशाह के 700 समर्थक थे। गुरुजी ने भग्न गनी का युद्ध जीत लिया। इस युद्ध को जीतने के कुछ समय बाद गुरुजी ने आनंदपुर वापस लौटने का फैसला किया। वापसी की यात्रा में गुरु जी सधुआरा, लहर पुर, रायगढ़, तबरा, रायपुर, तोदा, नादा ढाकोली, कोटला, घनौला, बंगा और कीरतपुर में भी रुके। अंततः आनंद पुर पहुंचकर उन्होंने भीमचंद से शांति समझौता किया।

1680 के आसपास दक्खन में अपने अभियान का खर्च पूरा करने के लिए औरंजेब ने पहाड़ी राजाओं से बकाया कर वसूलना शुरू कर दिया।इन राजाओं पर लगातार तीन साल का कर बाकी था।कांगड़ा और आस-पास के इलाके की वसूली आलिफ खान को सौंपी गई थी।कुछ राजाओं ने तो कर देना स्वीकार कर लिया. लेकिन भीमबंद ने शाही फरमान मानने से इंकार कर दिया। गुरुजी ने भीमबंद का साथ दिया और इसके परिणाम स्वरूप हुए नादौन के युद्ध को जीत लिया। बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया।

1694 में पंजाब के मुगलिया सूबेदार दिलावर खान ने अपने बेटे को एक हजार सैनिकों के साथ आनंदपुर पर कब्जा करने भेजा।सतलज नदी के पास गुरु के सैनिक आलम चांद (आलम सिंह) ने खान जादे की रोका और गुरु की सेना को सतर्क कर दिया। रणजीत नगाड़ा गूंजने लगा।गुरु की सेना ने नदी की ओर कूच कर दिया। नतीजतन मुगल सेना को पीछे लौटना पड़ा।इस हार से बौखलाकर दिलावर खान ने अपने गुलाम हुसैन की अगुवाई में दो हजार सैनिक भेजे।हुसैन ने कुछ पहाड़ी राजाओं को हराकर और कुछ को अपनी ओर मिलाकर गुलेर पर कब्जा कर लिया।उसने राजा गोपाल से 10 हजार रुपए मांगे। गोपाल ने हुसैन से मध्यस्थता के लिए गुरुजी से मदद मांगी। गुरुजी ने अपने प्रतिनिधि संगीता को सात प्लाट्नों के साथ हुसैन के पास भेजा। पर बात नहीं बनी। बाद में युद्ध हुआ और हुसैन मारा गया।भीमचंद हुसैन का साथ दे रहा था। हुसैन के ठंडे होते ही भीमचंद की फौजें भाग खड़ी हुई।राजा गोपाल की जीत हुई।दिलावर खान ने जुझार सिंह और चंदेल राय के नेतृत्व में अपने आदमी शिवालिक पर्वत श्रृंखला की ओर भेजे।उन्हें जसवाल के गजसिंह ने धूल चला दी। शिवालिक में हो रही हलचल ने औरंगजेब के कान खड़े कर दिए ,उससे अपने बेटे की कमान में फौजी दस्ते शिवालिक की तरफ भेजे।

कांतिलाल मांडोत

नीति-नेतृत्व-नियत के साथ आस्था का गठजोड़ भारत को प्रदूषण-मुक्त बना सकता है

प्रदूषण आज केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक संतुलन और सभ्यता के अस्तित्व की निर्णायक रेखा बन चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के वर्ष 2023 के आंकड़ों के अनुसार, वायु प्रदूषण के कारण विश्व-भर में लगभग 68 लाख असामयिक मौतें हुईं, जिनमें भारत की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से भी अधिक है। यह स्थिति किसी एक शहर या क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आपदा का रूप ले चुकी है।

विडंबना यह है कि हम पर्यावरण प्रदूषण पर पाठ्य-पुस्तकों में पढ़ते हैं, शोध संगोष्ठियों में विमर्श करते हैं, संसद में इस पर चर्चा की मांग उठाते हैं और समय-समय पर प्रदूषण-मुक्ति के संकल्प भी लेते हैं, किंतु जन-व्यवहार में वास्तविक सुधार की बात प्रायः हाशिये पर चली जाती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 2024 के आंकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि देश के 39 प्रमुख शहरों में से 31 शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (ऐक्यूआई) 300 से ऊपर, अर्थात 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच चुका है। यह भी निर्विवाद सत्य है कि जल, भूमि, वायु और ध्वनि प्रदूषण के लिए प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मानव गतिविधियां ही मुख्य रूप से उत्तरदायी हैं। इसके बावजूद नागरिक, नेतृत्व और संस्थाएं प्रदूषण की आहट, उसके दुष्परिणामों और भविष्य के खतरों के प्रति प्रायः उदासीन ही दिखाई देते हैं।

पिछले कुछ दशकों में भारत में राजनेताओं, फिल्मी सितारों, खिलाड़ियों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, यूट्यूबर्स, धर्मगुरुओं, मीडिया एंकरों, उद्यमियों, शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों का सामाजिक प्रभाव उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। विभिन्न सामाजिक अध्ययनों से संकेत मिलता है कि इन प्रभावशाली व्यक्तियों के समर्थन से संचालित जन-जागरूकता अभियानों की सफलता की संभावना 30 से 50 प्रतिशत या उससे भी अधिक हो सकती है, क्योंकि ये जनमानस की सोच और व्यवहार को दिशा देने की क्षमता रखते हैं। आदर्श स्थिति यह है कि ऐसी हस्तियां किसी आर्थिक या प्रचारात्मक लोभ से परे, इसे अपना सामाजिक कर्तव्य समझकर आगे आएं। कुछ लोग इस दिशा में प्रयासरत भी हैं, किंतु भारत जैसी विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह संख्या अभी नगण्य है।

स्वच्छ भारत अभियान ने यह सिद्ध किया है कि जब राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक प्रतिबद्धता और जन-भागीदारी एक साथ आती हैं, तो व्यवहार में परिवर्तन संभव है। उसी तर्ज पर यदि 'प्रदूषण-मुक्त भारत अभियान' को नीति, कानून और नेतृत्व के साथ जमीन पर उतारा जाए तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नियम पुस्तकों से निकलकर सड़कों और घरों तक पहुंचें, तो जन-व्यवहार में बदलाव निश्चित रूप से देखा जा सकता है।

भारतीय परंपरा में धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन-शैली है। ऋग्वेद का मंत्र 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' , मनुष्य को पृथ्वी का उत्तरदायी पुत्र घोषित करता है। अथर्ववेद का पृथ्वी-सूक्त पंचमहाभूतों के संतुलन को जीवन का आधार मानता है। हमारी सांस्कृतिक चेतना में नदियां माता हैं, वृक्ष देवतुल्य हैं और पर्वत आराध्य हैं। जैन धर्म का अहिंसा सिद्धांत केवल मानव तक सीमित नहीं, बल्कि समस्त जैविक घटकों के प्रति करुणा और संरक्षण का संदेश देता है। बौद्ध धर्म का मध्यम मार्ग अंध-उपभोग और संसाधनों के अति दोहन से विरत रहने की प्रेरणा देता है। सिख धर्म में गुरु नानक देव का वचन 'पवन गुरु, पानी पिता, माता धरत महत' , पर्यावरण को परिवार का अंग मानकर उसके प्रति जिम्मेदार आचरण की सीख देता है। इस्लाम में पृथ्वी को अल्लाह की अमानत (कुरान) कहा गया है, जबकि ईसाई परंपरा में सृष्टि-रक्षा को ईश्वर-सेवा का स्वरूप माना गया है। स्पष्ट है कि सभी प्रमुख धर्मों में पर्यावरण-अनुकूल आचरण के स्पष्ट संदेश मौजूद हैं। इसके बावजूद, धार्मिक आस्थाओं और दैनिक व्यवहार के बीच एक गहरी खाई दिखाई देती है। आज आवश्यकता है कि सभी धर्मों के धर्मगुरु अपने प्रवचनों, आयोजनों और सार्वजनिक संवादों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल-संरक्षण और वृक्षारोपण को अनिवार्य विषय के रूप में स्थान दें। यदि आस्था के मंच से यह संदेश स्पष्ट रूप से जाए कि मानवजनित प्रदूषण न केवल प्रकृति के विरुद्ध है, बल्कि धार्मिक मूल्यों के भी प्रतिकूल है, तो उसका प्रभाव व्यापक और स्थायी हो सकता है।

हमें अंतर-सरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल (आईपीसीसी) की वर्ष 2023 की चेतावनी को भी गंभीरता से लेना चाहिए, जिसके अनुसार प्रदूषण और जलवायु संकट को नियंत्रित न किया गया तो वर्ष 2050 तक भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 2.8 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। इसके अतिरिक्त, करोड़ों लोग प्रदूषण-जनित गंभीर बीमारियों, असमय मृत्यु और जीवन-गुणवत्ता में गिरावट का शिकार हो सकते हैं। वनस्पतियों, जीव-जंतुओं और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को होने वाली क्षति की भरपाई तो संभव ही नहीं होगी।

अतः यह समय मात्र चिंता व्यक्त करने का नहीं, बल्कि निर्णायक और सामूहिक कार्रवाई का है। यदि नीति-निर्माताओं की स्पष्ट दिशा, नेतृत्व की ईमानदार पहल, प्रशासन की सख्ती और आस्था की नैतिक शक्ति तथा जन-मानस का सहयोग एक साथ सक्रिय हो जाएं, तो प्रदूषण-मुक्त भारत का सपना केवल नारा नहीं, बल्कि साकार वास्तविकता बन सकता है।

डा मनमोहन प्रकाश

किसान दिवसरूस्मरण नहीं आत्ममंथन का दिन

भारत की आत्मा गाँवों में बसती है यह कथन वर्षों से दोहराया जाता रहा हैए किंतु व्यवहार में गाँव और किसान अक्सर नीति.निर्माण की हाशिये पर रहे हैं। कृषि आज भी देश की बड़ी आबादी का जीवनाधार है परंतु यह भी उतना ही सच है कि यही क्षेत्र सबसे अधिक असुरक्षा अनिश्चितता और संकट से घिरा हुआ है। ऐसे परिदृश्य में किसान दिवस हमें आत्ममंथन के लिए बाध्य करता हैए क्या हमने उस ऐतिहासिक जिम्मेदारी को निभाया हैए जो अन्नदाता के प्रति हमारी है

23 दिसंबर को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय किसान दिवस केवल एक तिथि या औपचारिक आयोजन नहीं है बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र के उस मूल प्रश्न की याद दिलाता है कि क्या देश का अन्नदाता आज भी वही सम्मान और सुरक्षा पा रहा है जिसकी कल्पना स्वतंत्रता के समय की गई थी। यह दिन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती से जुड़ा है एक ऐसे नेता की स्मृति से जिन्होंने राजनीति को सत्ता का खेल नहींए बल्कि समाज के सबसे उपेक्षित वर्ग की आवाज़ बनाने का माध्यम समझा। किसान दिवस दरअसल उस विचारधारा का प्रतीक हैए जिसमें खेतए किसान और गाँव को राष्ट्र निर्माण की केंद्रीय धुरी माना गया। चौधरी चरण सिंह का जीवन और राजनीति इसी प्रश्न का उत्तर खोजने का प्रयास थी। किसान परिवार में जन्मे चरण सिंह ने ग्रामीण जीवन की कठिनाइयों को नीतिगत बहस का विषय बनाया। उनके लिए किसान कोई भावनात्मक प्रतीक नहीं बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविक इकाई था। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज़ादी के बाद के भारत तकए वे लगातार इस बात पर बल देते रहे कि यदि कृषि और ग्रामीण समाज को मजबूत नहीं किया गयाए तो देश की प्रगति खोखली रह जाएगी। यही कारण है कि वे औद्योगीकरण के विरोधी नहीं थेए परंतु कृषि की कीमत पर होने वाले विकास के सख्त आलोचक थे। उत्तर प्रदेश में भूमि सुधारों से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर कृषि.केंद्रित सोच तकए चौधरी चरण सिंह ने यह स्पष्ट किया कि जो खेत जोतता हैए उसी का उस पर अधिकार होना चाहिए। यह विचार केवल भूमि स्वामित्व का नहींए बल्कि किसान के आत्मसम्मान का प्रश्न था। उन्होंने राजनीति में रहते हुए बार.बार चेताया कि यदि किसान को केवल उत्पादन का साधन बनाकर देखा गयाए तो सामाजिक असंतोष और आर्थिक असमानता गहराती जाएगी। दुर्भाग्य सेए समय ने उनके इस भय को कई बार सच साबित किया है। आज जब हम किसान दिवस मनाते हैं तो सामने एक जटिल यथार्थ खड़ा है। जलवायु परिवर्तन ने खेती को अनिश्चित बना दिया हैए लागत लगातार बढ़ रही है ज़मीन का विखंडन हो रहा है और बाज़ार में किसान की सौदेबाज़ी की शक्ति कमजोर पड़ती जा रही है। न्यूनतम समर्थन मूल्यए फ़सल बीमाए सिंचाई और कर्ज़ जैसे मुद्दे केवल तकनीकी या आर्थिक प्रश्न नहीं हैं बल्कि किसान के जीवन और भविष्य से सीधे जुड़े हुए हैं। इन परिस्थितियों में किसान दिवस को केवल श्रद्धांजलि तक सीमित रखनाए उसके वास्तविक अर्थ को कमज़ोर कर देता है। चौधरी चरण सिंह का आग्रह था कि किसान को नीति.निर्माण की प्रक्रिया का सहभागी बनाया जाए। यह सोच आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। आधुनिक तकनीक डिजिटल खेतीए कृषि नवाचार और वैश्विक बाज़ार की बातें तभी सार्थक होंगीए जब किसान को इनके केंद्र में रखा जाएगा। यदि नीतियाँ कागज़ पर तो प्रगतिशील होंए पर ज़मीन पर किसान असुरक्षित रहे तो वह विकास टिकाऊ नहीं हो सकता।

महेन्द्र तिवारी

संपादकीय

एक्सप्रेस वे पर लोगों को चलना सिखाना होगा

विकास की रफ़्तार तभी सुखद है जब वह सुरक्षित हो। भारत सरकार ने पिछले 10 वर्षों में जो बुनियादी ढांचा खड़ा किया है, विशेषकर सड़क तंत्र में जो क्रांतिकारी परिवर्तन आए हैं, वे अभूतपूर्व हैं। जहाँ पहले दो शहरों के बीच का सफर घंटों और दिनों में तय होता था, आज वह समय काफी कम हो गया है। लेकिन इस भौतिक प्रगति के बीच एक गंभीर प्रश्न खड़ा होता है। क्या हम इन आधुनिक सड़कों पर चलने के लिए मानसिक और तकनीकी रूप से तैयार हैं? अब समय आ गया है कि हम ईंट और डामर की सड़कों से आगे बढ़कर 'मानव व्यवहार' में सुधार पर निवेश करें। याद रखिए, एक्सप्रेसवे केवल मंजिल तक जल्दी पहुँचने के लिए नहीं हैं, बल्कि सुरक्षित पहुँचने के लिए हैं। यदि हम गति के साथ गरिमा और अनुशासन नहीं अपना सकते, तो ये चमचमाती सड़कें हमारे लिए वरदान के बजाय अभिशाप सिद्ध होंगी। अब जरूरत है कि 'हाईवे और एक्सप्रेसवे बनाने से पहले लोगों को उन पर चलना सिखाना चाहिए '–यह केवल एक सुझाव नहीं, बल्कि समय की मांग है। केवल कंक्रीट के जाल बिछाने से राष्ट्र का कल्याण नहीं होगा, बल्कि उन सड़कों पर सुरक्षित सफर सुनिश्चित करना भी सरकार और नागरिक दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

भारत में सड़क निर्माण की गति पिछले दस वर्षों (2014-2024) में सांख्यिकीय और भौगोलिक दोनों दृष्टि से ऐतिहासिक रही है। 2014 के आसपास देश में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई लगभग 91,287 किलोमीटर थी, जो 2024 तक बढ़कर 1,46,000 किलोमीटर से अधिक हो गई है। 2014-15 में सड़क निर्माण की दर लगभग 12 किलोमीटर प्रतिदिन थी, जो वर्तमान में बढ़कर औसतन 28 से 37 किलोमीटर प्रतिदिन तक पहुँच चुकी है। भारत ने 'भारतमाला परियोजना' के तहत विश्व स्तरीय एक्सप्रेसवे का जाल बिछाया है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे यमुना एक्सप्रेसवे और समृद्धि महामार्ग जैसे गलियारे भारत की नई पहचान बन चुके हैं। अटल टनल और चेनाब ब्रिज जैसे इंजीनियरिंग के चमत्कार इसी दशक की देन हैं, जिन्होंने दुर्गम क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा है। इतना सब हुआ। सड़कों की चौड़ाई तो बढ़ी है, लेकिन सुरक्षा के मोर्चे पर हम अब भी संघर्ष कर रहे हैं। पिछले पांच वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि हमारी लापरवाही की कीमत बहुत भारी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2019 में हुई 4,49,002 दुर्घटनाओं 1,51,113मौत हुईं। 2020 में हुई 3,66,138 दुर्घटनाओं में 1,31,714 व्यक्ति मरे। 2021 में हुए 4,12,432 एक्सीडेंट में 1,53,972 व्यक्ति मौत के मुंह में समा गए। 2022 में हुई 4,61,312 दुर्घटनाओं मे 1,68,491 जान गई। 2023 हुई 4,80,000+ (अनुमानित) में 1,70,000 व्यक्ति मौत के शिकार हुए। ये आंकड़े बताते हैं कि दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। घायलों की संख्या तो मरने वालों से काफी ज्यादा होनी चाहिए। अभी यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में 19 लोग मरे। 100 से ज्यादा घायल हुए।

आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि लगभग 70 प्रतिशत से अधिक दुर्घटनाएं 'ओवरस्पीडिंग' यानी अत्यधिक गति के कारण होती हैं। एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाओं की गंभीरता सामान्य सड़कों से कहीं अधिक होती है क्योंकि यहाँ वाहनों की गति बहुत तेज़ होती है। एक्सप्रेसवे सामान्य सड़कें नहीं हैं। यहाँ ड्राइविंग के अपने नियम हैं, जिन्हें भारतीय चालकों को सीखना होगा। इन पर चलते समय लेन का अनुशासन का पालन करना होगा । भारत में सबसे बड़ी समस्या यह है कि लोग भारी वाहन सबसे दाई ओर चलाते हैं, जबकि वह लेन केवल ओवरटेकिंग के लिए होती है। तेज़ रफ़्तार वाली सड़कों पर गलत लेन में वाहन चलाना आत्महत्या के समान है।

एक्सप्रेसवे पर केवल अधिकतम गति ही नहीं, बल्कि न्यूनतम गति का पालन भी जरूरी है। धीमी गति से चल रहे वाहन तेज़ रफ्तार वाहनों के लिए अवरोध बन जाते हैं, जिससे टक्कर की संभावना बढ़ जाती है। एक्सप्रेसवे की सीमेंट वाली सड़कों पर टायर बहुत जल्दी गर्म होते हैं। यदि टायर पुराने या घिसे हुए हैं, तो वे फट सकते हैं। लोगों को यह सिखाना जरूरी है कि लंबी यात्रा से पहले अपने वाहनों की तकनीकी जांच कैसे करें। एक्सप्रेसवे पर चढ़ने और उतरने के लिए बने रास्तों (रैम्प) का सही उपयोग करना अधिकांश लोगों को नहीं आता। अचानक मुख्य मार्ग पर वाहन मोड़ देना घातक होता है।

वाहनों की संख्या और लाइसेंस धारकों के बीच का यह अंतर यह दर्शाता है कि हमारी सड़कों पर 'अकुशल' चालकों की फौज मौजूद है। एक्सप्रेसवे जैसी तेज़ रफ़्तार वाली सड़कों पर यह स्थिति और भी घातक हो जाती है। एक आदर्श स्थिति में, सड़क पर चल रहे हर वाहन के अनुरूप कम से कम एक वैध लाइसेंस होना चाहिए। हालांकि, भारत में स्थिति काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय रजिस्टर के अनुसार, देश में कुल ड्राइविंग लाइसेंसों की संख्या लगभग 21 से 23 करोड़ के बीच है। यदि हम 35 करोड़ पंजीकृत वाहनों की तुलना 23 करोड़ लाइसेंसों से करें, तो स्पष्ट होता है कि वाहनों और चालकों के बीच 12 करोड़ का भारी अंतर है। विभिन्न क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (RTO) और पुलिस द्वारा चलाए गए जांच अभियानों के अनुसार, बिना लाइसेंस वाहन चलाने वालों के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। एक अनुमान के अनुसार, देश में लगभग 25से 30 प्रतिशत लोग बिना किसी वैध ड्राइविंग लाइसेंस के सड़कों पर वाहन चला रहे हैं। सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि हादसों में जान गंवाने वाले या दोषी पाए जाने वाले चालकों में से लगभग 65 प्रतिशत युवाओं के पास वैध लाइसेंस नहीं होता। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में यह प्रतिशत और भी अधिक है, जहाँ लगभग 40 प्रतिशत दोपहिया चालक बिना लाइसेंस के गाड़ी दौड़ा रहे हैं। एक पुरानी रिपोर्ट (सेव लाइफ फाउंडेशन) यह भी बताती है कि जिनके पास लाइसेंस है, उनमें से भी 10 में से छह लोगों ने बिना किसी व्यावहारिक ड्राइविंग टेस्ट के इसे प्राप्त किया है, जो सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ा खतरा है।

इसलिए बिना ड्राइविंग लाइसेंस पकड़े जाने पर केवल जुर्माना नहीं, बल्कि वाहन को लंबे समय के लिए ज़ब्त करना होगा। नाबालिगों द्वारा गाड़ी चलाने पर अभिभावकों को जेल की सजा का प्रावधान में कड़ाई जरूरी है। डिजिटल तकनीक का उपयोग कर हर मोड़ पर बिना लाइसेंस वाले पर कार्रवाई अमल में लानी होगी।

इन एक्सप्रेसवे पर चलना सिखाने के लिए सिर्फ शिक्षा पर्याप्त नहीं है; अनुशासन के लिए कानून का भय भी आवश्यक है। गलत वाहन चलाने वालों, शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों और उल्टी दिशा (रॉन्ग साइड) में चलने वालों पर इतनी सख्ती होनी चाहिए कि वे दोबारा नियम तोड़ने की हिम्मत न करें। बार-बार नियम तोड़ने वालों का ड्राइविंग लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दिया जाना चाहिए। हर कुछ किलोमीटर पर कैमरे और रडार होने चाहिए जो नियम तोड़ते ही चालान सीधे चालक के पते पर भेजें। नियम पन मानने वालों पर जुर्माना केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि दंडात्मक होना चाहिए ताकि वह व्यक्ति की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव डाले।

यमुना एक्सप्रेसवे पर हुई दुर्घटना के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने इस एक्सप्रेसवे पर प्रत्येक किलोमीटर पर कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। यह तो पूरे देश के महत्वपूर्ण मार्ग पर करना होगा, तभी दुर्घटनाएं रूकेंगी। सड़क सुरक्षा को केवल पुलिस का विषय न मानकर इसे शिक्षा का हिस्सा बनाना होगा। विद्यालयों में बच्चों को बचपन से ही सड़क के संकेतों, लेन अनुशासन और जीवन के मूल्य के बारे में सिखाया जाना चाहिए। जब तक सुरक्षा की भावना हमारे संस्कार में नहीं आएगी, तब तक आधुनिक सड़कें केवल मृत्यु के गलियारे बनी रहेंगी।

अशोक मधुप

राष्ट्रवाद का बदलता स्वरूप सत्ता के चाहत की अभिलाषा

राष्ट्रवाद का पुनर्जागरण, सत्ता, भीड़ और लोकतंत्र के बीच राष्ट्रीयता।

वर्तमान समय में राष्ट्रवाद अपने सबसे जटिल, विरोधाभासी और बहुअर्थी दौर से गुजर रहा है, यह वह राष्ट्रवाद नहीं रह गया है जो स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान त्याग, नैतिक साहस, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक समरसता का प्रतीक था, बल्कि यह एक ऐसा राष्ट्रवाद बनता जा रहा है जिसे बार-बार सत्ता की भाषा में परिभाषित किया जा रहा है, आज राष्ट्र सरकार का पर्याय बनने की ओर अग्रसर है और सरकार की आलोचना को राष्ट्रविरोध के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, यही वह बिंदु है जहाँ राष्ट्रवाद अपनी आत्मा खोने लगता है और लोकतंत्र अपने आधार, आज जब चुनावी सभाओं, टीवी स्टूडियो और सोशल मीडिया मंचों पर राष्ट्रवाद को धर्म, जाति, सैन्य शक्ति और भावनात्मक उन्माद के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है, तब यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि क्या राष्ट्र प्रेम का अर्थ केवल सत्ता के समर्थन तक सीमित रह गया है, हाल के वर्षों में यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि आतंकी घटनाओं, सीमा विवादों, सैन्य अभियानों और ऐतिहासिक स्मृतियों का चयनित उपयोग कर भावनात्मक ध्रुवीकरण को तेज किया गया है, असहमति को राष्ट्रद्रोह, प्रश्न को साजिश और आलोचना को देश के खिलाफ खड़े होने का प्रमाण बताया गया है, यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकतंत्रों के भीतर उभरते अति राष्ट्रवाद का साझा संकट है, अमेरिका में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास, रूस में सत्ता केंद्रित राष्ट्रवाद, चीन में सर्वव्यापी राज्य और एशिया व अफ्रीका में सैन्य प्रभुत्व की राजनीति यह संकेत देती है कि राष्ट्रवाद अब नागरिकों को सशक्त करने के बजाय उन्हें नियंत्रित करने का माध्यम बनता जा रहा है, भारत जैसे विविधता से भरे समाज में यह परिवर्तन और भी खतरनाक है क्योंकि यहाँ राष्ट्र का अर्थ बहुलता, सहअस्तित्व और संवैधानिक संतुलन से जुड़ा रहा है, किंतु वर्तमान राजनीतिक विमर्श में बहुलता को कमजोरी और असहमति को बाधा के रूप में चित्रित किया जा रहा है, सत्ता की निरंतरता के लिए जातिगत समीकरणों का सूक्ष्म लेकिन आक्रामक उपयोग, धार्मिक पहचान का राजनीतिकरण और लोकलुभावन योजनाओं की होड़ लोकतंत्र को तात्कालिक लाभ की राजनीति में कैद कर रही है, मुफ्त उपहार, नकद हस्तांतरण और प्रतीकात्मक घोषणाएँ जनता को क्षणिक संतोष तो देती हैं लेकिन दीर्घकालिक आर्थिक अनुशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्थागत सुधार जैसे मूल प्रश्नों को हाशिए पर धकेल देती हैं, लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन को कमजोरी नहीं बल्कि शक्ति माना जाता है, किंतु आज सत्ता को स्थायित्व और राष्ट्रहित को सत्ता की निरंतरता से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है, इससे अधिनायकवादी प्रवृत्तियों को वैधता मिलने लगती है, हाल के वर्षों में दलबदल की बढ़ती घटनाएँ, विचारधारा से अधिक सत्ता की प्राथमिकता और राजनीतिक दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का क्षरण यह दर्शाता है कि राजनीति सिद्धांत से नहीं बल्कि अवसर से संचालित हो रही है, जातिवादी मतदान और पहचान आधारित ध्रुवीकरण के कारण खाप पंचायतों जैसी समानांतर सत्ता संरचनाएँ पुनः सामाजिक स्वीकृति पाने लगी हैं, जो संवैधानिक लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है, धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के संवैधानिक आदर्शों के बावजूद धार्मिक आस्थाओं के नाम पर नीतिगत हस्तक्षेप और व्यक्तिगत जीवनशैली पर नियंत्रण यह प्रश्न उठाता है कि राष्ट्रवाद कहीं नागरिक स्वतंत्रताओं का शत्रु तो नहीं बनता जा रहा, पशु व्यापार, भोजन की पसंद और सांस्कृतिक व्यवहार जैसे विषय जब राज्य के नियंत्रण का विषय बनते हैं तब लोकतंत्र का स्वरूप धीरे-धीरे नैतिक निगरानी में बदलने लगता है, अति राष्ट्रवाद का सबसे खतरनाक पक्ष यह है कि वह भय पैदा करता है, भय बाहरी शत्रु का, भय आंतरिक दुश्मन का और भय असहमति का, और भय जब राजनीति का आधार बनता है तब लोकतंत्र केवल चुनावी औपचारिकता बनकर रह जाता है, इतिहास साक्षी है कि बीसवीं सदी में जर्मनी, इटली और स्पेन में इसी भय आधारित राष्ट्रवाद ने फासीवाद को जन्म दिया, एशिया में पाकिस्तान, म्यांमार और उत्तर कोरिया में सुरक्षा और राष्ट्ररक्षा के नाम पर सैन्य प्रभुत्व लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करता रहा है, भारत में भी यदि राष्ट्रवाद को केवल सैन्य शक्ति, बहुमत की भावना और नेता-केंद्रित आस्था से जोड़ा गया तो यह संविधान द्वारा प्रदत्त संतुलन को कमजोर करेगा, लोकतंत्र केवल बहुमत का शासन नहीं बल्कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा, संस्थाओं की स्वायत्तता और कानून के समक्ष समानता का नाम है, किंतु वर्तमान विमर्श में बहुमत को अंतिम सत्य और संख्या को नैतिक वैधता के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, मीडिया के एक बड़े हिस्से द्वारा सत्ता समर्थक राष्ट्रवादी नैरेटिव का प्रसार, सोशल मीडिया पर ट्रोल संस्कृति और चयनित सूचना का उग्र प्रसार लोकतांत्रिक संवाद को संकीर्ण और आक्रामक बना रहा है, ऐसे समय में सिविल सोसाइटी, लेखक, पत्रकार, शिक्षाविद और न्यायिक संस्थाओं की भूमिका निर्णायक हो जाती है, यदि यह वर्ग चुप रहता है तो लोकतंत्र धीरे-धीरे आत्मसमर्पण कर देगा, राष्ट्रवाद का पुनर्पाठ आवश्यक है जहाँ राष्ट्र सरकार से बड़ा हो, संविधान सत्ता से ऊपर हो और नागरिक की गरिमा सर्वोपरि मानी जाए, राष्ट्र प्रेम का अर्थ प्रश्न करना, जवाबदेही माँगना और संस्थाओं को मजबूत करना भी होना चाहिए, न कि केवल नारे लगाना और भीड़ का हिस्सा बन जाना, तात्कालिक लोकप्रियता, भावनात्मक ध्रुवीकरण और सत्ता लोलुपता के स्थान पर दीर्घकालिक नीतिगत दूरदर्शिता, सामाजिक संतुलन और संवैधानिक नैतिकता को केंद्र में लाना ही लोकतंत्र को बचा सकता है, अन्यथा राष्ट्रवाद का यह बदला हुआ रूप राष्ट्र को जोड़ने के बजाय उसे भीतर से खोखला करता चला जाएगा और इतिहास एक बार फिर हमें चेतावनी देगा कि लोकतंत्र का पतन अचानक नहीं बल्कि तालियों, नारों और मौन के बीच धीरे-धीरे होता है।

संजीव ठाकुर

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उष्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

छितौनी-तमकुही रेल लाइन निर्माण कार्य पटरी पर लौटा

उम्मीद हुई पूरी, रेलवे ट्रैक गिरना शुरू

कुशीनगर। केंद्र सरकार की पहल पर लंबे समय से अटकी छितौनी-तमकुही ब्रॉडगेज (बीजी) रेल लाइन परियोजना अब धरातल पर उतरती दिखाई देने लगी है। रेलवे ट्रैक पटरी बिछने का कार्य शुरू होते ही खड्डा एवं पडरौना विधानसभा क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। उल्लेखनीय है कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लेकर लंबे समय से असमंजस की स्थिति बनी हुई थी, लेकिन अब रेल पटरी गिरने की शुरुआत के साथ ही सभी आशंकाएं दूर हो गई हैं। बीते दिनों ग्राम पंचायत कटाई भरपुरवा के ग्राम बेलवनिया में रेल पटरी बिछाए जाने का कार्य शुरू हुआ, जिसे देखकर स्थानीय लोगों में उत्साह और उमंग देखने को मिली। इस अवसर पर क्षेत्र के ग्राम प्रधान नर्वदेश्वर चौरसिया, सतीश गौतम, गोबरी चौहान, मोहन कुशवाहा नागरिक ब्रजेश गुप्ता तथा जटहां बाजार के व्यापारियों ने केंद्र की मोदी सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस रेल लाइन के निर्माण से लाखों लोगों को आवागमन की सुविधा मिलेगी, वहीं व्यापार, आयात-निर्यात और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। रेल परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने की शिकायत

गोलाबाजार गोरखपुर- गोला तहसील परिसर में सरकारी भूमि पर अवैध तरीके से निर्माण करने को लेकर विकास खंड बड़हलगंज के ग्रामीणों के द्वारा प्रदर्शन कर तत्काल प्रभाव में अवैध निर्माण कार्य को रुकवाने की माँग की गयी। प्राप्त विवरण के अनुसार सोमवार को ग्राम नरहरपुर, खड़ेसरी विकास खंड बड़हलगंज के प्रधान शिवचंद निषाद, विजय कुमार, इंद्रदेव निषाद, बैजनाथ, रीतेश, रामदरस, भरत, संजय, कैलाश साहनी समेत तमाम ग्रामीणों के द्वारा तहसील प्रांगण में प्रदर्शन किया गया तथा संबंधित पत्रक उपजिलाधिकारी को सौंपा। पत्रक के द्वारा जिलाधिकारी को सूचित किया गया कि ग्राम नरहरपुर में राजा हरिप्रसाद मल्ल किला है। इसके दक्षिण-पश्चिम तरफ राजा साहब का स्तबल का खाली जमीन है। राजा साहब के ना रहने के बाद से उक्त जमीन भारत सरकार की हो चुकी है। उक्त भारत सरकार की जमीन व पोखरी पर ग्राम खड़ेसरी थाना बड़हलगंज निवासी एक व्यक्ति के द्वारा जबरन बंधा काटकर अवैध निर्माण कराया जा रहा है। जिससे सरकार को अपूर्णीय क्षति हो रही है। अतः जल्द से जल्द सरकारी भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण कार्य को रुकवाया जाए। वहीं एसडीएम गोला अमित जयसवाल ने बताया कि मामले की जानकारी अभी नहीं हुई । हम पता कराते हैं।

सही देखभाल से हाथीपांव को मिलेगा आराम

देवरिया। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत भलुअनी ब्लॉक स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर खुखुन्दू में सोमवार को सीएचओ के नेतृत्व में पीएसपी (पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफार्म) के सहयोग से फाइलेरिया मरीजों को एमएमडीपी (रुग्णता प्रबंधन एवं दिव्यांगता निवारण) का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर 12 फाइलेरिया (हाथीपांव) से प्रभावित मरीजों को एमएमडीपी किट वितरित की गई, जिससे वे घर पर ही अपने प्रभावित अंग की सही देखभाल कर सकें। सीएचओ ने डेमो के माध्यम से प्रभावित अंग की नियमित साफ-सफाई, घावों की देखभाल, संक्रमण से बचाव और सूजन कम करने के उपाय बताए। साथ ही मरीजों को लाभकारी व्यायाम के टिप्स दिए गए, जिन्हें पीएसपी सदस्य, संगिनी, आशा एवं फाइलेरिया मरीजों ने स्वयं करके दिखाया। कार्यक्रम में उपस्थित डब्ल्यूएचओ के जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ. नित्यानंद ने बताया कि नियमित साफ-सफाई और व्यायाम से हाथीपांव में काफी आराम मिलता है। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है और इसके लक्षण 5 से 15 वर्ष बाद उभरते हैं। प्रारंभिक पहचान और साल में एक बार लगातार पांच वर्ष तक दवा सेवन से इस बीमारी से बचाव संभव है। कार्यक्रम में सीफार, पाथ के प्रतिनिधि, एमआई सीपी सिंह, ग्राम प्रधान, एएनएम, संगिनी, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मरीज व ग्रामीण मौजूद रहे।

गिफ्ट पार्सल के नाम पर महिला से 2.95 लाख की ठगी, लंदन का झांसा देकर रची गई शातिर साजिश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा गोरखपुर:- सहजनवां थाना क्षेत्र के भीटी रावत गांव में सोशल मीडिया के जरिए हुई एक बड़ी साइबर ठगी का मामला सामने आया है, जहां एक महिला को गिफ्ट पार्सल भेजने के नाम पर 2 लाख 95 हजार रुपये की जालसाजी का शिकार बना लिया गया। इतना ही नहीं, ठगों द्वारा पीड़िता पर अब भी 2 लाख 30 हजार रुपये भेजने का मानसिक दबाव बनाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भीटी रावत निवासी कुमारी मोनी पत्नी सचिन भारती का संपर्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक अज्ञात युवक से हुआ। युवक ने खुद को लंदन का रहने वाला बताया और धीरे-धीरे विश्वास में लेकर बातचीत का दायरा बढ़ाया। शुरुआत में सामान्य बातचीत के बाद उसने महंगे गिफ्ट और पार्सल भेजने का लालच दिया।

कुछ दिनों बाद कथित युवक ने पार्सल भेजने के नाम पर 5100 रुपये की मांग की, जिसे पीड़िता ने उसके बताए खाते में भेज दिया। इसके बाद अलग-अलग बहानों से कस्टम ड्यूटी, टैक्स, चार्ज और रिलीज फीस के नाम पर बार-बार रकम की मांग की जाती रही। महिला उसकी बातों में आकर लगातार पैसे भेजती रही। बताया जा रहा है कि 11 अलग-अलग बार में पीड़िता से कुल 2 लाख 95 हजार रुपये की ठगी की गई। जब महिला को ठगी का आभास हुआ और उसने पैसे भेजने से मना किया तो आरोपी द्वारा उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। अब भी आरोपी 2 लाख 30 हजार रुपये और भेजने का दबाव बना रहा है। घटना से आहत पीड़िता ने सहजनवां थाने पहुंचकर पूरे मामले की लिखित तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात साइबर जालसाज के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि साइबर सेल की मदद से बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और सोशल मीडिया प्रोफाइल की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से संपर्क और लालच में आकर लेन-देन करने के खतरों को उजागर किया है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि ऐसे किसी भी संदिग्ध संपर्क या पैसे की मांग की स्थिति में तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

दिव्यांश कुमार का थो बाल एसोसिएशन उप्र में हुआ चयन

रुद्रपुर ,देवरिया। तहसील क्षेत्र के ग्रामसभा चिल्नमनमोहन निवासी दिव्यांश कुमार शुरू से ही पढ़ाई लिखाई में मेधावी रहे है। दिव्यांश के पिता गांव के प्रधान है और माता गृहिणी है। दिव्यांश का चयन उत्तर प्रदेश राज्य की सब जूनियर बालक वर्ग की टीम मे चयन हुआ है। दिव्यांश के चयन पर पूरे समाज में खुशी का माहौल है। वर्तमान में दिव्यांश सन साइन एकेडमी में 9 वी के छात्र है।उक्त अवसर पर प्रिंसिपल ज्ञान प्रकाश यादव ,जितेंद्र यादव, इंद्रजीत कुमार, महेंद्र चौरसिया, किशोर कुमार, अरविंद कुमार, अशोक कुमार, अवधेश कुमार आदि लोगो ने खुशी व्यक्त किया।

स्वर्गीय वृंदावन त्रिपाठी स्टेडियम में उनवल प्रीमियम लीग (यू पी एल-3) का भव्य आगाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। नगर पंचायत उनवल के स्वर्गीय वृंदावन त्रिपाठी स्टेडियम में उनवल प्रीमियम लीग (PL-3) का शानदार आगाज हुआ। प्रतियोगिता के दूसरे दिन के मुख्य अतिथि नगर पंचायत उनवल के अध्यक्ष प्रतिनिधि उमेश कुमार दुबे रहे। उन्होंने कहा कि खेल से खिलाड़ियों का सामाजिक, मानसिक, शारीरिक और आर्थिक विकास होता है। खेल वह माध्यम है जिसमें एक टीम जीतती है तो दूसरी टीम सीखती है और आगे बढ़ती है। ऐसे आयोजनों से क्षेत्र की प्रतिभाओं को मंच मिलता है। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उनके समक्ष तीन पारियों का मुकाबला खेला गया। पहला मैच राधा कृष्ण ज्वेलर्स और एएमके फैशन टीम के बीच हुआ। टॉस जीतकर एएमके फैशन ने पहले गेंदबाजी चुनी। राधा कृष्ण ज्वेलर्स ने 10 ओवर में 7 विकेट पर 79 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए एएमके फैशन 44 रन पर ऑलआउट हो गई और 36 रन से मैच हार गई। मैन ऑफ द मैच राज शर्मा रहे, जिन्होंने 43 रन बनाए और 3 विकेट लिए। मैच में कुल 8 टीमों ने भाग लिया। अंपायर सत्यम त्रिपाठी व अमित रहे, जबकि कमेंट्री मोनू दुबे ने की। कार्यक्रम में भाजपा नेता जनार्दन तिवारी सहित कई गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे।

बिजली विभाग का महाअभियान: खज़नी के उनवल सब स्टेशन पर कैम्प के जरिए एक करोड़ की बकाया वसूली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खज़नी गोरखपुर- खजनी उपखंड क्षेत्र अंतर्गत सब स्टेशन उनवल के कस्बा क्षेत्र में सोमवार को विद्युत विभाग द्वारा बकाया बिजली बिल वसूली को लेकर एक विशेष कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प की निगरानी जूनियर इंजीनियर अतुल राय की उपस्थिति में की गई, जहां गांव की जनता ने एक मंच पर पहुंचकर अपने-अपने बकाया विद्युत बिलों का भुगतान किया। विद्युत विभाग की इस पहल को क्षेत्र में महाअभियान के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से लंबित बिजली बिलों के भुगतान को लेकर उपभोक्ताओं में भ्रम और उदासीनता बनी हुई थी। लेकिन कैम्प लगने से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर सुविधा मिलने के कारण बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और बकाया जमा किया।

कैम्प के दौरान जूनियर इंजीनियर अतुल राय ने बताया कि उनवल फीडर क्षेत्र में कुल लगभग सवा सौ करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया था, जबकि पूरे पावर हाउस क्षेत्र में यह बकाया आंकड़ा लगभग 22 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। ऐसे में विभाग के लिए यह एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी। उन्होंने बताया कि इस विशेष कैम्प और निरंतर प्रयासों के चलते उनवल फीडर क्षेत्र से अब तक लगभग एक करोड़ रुपये की बकाया राशि जमा कराई जा चुकी है, जो विद्युत विभाग के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आई है। अतुल राय ने कहा कि जनता के सहयोग के बिना यह संभव नहीं था और आगे भी इसी तरह के कैम्प लगाकर बकाया वसूली अभियान जारी रखा जाएगा।

ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना की। उनका कहना था कि पहले बकाया जमा करने के लिए बार-बार पावर हाउस के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन गांव में ही कैम्प लगने से समय और परेशानी दोनों की बचत हुई। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बकाया भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को भविष्य में बेहतर विद्युत आपूर्ति देने का प्रयास किया जाएगा, वहीं लगातार बकाया रखने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी। कुल मिलाकर, खजनी क्षेत्र के उनवल सब स्टेशन पर लगा यह विद्युत कैम्प न सिर्फ राजस्व वसूली के लिहाज से सफल रहा, बल्कि जनता और विभाग के बीच विश्वास बढ़ाने वाला कदम भी साबित हुआ है।

कोर्ट के आदेश पर 21 साल बाद न्याय, पुलिस की मौजूदगी में पीड़िता को मिला मकान का कब्जा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवां गोरखपुर- जनपद के सहजनवां नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 14 लुचई में सोमवार को कानून का सख्त संदेश देखने को मिला, जब न्यायालय के आदेश पर 21 वर्षों से अवैध कब्जा जमाए बैठे मनबढ़ से मकान खाली कराकर पीड़िता को विधिवत कब्जा दिलाया गया। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनी रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड 14 लुचई निवासी उर्मिला पत्नी रविंद गोंड के मकान पर उनके ही मायके पक्ष के व्यक्ति राजकुमार पुत्र मोहन द्वारा करीब 21 वर्षों से अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया था। पीड़िता ने कई बार आपसी स्तर पर न्याय पाने का प्रयास किया, लेकिन जब कोई समाधान नहीं निकला तो अंततः न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। पीड़िता द्वारा वर्ष 2017 में जूनियर डिवीजन सिविल न्यायालय (तृतीय) में बेदखली का मुकदमा दायर किया गया था। लंबी सुनवाई और साक्ष्यों के अवलोकन के बाद न्यायालय ने पीड़िता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए अवैध कब्जा हटाकर मकान का कब्जा दिलाने का आदेश जारी किया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में सोमवार को अदालत अमीन वीरेंद्र पाण्डेय एवं सहायक अमीन मोहित श्रीवास्तव की अगुवाई में मौके पर पहुंची टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में मकान को खाली कराया और पीड़िता को शांतिपूर्ण ढंग से कब्जा दिलाया। इस दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए उपनिरीक्षक सुरेश यादव, उपनिरीक्षक देवेंद्र दुबे, कांस्टेबल रुद्र सिंह एवं हरेंद्र चौहान सहित पुलिसकर्मी मौके पर तैनात रहे।

कार्रवाई के समय स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई, लेकिन प्रशासन की सतर्कता के चलते पूरी प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुई। पीड़िता ने न्याय मिलने पर राहत की सांस लेते हुए न्यायालय और प्रशासन का आभार जताया। इस प्रकरण ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि भले ही न्याय मिलने में समय लगे, लेकिन अंततः कानून के आगे अवैध कब्जे और दबंगई टिक नहीं सकती। वहीं, इस कार्रवाई से क्षेत्र में यह संदेश भी गया कि न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

खज़नी के डोडो गांव में मानवता से प्रेरित तस्वीर : असहाय परिवार के लिए सेंट माउंट एड़ी स्कूल बना सहारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जिले के खज़नी क्षेत्र की ग्राम सभा डोडो में उस समय मानवता और सामाजिक सरोकार की एक प्रेरक तस्वीर देखने को मिल रही है, जब सेंट माउंट एड़ी पब्लिक स्कूल (संत शरण उत्कर्ष इंटर कालेज) डोडो, खज़नी गोरखपुर के प्रबंधक घनश्याम मिश्रा के नेतृत्व में विद्यालय के प्रधानाध्यपिका खुशबू सिंह के साथ समस्त स्टाफ एक असहाय परिवार की मदद के लिए आगे आया। आर्थिक तंगी से जूझ रहे पीड़ित परिवार को विद्यालय परिवार द्वारा आर्थिक सहयोग प्रदान कर यह संदेश दिया गया कि संकट की घड़ी में समाज आज भी साथ खड़ा है। बताया जाता है कि ग्राम डोडो निवासी पंडित स्वर्गीय हनुमान मणि त्रिपाठी अपने जीवनकाल में गांव और समाज के बीच सेवा, सहयोग और सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते थे। सीमित संसाधनों और गरीबी के बावजूद उन्होंने आम जनमानस के बीच अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई थी। दुर्भाग्यवश अल्पायु में ही उनका निधन हो गया, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

पिता के निधन के बाद उनके पुत्र नवीन मणि त्रिपाठी ने ही उन्हीं के पदचिन्हों पर चलने का प्रयास किया और समाज के लिए कुछ करने की भावना को जीवित रखा। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। हाल ही में नवीन मणि त्रिपाठी उर्फ जोखन मणि फालिज (लकवा) के शिकार हो गए, जिससे उनके शरीर का एक हिस्सा पूर्ण रूप से निष्क्रिय हो गया है। वर्तमान स्थिति यह है कि वे उठने-बैठने जैसी सामान्य गतिविधियों में भी असमर्थ हैं। घर के मुख्य सदस्य के इस तरह गंभीर बीमारी की चपेट में आने से पूरा परिवार गहरे आर्थिक संकट में फंस गया है। इलाज का खर्च उठाना परिवार के लिए बेहद कठिन हो गया है। ऐसे समय में सेंट माउंट एड़ी पब्लिक स्कूल (संत शरण उत्कर्ष इंटर कालेज का यह मानवीय प्रयास पीड़ित परिवार के लिए एक बड़ी राहत बनकर सामने आया है। विद्यालय के प्रबंधक घनश्याम मिश्रा ने कहा कि समाज की असली पहचान मुश्किल समय में जरूरतमंदों के साथ खड़े होने से होती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार आगे भी हर संभव प्रयास करेगा, ताकि इस गरीब ब्राह्मण परिवार का समुचित इलाज हो सके और उन्हें इस कठिन समय से बाहर निकाला जा सके। इस पहल के बाद क्षेत्रीय जनता, समाजसेवियों और ग्रामीणों में भी सहयोग की भावना तेज हुई है। लोग अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार मदद के लिए आगे आ रहे हैं। डोडो गांव में यह घटना न सिर्फ एक खबर है, बल्कि समाज के लिए एक संदेश भी है कि सामूहिक सहयोग से ही पीड़ा को कम किया जा सकता है।

कांग्रेस ने भाजपा सरकार के फैसले के खिलाफ किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। महात्मा गांधी नेशनल ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम योजना का नाम बदलकर विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (वीबी-जी राम जी) किए जाने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा सरकार के फैसले के खिलाफ कांग्रेसजनों ने टाउन हॉल स्थित पार्टी कार्यालय से सुभाष चौक, सिविल लाइंस, कलेक्ट्रेट कचहरी और शिव मंदिर होते हुए पुनः सुभाष चौक पहुंचकर विरोध मार्च निकाला। इसमें कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में आम नागरिक भी शामिल रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने कहा कि कांग्रेस इस निर्णय को गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण जनता के अधिकारों पर सीधा हमला मानती है। मनरेगा करोड़ों गरीब परिवारों के लिए रोजगार और सम्मानजनक जीवन का आधार है। इसके नाम में बदलाव करना केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि जनता की भावनाओं और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की विचारधारा के अपमान के समान है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस की यह नीति गांधी जी के प्रति उनकी वैचारिक विरोध भावना को उजागर करती है। महात्मा गांधी श्रम की गरिमा, सामाजिक न्याय और वंचितों के अधिकारों के प्रतीक रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने अपना फैसला वापस नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में महात्मा गांधी की तस्वीरें लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस विरोध प्रदर्शन से जिले की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

एनएफडीपी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर मत्स्य पालक किसान उठायें लाभ : विजय

सीईओ ने मत्स्यजीवी एफएफपीसी का किया निरीक्षण, प्रगति के बारे में ली जानकारी

बरहज, देवरिया। मत्स्य विभाग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय कुमार मिश्र ने सोमवार को मत्स्य जीवी फिश फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड का निरीक्षण किया और चेयरमैन निषाद जितेन्द्र भारत से एफएफपीओ के प्रगति बारे में जानकारी ली द्व इस दौरान सीईओ ने मत्स्य पालकों से मुखातिब होते हुए मत्स्य विभाग से जुड़ी योजनाओं की चर्चा की द्व उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन योजना मुख्य रूप से भारत सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना है, जिसका उद्देश्य मछली पालन (फिशिंग और एक्वाकल्चर) क्षेत्र का सतत और समग्र विकास करना है, जिसमें मछुआरों को आर्थिक सहायता, प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचे के लिए ऋण और सहायता प्रदान की जाती है, ताकि मछली उत्पादन बढ़े और किसानों की आय दोगुनी हो सके। इसमें मछुआरों और उद्यमियों को लाभ देने के लिए ऋण गारंटी और ब्याज सहायता भी शामिल है द्व आगे उन्होंने कहा कि मत्स्य पालक कल्याण कोष, निषाद राज बोट सब्सिडी योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, एनएफडीपी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन, मछुआ दुर्घटना बीमा, मत्स्य जीवी सहकारी समितियों का गठन आदि योजनायें मत्स्य पालकों के हित में हैं।

गरीब मजलूमों के जीवकोपार्जन की संजीवनी मनरेगा को हटाना केंद्र सरकार की मनमानी- नीरज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कमजोर करने एवं इससे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाने के प्रयासों के विरोध में सोमवार को कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेसियो ने कांग्रेस कार्यालय से पैदल मार्च करते हुए शहीद उद्यान पहुँचकर राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर माला पहनाकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया द्व उसी दौरान सभी साथियों ने महात्मा गांधी जी के भजन 'रघुपति राघव राजा राम,पतित पावन सीताराम' गाकर नमन किया।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी ने कहा कि 'केंद्र सरकार लगातार मनरेगा को कमजोर कर रही है। पहले की यूपीए की केंद्र सरकार ने मनरेगा योजना में 90 प्रतिशत वित्तीय हिस्सेदारी देती थी,राज्य को 10 प्रतिशत देना होता था, जिसे अब घटाकर 60 प्रतिशत केन्द्र व 40 प्रतिशत राज्य को देना होगा द्व जबकि उत्तर प्रदेश पर 7 लाख 69 हजार करोड़ का कर्ज है,इससे राज्यों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और गरीब मजदूरों को नुकसान होगा। कांग्रेस पार्टी इस अन्यायपूर्ण निर्णय का कड़ा विरोध करती है।यूथ कांग्रेस प्रदेश महासचिव/प्रभारी प्रतापगढ़ नाज़िमअली एवम जिला उपाध्यक्ष रामशिरोमणि वर्मा ने संयुक्त रुप से कहा कि मनरेगा में पहले काम तय करने का अधिकार ग्राम सभा को प्राप्त था, जिससे स्थानीय जरूरतों के अनुसार रोजगार मिलता था, लेकिन अब केंद्र सरकार स्वयं काम तय करने जा रही है।

यह पंचायतों के अधिकार पर सीधा हमला है और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। कांग्रेस पार्टी मनरेगा के अधिकार आधारित कानून के रूप में पूरी मजबूती से लागू किए जाने की मांग करती है। जिला उपाध्यक्ष प्रशान्त सिंह प्रिंशु एवम जिला महासचिव योगेश यादव ने संयुक्त रूप से कहा कि मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने का प्रयास, केंद्र की घटती वित्तीय जिम्मेदारी और ग्राम सभा के अधिकारों की कटौती- ऐसे कदम गरीबों, मजदूरों और गांधी जी की विचारधारा पर सीधा हमला हैं। कांग्रेस पार्टी इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी और जनआंदोलन के माध्यम से इसका विरोध जारी रखेगी। विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी,कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला, इन्द्रानंद तिवारी, आर.पी वर्मा, सुरेश मिश्र, मो. हुजैफ, मौलाना वाहिद, मुन्ना लाल यादव,सरोज कश्यप,मीरा देवी गौतम, विजय प्रताप त्रिपाठी, रियाज सुल्तान, रामरतन तिवारी, भवानी शंकर दुबे, चंद्रनाथ शुक्ल, सुरेश कुमार सरोज, डॉ.दीपक शुक्ला, राजेन्द्र वर्मा, अरबाज आलम, आशीष शुक्ल, आशिक अली, कृष्णा कांत शुक्ल, प्रभाकांत शुक्ल, शहजाद सलमानी, मोहम्मद दिलशाद, अंजनी कुमार पांडेय, हजारीलाल पटेल, पृथ्वीराज गौतम, मो. इदरीशी, आशीष यादव, बैजनाथ यादव, शुभम शुक्ल, मो.सद्दाम, विनोद त्रिपाठी , राम मनोहर, रविन्द्र प्रताप सिंह आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने साधन सहकारी समितियों का किया औचक निरीक्षण, दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा विकास खण्ड लोटन स्थित साधन सहकारी समिति, वी-पैक्स हरिवंशपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने समिति में उपलब्ध खाद के स्टाक रजिस्टर एवं वितरण रजिस्टर का गहनता से अवलोकन किया। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसानों से निर्धारित सरकारी दरों पर ही खाद का वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार से अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि खाद वितरण के समय किसानों से खतौनी, आधार कार्ड एवं मोबाइल नम्बर अवश्य लिया जाए, ताकि वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे और किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए भविष्य में भी नियमित निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर एवं निर्धारित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

यातायात अभियान, अवैध असलहे व चोरी के मामलों में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने और दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर पुलिस द्वारा व्यापक अभियान चलाया गया। यातायात पुलिस ने शहर के गोरखपुर रोड, कसया ओवरब्रिज, मालवीय रोड और बस स्टैंड पर चेकिंग अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले 116 वाहनों का ई-चालान किया तथा दो वाहनों को सीज किया। सड़क पर वाहन खड़ा कर सवारी भरने वाले ऑटो, ई-रिक्शा और अनुबंधित बसों पर विशेष कार्रवाई की गई। वहीं थाना सुरौली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मगरू चौराहे के पास से एक अभियुक्त नरसिंह चौहान को एक देशी पिस्टल व जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा थाना महुआडीह पुलिस ने चोरी की दो घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। उनके पास से भारी मात्रा में चोरी का आभूषण, नकदी, कास्मेटिक सामान, एक तमंचा, जिंदा कारतूस व चाकू बरामद किया गया। आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमे दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से जिले में अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

पीएम श्री मुड़ी में मनाया गया स्वच्छता पखवाड़ा

लखीमपुर खीरी- विकास क्षेत्र ईसनागर अंतर्गत पीएम श्री कम्पोजिट स्कूल मुड़ी में धूम धाम से मनाया गया स्वच्छता पखवाड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीएम श्री सविलियन विद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। जिसमें समस्त छात्र छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। गया इस अवसर पर सभा को सम्बोधित करते। हुए हेड मास्टर गया प्रसाद ने बताया। जीवन में अन्य ज़रूरतों के साथ स्वच्छता का भी महत्वपूर्ण किरदार है। स्वच्छता के कई रूप होते हैं। जिसमें सबसे महत्वपूर्ण शारीरिक स्वच्छता है। और शरीर तभी स्वच्छ रहा सकता है जब पर्यावरण स्वच्छ हो। पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए घर गांव को स्वच्छ रखना बहुत अनिवार्य है। सहायक अध्यापक अफ़ज़ाल अहमद ने प्रदूषण और स्वच्छता का महत्व बताया। सभा की अध्यक्षता। सूरज द्विवेदी लेखपाल ने की मुख्य अतिथि रमेश कुमार वर्मा सप्लाई इंस्पेक्टर रहे। पंचयायत सहायक अवध राम के अलावा सभा में अमित किशोर शिक्षक राकेश सिंह अभिनव वर्मा पुष्कर लाल वर्मा पूनम मौर्या संतोष भार्गव के आलवा गांव वासी हरि किशन बृजेश नरेंद्र के आलवा दर्जनों सम्मानित लोग उपस्थिति रहे।

राष्ट्रीय गणित दिवस धूमधाम से संपन्न...

महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के अवसर पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मैगलगंज (खीरी) में राष्ट्रीय गणित दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

मैगलगंज खीरी... इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशाल गणित मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गन्ना समिति अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र द्वारा माँ शारदे के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया। मेले में गणित प्रश्न मंच, पहाड़ा प्रतियोगिता, गणितीय रंगोली, कविता, भाषण, निबंध लेखन, गणितीय खेल व पहेलियाँ जैसी अनेक गतिविधियों में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य शैलेंद्र कुमार बाजपेई ने गणित के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रामानुजन के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम का सफल संयोजन ज्योति एवं मीडिया समन्वय आचार्य आशीष विश्वकर्मा के निर्देशन में संपन्न हुआ।

बांग्लादेश में हुए अक्रूरता को लेकर हुए वाद विवाद में थाना अध्यक्ष ने अभियुक्तों के खिलाफ किया मुकदमा पंजीकृत

सिंगाही खीरी – थाना क्षेत्र के उमरा गांव में रविवार रात बांग्लादेश में हुए अक्रूरता को लेकर हिन्दू मुस्लिम युवकों के बीच हुए बयान बाजी में कुछ मुस्लिम युवकों ने एक हिंदू युवक की पिटाई कर दी, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। गुस्साए हिन्दू संगठन के लोगों ने थाना सिंगाही आकर तहरीर दी। बीती रात सिंगाही थाना क्षेत्र के उमरा गांव में बंग्लादेश देश मे हिंदू युवक के साथ हुए अत्याचार को लेकर हिन्दू युवक शिवप्रसाद पुत्र जवाहर लाल व मुश्लिम युवकों अमीनुद्दीन व राजू पुत्र सत्तार अली के साथ हुए वाद विवाद में मुश्लिम युवकों ने हिन्दू युवक को काफी मारा जिससे उसको काफी चोटे आई। हिन्दू युवक को मारता देख ग्रामीण बचाने के लिए मौके पर पहुंचे ग्रामीणों को देखकर दोनों मुश्लिम युवक मौके से भाग गए। पीड़ित ने हिन्दू संगठन के साथ मिलकर सोमवार को थाने में तहरीर दी। इस मामले में सिंगाही थाना अध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि मारपीट हुई है मुकदमा अभियोग पंजीकृत है, विवेचना की जा रही है, 151 के अंतर्गत कार्यवाही होगी।

धान खरीद घोटाला केंद्र प्रभारियों और राइस मिलरो की मिली भगत के आरोप

● बिना तौल के कागजों पर हो रही प्रतिदिन सैकड़ो कुन्तल खरीद एम ओ के संरक्षण में हो रहा करोड़ों का धान खरीद घोटाला लें

अंगूठा किसान का और फायदा क्रय केंद्र प्रभारियों और राइस मिलरो ठेकेदारों का

ज़िले की मंडियों में एजेंसियों के लगे क्रय केंद्रों पर एम ओ और ए आर कोऑपरेटिव के संरक्षण में दिन-दहाड़े किसानों के अंगूठे लगवाए जाने के लग रहे गंभीर आरोप

क्रय केंद्रों का शटर गिराकर लगवाए जा रहे किसानों के अंगूठा एसडीम निरीक्षण बेअसर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- जनपद लखीमपुर-खीरी में धान खरीद को विभिन्न एजेंसियों के लगे क्रय केंद्रों के केंद्र प्रभारियों और राइस मिलरो की मिली भगत और धान खरीद की निगरानी को लगे जिम्मेदार अफसर के संरक्षण में करोड़ों का धान खरीद घोटाला किए जाने का मामला प्रकाश में आया है सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार जिले की मोहम्मदी गोला पालिया तिकोनिया मैगलगंज सहित क्रय केंद्र कस्ता और वी पैक्स सैदापुर क्रय केंद्र पर राइस मिलरो और बिचौलियों से साथ गांठ करके बिना तौल किये रोजाना कागजों पर सैकड़ो टन धान खरीद की जा रही है जबकि हकीकत की धरा पर मंडियों में तिकोनिया मंडी सहित कस्ता और सैदापुर वी पैक्स केंद्र पर नियम कानून और मानकों को ताक पर रखकर जमकर फर्जी वाड़ा कर धान खरीद के जादूई आंकड़ों की जादूगरी का खेल किया जा रहा है सूत्रों की माने तो अधिकांश सेन्टर पर जिम्मेदार अफसर केंद्र प्रभारी मौजूद नहीं रहते हैं और कागजों पर प्रतिदिन प्रत्येक केंद्र पर सैकड़ो कुन्तल धान की खरीद की जाती है आखिर किसका और कहां तोला जाता धान जब क्रय केंद्रों पर सारा दिन पसारा रहता है सन्नाटा और क्रय केंद्र से सारा दिन नदारद रहते केंद्र प्रभारी सारा सारा दिन तौल बंद रहती है तो फिर शाम को कागजों पर दिखाई गई धान खरीद में किसका धान खरीदा गया और इस धान की तौल किसने और कहां की यदि कराई जाए।

धान खरीद रजिस्टर से स्टॉक स्थलीय सत्यापन तो धान खरीद घोटाले में करोड़ों के खेल का खुलासा आएगा सामने धान खरीद केंद्र के कुछ प्रभारियों ने नाम न छापने शर्त पर बताया धान केंद्रों पर नहीं आता है यहां से सिर्फ कागज आते हैं जिनको चढ़ाकर और किसान के अंगूठा लगवा दिए जाते हैं इसी तरह से धान मालिकों और बिचौलियों का धान खरीद का आकड़ा पूरा किया जा रहा है न तो धान की ट्रालियों की आवक है और न ही धान ही है किसान काफी पहले ही अपना धान औने पौने दाम पर आढ़तियों और राइस मिलरो के हाथ बिक्री कर चुका है गोला मोहम्मदी मैगलगंज सहित पलिया तिकोनिया रामापुर सदर मंडी में संचालित केंद्रों पर सन्नाटा पसरा पड़ा है केंद्र प्रभारी केंद्रों पर से नदारद है फिर बगैर तौल लगाएं रोज़ाना सैकड़ो टंन धान कागजों पर खरीदा जा रहा है आखिर कागजों पर खरीदा धान किसका है यक्ष प्रश्न बना है जिसका उत्तर किसी भी मंडी के एम ओ के पास और न ही केंद्र प्रभारियों के पास ढूंढे मिल पा रहा है मामले की गहन जमीनी पड़ताल को मंडियों में अमर भारती समाचार पत्र संवाददता को मंडी कागज जमा करने आए कुछ कथित किसानों ने बताया धान मिल मालिकों और आढ़तियों द्वारा औने पौने भाव खरीदे गए धान पर किसानों के ही अंगूठे लगवा कर प्रति कुन्तल 700 से ?800 रुपए का खेला किया जा रहा है गौरतलब हो कि अंगूठा और कागज़ किसान का और फायदा राइस मिलरो का केंद्र प्रभारियों और ठेकेदारों को पहुंच रहा है किसानों ने नाराजगी जग जाहिर करते हुए बताया एक तरफ योगी सरकार भ्रष्टाचारियों और माफियाओं के खिलाफ़ कार्रवाई करने के बड़े-बड़े दावे करती है वहीं दूसरी तरफ जनपद में तैनात अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचारियों के साथ-साठ गांठ कर सरकार की नीतियों का खुला मजाक उड़ाया जा रहा है। यदि जिला अधिकारी ले मामले का संज्ञान और कराए खरीद रजिस्टर से स्टॉक का मिलान तो करोड़ों रुपए के घोटाले का पर्दाफाश होना तय है।

निओ हॉस्पिटल महेवा गंज के डॉक्टर मुनीफ पर दुष्कर्म का गंभीर आरोप, कार्रवाई पर उठे सवाल

निओ हॉस्पिटल महेवा गंज में कार्यरत एक नर्स ने अस्पताल के डॉक्टर मुनीफ पर दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता दो दिन पूर्व पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा से मिली थी, जिसके बाद एसपी ने महिला थाना प्रभारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए। पीड़िता और उसके परिजनों का आरोप है कि प्रभावशाली डॉक्टर को बचाने की कोशिश की जा रही है। सवाल यह है कि जब मामला दुष्कर्म जैसा गंभीर है, तो फिर कार्रवाई में देरी क्यों? क्या खीरी पुलिस डॉक्टर मुनीफ को बचा रही है? मामला तूल पकड़ता जा रहा है, पीड़िता न्याय की गुहार लगा रही है। अब सबकी निगाहें पुलिस प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

डीएम के आदेश पर मांझा पुल को लेकर जांच करने पहुंचे अधिकारी

● जौराहा पुल को लेकर ग्रामीण किसानों में व्याप्त है रोष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही खीरी। मांझा पंचायत में आवंटित खनन पट्टा ठेकेदारों द्वारा जौराहा नदी पर बनाए गए पुल की शिकायत के बाद डीएम के आदेश पर गठित टीम जांच करने पहुंची। जिसमें एसडीएम के साथ लोक निर्माण विभाग और खनन अधिकारी शामिल रहे। इलाके में बहने वाली जौराहा नदी जो कि अभिलेखों में नाला दर्ज है। उसमें खनन के लिए खनन विभाग की ओर से पट्टा आवंटित किया गया है। खनन की बालू निकालने के लिए ठेकेदार की ओर से जौराहा नदी पर ह्यूम पाइप डालकर पुल बनाया गया है। इसकी जानकारी होने के बाद से मांझा के ग्रामीण इसका लगातार विरोध कर रहे हैं। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत लखीमपुर जाकर डीएम कार्यालय में भी की थी। इसके बाद डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने इसकी जांच के लिए एसडीएम निघासन, लोक निर्माण विभाग के और खनन इंस्पेक्टर आशीष सिंह को नामित कर टीम गठित की है। शनिवार को निघासन एसडीएम राजीव निगम,लोक निर्माण विभाग से जेई पीके सरोज और खनन इंस्पेक्टर आशीष सिंह मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। इसकी जानकारी मिलने के बाद भारी संख्या में पुल के पास पहुंच गए और खनन स्थल पर कटान का हवाला देकर खनन पट्टा आवंटन का विरोध किया। इस दौरान एसडीएम के साथ टीम ने ग्रामीणों द्वारा बनाए गए लकड़ी के पुल का भी निरीक्षण किया गया।

फरसैया गौशाला की भयावह सच्चाई

●जमीन के नीचे दफन सैकड़ों गौवंश, रोज़ हो रही मौतें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पलियाकलां-खीरी। पलिया क्षेत्र की ग्राम पंचायत फरसैया में संचालित गौशाला की हकीकत प्रशासनिक दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। यहां गौसेवा के नाम पर जो हो रहा है, वह न केवल अमानवीय है बल्कि शासन की मंशा पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। गौशाला के पास स्थित एक खुली जगह पर जमीन के भीतर सैकड़ों गौवंशीय पशुओं को दफन किए जाने का मामला प्रकाश में आया है, जहां मिट्टी के टीले इस भयावह सच्चाई की गवाही दे रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, यह वही स्थान है जहां मरने वाली गायों को बिना किसी नियम और जांच के दफन कर दिया जाता है। जितनी दूर तक मिट्टी के उभरे हुए टीले दिखाई दे रहे हैं, उतनी ही बड़ी संख्या में यहां गौवंशीय पशु दफन हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि यह सिलसिला वर्षों से चल रहा है, और आज भी लगभग हर दिन गौवंशीय पशुओं की मौतें हो रही हैं। यदि टीलों को खोदकर देखा जाए तो सारी सच्चाई खुद ब खुद सामने आ जाएगी। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने इस अमानवीय स्थिति को लेकर ब्लॉक से लेकर जिला स्तर तक अनगिनत शिकायतें कीं, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला। कोई ठोस कार्रवाई न होने से अब ग्रामीणों ने शिकायत करना ही छोड़ दिया है। उनका कहना है कि अधिकारियों की चुप्पी ने लापरवाह कर्मचारियों और जिम्मेदारों के हौसले और बुलंद कर दिए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि गौशाला में न तो पशुओं को पर्याप्त चारा मिल रहा है, न ही साफ पानी और न ही समय-समय पर इलाज। बीमार पशुओं को यूं ही तड़पने के लिए छोड़ दिया जाता है, जिससे उनकी मौत हो जाती है। इसके बाद शवों को गौशाला के बगल में जमीन में दबा दिया जाता है, ताकि मामला दबा रहे। जिस स्थान पर मिट्टी के ऊंचे-ऊंचे टीलों के नीचे गौवंशीय पशुओं को दफनाया गया है, वहां कुत्ते लगातार उन टीलों को खोदते हुए नजर आ रहे हैं। इससे न सिर्फ स्थिति की भयावहता उजागर होती है, बल्कि संक्रामक बीमारियों के फैलने का भी गंभीर खतरा बना हुआ है। बावजूद इसके, जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। सरकार एक ओर गौवंश संरक्षण के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा करती है, वहीं फरसैया गौशाला की यह तस्वीर उन दावों को खोखला साबित कर रही है। सवाल यह है कि क्या संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर कभी निरीक्षण करते हैं या सब कुछ कागजों में ही दुरुस्त दिखाया जा रहा है? ग्रामीणों और गौसेवकों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, जिम्मेदार कर्मचारियों व अधिकारियों पर कार्रवाई तथा गौशाला की व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की है। यदि समय रहते प्रशासन नहीं जागा, तो यह मामला आने वाले समय में बड़े जनआक्रोश का रूप ले सकता है।

नगर पालिका की लापरवाही से कीचड़ में फंसी शिक्षा

●टेहरा शहरी माध्यमिक विद्यालय तक पहुंचना छात्रों के लिए बना खतरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पलिया कलां। नगर पालिका पलिया की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। मोहल्ला टेहरा शहरी स्थित माध्यमिक विद्यालय तक जाने वाला रास्ता वर्षों से बदहाल पड़ा है। सड़क की जगह गड्ढों और कीचड़ से भरा रास्ता छात्रों के भविष्य पर भारी पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। विद्यालय के सामने जमा गंदे पानी और कीचड़ में डूबी सड़क इस बात की गवाही दे रही है कि पालिका प्रशासन ने आज तक इस ओर ध्यान नहीं दिया। बच्चों को मजबूरी में ईंटों और टूटी सड़क पर चलकर स्कूल पहुंचना पड़ता है। कई बार छात्र फिसलकर गिर भी चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हालत तब है, जब अभी बरसात शुरू भी नहीं हुई है। बरसात में यह रास्ता पूरी तरह तालाब में तब्दील हो जाता है, जिससे स्कूल आना-जाना लगभग बंद हो जाता है। मोहल्लेवासियों द्वारा कई बार नगर पालिका को शिकायत दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर यह लापरवाही प्रशासन की संवेदनहीनता को उजागर करती है।

विद्यालय तक जाने वाला ये रास्ता बदहाली की मिसाल बन चुका है। कीचड़, गड्ढों और गंदे पानी से भरे इस रास्ते से रोजाना सैकड़ों छात्र गुजरने को मजबूर हैं। अभिभावकों का कहना है कि कई बार बच्चों के कपड़े खराब हो जाते हैं, जूते कीचड़ में फंस जाते हैं और फिसलने से चोट लगने का डर बना रहता है। कई छोटे बच्चों को अभिभावक गोद में उठाकर स्कूल छोड़ने को मजबूर हैं। मोहल्लेवासियों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका प्रशासन को कई बार अवगत कराने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे लोगों में भारी आक्रोश है। कहना है कि यदि जल्द ही रास्ते का निर्माण नहीं कराया गया तो नगर पालिका कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। विद्यालय के मुख्य द्वार पर लिखा है 'शिक्षार्थ आइए, सेवार्थ जाइए ', लेकिन टेहरा शहरी के माध्यमिक विद्यालय तक पहुंचने का रास्ता बच्चों के सपनों को कीचड़ में फंसा रहा है।

जहां एक ओर सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर नगर पालिका की अनदेखी बच्चों को स्कूल पहुंचने से पहले ही हतोत्साहित कर रही है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि सड़क की जगह कीचड़ और पानी भरा हुआ है, जिस पर ईंटें डालकर अस्थायी रास्ता बनाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या वर्षों पुरानी है। बरसात के मौसम में हालात और भी भयावह हो जाते हैं। इसके बावजूद पालिका प्रशासन द्वारा सड़क निर्माण को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की गई। अब देखना होगा कि नगर पालिका प्रशासन बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देता है या फिर यह रास्ता यूं ही बदहाली का प्रतीक बना रहेगा।

फरदहियां गांव में बाघ ने घर में बंधे बछड़े को बनाया निवाला

● ग्रामीणों में दहशत का माहौल मची अफरा तफरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही खीरी! दुधवा नेंशनल पार्क की बफर जोन की रेंज बेलरायां की बीट बथुआ में थाना क्षेत्र के सिंगाही के गांव फरदैहिया गांव में बीती रात तेंदुए ने बेचे लाल पुत्र मिहीलाल के घर के बाहर घारी में बंधे बछड़े को अपना निवाला डाला,जिससे पूरे गांव में तेंदुए की दहशत फ़ैल गयी और अफ़रा-तफ़री मंच गयी गांव में डर का माहौल बन गया है। बताते चलें कि दुधवा नेशनल पार्क की बफर जोन के जंगलों की सीमाएं चारों तरफ दूर दूर तक फैली हुई है। जंगल की खुली सीमाओं से जंगली जानवर किसानों के गन्ने के खेतों में आकर छिप कर शिकार मिलने का इंतजार करते है मौका मिलते ही नज़दीकी गांव में घुसकर गाय बछड़े आदि अपने आहार का शिकार कर लेते हैं। रविवार की रात मिहीलाल का बछड़ा घर की घारी में बंधा था, जिसे रात के अंधेरे में बाघ अपना शिकार बनाकर मार डाला और ग्रामीणके चीखने चिल्लाने की ढोल पीपा तबला बजाकर दौड़ाने पर अपने शिकार को छोड़कर भाग निकला। सुबह जब परिजनों ने बछड़े को मृत देखा, तो परिजन व ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।

जंगली जानवर बाघ तेंदुआ के आतंक से लोग बहुत डरे हुए हैं। खतरनाक जंगली जानवरों का आबादी क्षेत्र में आने से घटनाएं लगातार हो रही हैं।, लेकिन वन विभाग कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। बेलराया क्षेत्रीय वनाधिकारी भूपेन्द्र सिंह ने बताया की गांव के चारों तरफ खबर लगकर वन विभाग की टीम गस्त कर रही हैं। तेंदुए की मानी ट्रिंग की जा रही है।

महिला का नकाब खींचने के खिलाफ ऐपवा ने निकाला मुख्यमंत्री के खिलाफ जुलूस

●सभा को संबोधित करते हुए सिता पाल ने कहा मुख्यमंत्री द्वारा महिला का हिजाब खिचना गलत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपालगंज- भोरे- नकाब खींचने वाले मुख्यमंत्री महिला डाक्टर से माफ़ी मांगों,धार्मिक पहचान पर हमला बंद करो, सार्वजनिक तौर पर किसी स्त्री के कपड़े खींचना मर्यादा और इंसाफ का उलंघन हैं हिन्दू- मुस्लिम महिलाओं पहनावा जिंदाबाद इत्यादि नारे लगाते हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम के तहत ऐपवा ने भोरे पार्टी कार्यालय से जुलूस निकाला तथा भोरे चारमुहानी पर सभा की सभा को संबोधित करते हुए ऐपवा जिलाध्यक्ष सीता पाल ने कहा कि आप सब लोग फेसबुक अखबार के माध्यम से जानते है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक महिला डॉक्टर को प्रशस्तिपत्र देते समय सार्वजनिक रूप से उनका हिजाब खींचकर अपमानित किया गया आज इस मार्च के माध्यम से मैं इस घटना की तीखी शब्दों में निंदा करती हूँ तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से माफ़ी मांगने की मांग करती हूँ उन्होंने कहा कि बिहार में अगर छोटी-छोटी बच्चियों के साथ अगर बलात्कार हो रहे हैं अपराध बढ़ रहा हैं तो उसका वजह यही हैं, आगे उन्होंने कहा कि विधानसभा में मुख्यमंत्री ने लड़का-लड़की के बारे में कितनी शर्मिंदगी वाली क्या-क्या बात कहें हैं सब लोग जानते हैं इनका मानसिक संतुलन गड़बड़ा गया हैं, सभा को संबोधित करते हुए ऐपवा के जिलाध्यक्ष रामावती देवी -प्रभावती देवी ने कहा कि नीतीश -मोदी सरकार ने दस-दस हज़ार रुपया देकर लोगों को ठग लिया और जब सरकार बन गयी तो गरीबों के घर पर बुलडोजर चला रहीं हैं उन्होंने कहा कि भोरे में गरीबों की दुकान तो उजाड़ दी गई मगर रोड के किनारे बिजली के खम्बे गड़े हैं जो जाम के गम्भीर कारण बने हुए हैं उन्होंने उन खम्भों को तत्काल हटाने व गरीबों के झोपड़ियों पर चल रहे बुलडोजर पर रोक लगाने की मांग कि, सभा को जिला पार्षद सदस्य ललिता चौहान, काजल तिवारी, भोरे मुखिया प्रियंका कुमारी, गिरजा देवी इत्यादि ने संबोधित किया।

आनंदनगर कॉलोनी के पास प्रस्तावित मछली मंडी से नाराज़ लोग, स्थान परिवर्तन की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अंबेडकरनगर। नगर पालिका परिषद अकबरपुर द्वारा आवासीय क्षेत्र के समीप प्रस्तावित मछली मंडी को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी नाराज़गी है। आनंदनगर कॉलोनी एवं आसपास के मोहल्लों के लोगों ने इस संबंध में अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद अकबरपुर को पत्र भेजकर मछली मंडी को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि आनंदनगर कॉलोनी के सिविल लाइंस वार्ड संख्या 19-20 में बड़ी संख्या में परिवार स्थायी रूप से निवास करते हैं। इसी आवासीय क्षेत्र के पास नगर पालिका द्वारा मछली मंडी खोलने का निर्णय लिया गया है, जो जनहित के विपरीत है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आवासीय परिसर के नजदीक मछली मंडी बनने से बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जिस स्थान पर मछली मंडी प्रस्तावित है, वह स्कूल आने-जाने वाले बच्चों, साइकिल सवारों और पैदल यात्रियों का मुख्य मार्ग भी है। ऐसे में वहां भीड़भाड़ बढ़ने और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहेगी। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि पास ही प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्ग एवं मुख्य मार्ग पर मछली मंडी बनने से यातायात बाधित होगा, जिससे जाम और हादसों की संभावना बढ़ेगी। स्थानीय नागरिकों ने दुर्गंध, गंदगी और स्वच्छता संबंधी समस्याओं को लेकर भी चिंता जताई है। निवासियों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए मछली मंडी को आवासीय क्षेत्र से दूर किसी उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। पत्र पर बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों के हस्ताक्षर हैं। अब देखना यह है कि नगर पालिका प्रशासन इस जनआक्रोश को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या मछली मंडी के स्थान को लेकर कोई वैकल्पिक निर्णय किया जाता है या नहीं।

अज्ञात कारणों के चलते युवक ने फांसी लगाकर दी जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बार(ललितपुर)- बार थाना क्षेत्र के देवरान गांव में सोमवार सुबह एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान धर्मेंद्र साहू उम्र लगभग 35 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र साहू कटाईजा मुहल्ला स्थित सोसायटी के पीछे बने मकान में अपने माता-पिता से अलग रहता था। उसके मवेशी भी वहीं बंधे रहते थे। घटना के समय उसकी पत्नी अपने दोनों बच्चों के साथ नसबंदी का ऑपरेशन कराने मायके गई हुई थी। धर्मेंद्र साहू के एक पुत्र और एक पुत्री है। वह अपने दो भाइयों में बड़ा था। बताया जा रहा है कि इस वर्ष उसने गेहूं की खरीद की थी, जिसमें उसे नुकसान हुआ था। हालांकि, आत्महत्या के पीछे का स्पष्ट कारण अभी ज्ञात नहीं है। थाना प्रभारी अजमेर सिंह ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि मृतक धर्मेंद्र साहू ने पहले भी दो बार आत्महत्या का प्रयास किया था। पुलिस को सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची जिसके बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है पुलिस फिलहाल मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

कम्बल वितरण से जरूरतमंदों के चेहरे पर आई मुस्कान

स्वतंत्र प्रभात संवादादाता

ललितपुर। 21 दिसंबर 1965 का दिन जब एक ऐसे शख्स का जन्म हुआ। जिसने आज के दौर में अपनी मेहनत, लगनशीलता से अपने व्यापारिक क्षेत्र में उच्चतम उन्नति प्राप्त की साथ ही साथ अपनी दरियादिली से लोगों के दिलों में जगह बनाई, जिसने न केवल अपने परिवार का नाम उठाया, बल्कि समूचे समाज को एक समाजसेवा करने की एक नई दिशा प्रदान दी। नरसी कुलरिया अंदर उनके पिता संत दुलाराम कुलरिया के संस्कार बसते है। देश के कई राज्यों के लोग आज नरसी जी को अपना आदर्श मानते है। नरसी कुलरिया के जन्मोत्सव को मनाते हुये आज जनपद ललितपुर के ग्राम निवाहों जरूरतमंद लोगों को कम्बल बांटे गए। जिसमें वी5 अध्यक्ष विजय डयोडिया, जिला पंचायत सदस्य अमर विश्वकर्मा घुटारी, पं.रमाकांत सिरोठिया, गगन जैन, मुकुट राजा, एड.सत्येंद्र विश्वकर्मा, दीपेश यादव व ग्रामवासी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

नामांकन पत्रों कि जांच के बाद 13 उम्मीदवारों के लिए होगा मतदान

6 जनवरी को होगा नवयुवक अधिवक्ता समिति का चुनाव अध्यक्ष पद हेतु होगा त्रिकोणीय मुकाबला

चुनार, मीरजापुर। नवयुवक अधिवक्ता समिति चुनार के विभिन्न पदों के लिए कुल 30 उम्मीदवारों ने पर्चा दाखिल किया था। पर्चा जांच व वापसी के बाद अध्यक्ष व महामंत्री पद के लिए तीन तीन,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए तीन, संयुक्त मंत्री के लिए चार प्रत्याशी मैदान में रह गए। वही कनिष्ठ उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, कनिष्ठ व वरिष्ठ कार्यकारी सदस्य पद पर निर्विरोध निर्वाचित किए गए। अध्यक्ष एवं महामंत्री पद के लिए त्रिकोणीय मुकाबला होगा जिसमें शिवशंकर सिंह पटेल एडवोकेट, शीतला प्रसाद यादव एडवोकेट, सुनील कुमार मिश्रा एडवोकेट के बीच कड़ी टक्कर होगी। ईल्डर्स समिति के अध्यक्ष सत्येंद्र नाथ द्विवेदी ने बताया कि अध्यक्ष व महामंत्री पद के लिए तीन, तीन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए तीन, संयुक्त मंत्री के लिए चार प्रत्याशी मैदान में हैं।वही कनिष्ठ उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष कनिष्ठ वरिष्ठ कार्यकारी सदस्य पद पर निर्विरोध निर्वाचित किए गए। इस दौरान श्याम मुरारी सिंह,कल्लू सिंह, नंदकिशोर सिंह,अखिलेश सिंह,महामंत्री अजय पांडेय,पूर्व महामंत्री राहुल सिंह,वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज कुमार पांडेय,महेंद्र सिंह,गुरुदास आदि अधिवक्ता रहे।

62 दिव्यांग बच्चों को वितरित हुआ उपस्कर उपकरण

भदोही। दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य को लेकर समग्र शिक्षा अभियान समेकित शिक्षा के तहत सोमवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय और एलिम्को कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में ब्लॉक संसाधन केंद्र अभोली में उपस्कर एवं उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान उन बच्चों को लाभांवित किया गया। जिनका चयन पूर्व में आयोजित मेजरमेंट कैंप (मापन शिविर) में एलिम्को कानपुर के विशेषज्ञों द्वारा किया गया था। आज कुल 62 दिव्यांग बच्चों को खंड शिक्षा अधिकारी वेद प्रकाश यादव, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा रश्मि मिश्रा एवं एलिम्को कानपुर के विशेषज्ञों द्वारा वितरित किया गया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा 12 टीएलएम किट, 08 कैच एल्वो, 02 वाकिंग स्टीक, 02 व्हील चेयर, 09 ट्राईसाइकिल, 4 रोलेटर, 06 सीपी चेयर, कैलिपर्स 06 तथा 12 हियरिंग ऐड दिव्यांग बच्चों में वितरित किया गया। एलिम्को कानपुर से आए विशेषज्ञ रामानंद, अनु रानी और महावीर, डीसी समेकित रश्मि मिश्रा, फिजियोथैरेपिस्ट जेपी सिंह तथा स्पेशल एजुकेटर्स ने अभिभावकों को इन आधुनिक उपकरणों के उपयोग संबंधित जानकारी दी गई। इस मौके पर रामसजीवन, राणा गोविंद, सत्येंद्र कुमार द्विवेदी, विजय कुमार मौर्य, श्याम बहादुर यादव समेत बीआरसी का स्टाफ मौजूद रहा।

बाउंड्रीवाल तोड़ने को लेकर दो पक्षों में जमकर चले ईट पत्थर चार घायल

गोपीगंज। कोतवाली के अमिलौर गांव मे बाउंड्रीवाल के विवाद में जमकर ईट पत्थर, चलने से चार लोग घायल हो गए। घटना के बारे में बताया जाता है एक पक्ष की बाउंड्री हाल ही में बनवाई गई थी इस बात को लेकर सोमवार को सुबह ही दूसरा पक्ष उक्त विवादित भूमि पर पहुंच गया और वाद विवाद का दौर शुरू हो गया इसी बीच एक पक्ष के द्वारा बाउंड्री वाल को ध्वस्त कर दिया गया इसके बाद दोनों पक्षों से धुआंधार ईट पत्थर चलने शुरू हो गए जिसमें एक पक्ष के रामचंद्र चौबे 80, कृष्णकांत चौबे 51 तथा दूसरे पक्ष से आदित्य चौबे 22 पुत्र संतोष चौबे तथा मन्ना देवी 65 वर्ष पत्नी लालमणि निवासी जंखाव घायल हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस घायलो सरकारी एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया दोनों पक्ष से कार्यवाही के लिए थाने मे तहरीर दे दी गई है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर कार्रवाई कर रही है।

डेरवा शीतला माता मंदिर में दर्शन पूजन प्रातःकाल से लगी कतार

गोपीगंज। विकास खंड औराई के डेरवा गांव स्थित शितला मांता मंदिर मे सोमवार को दर्शनार्थियो की भीड़ लगी रही द्यप्रातः काल शीतला घाट पर गंगा मे डूबकी लगाने के उपरांत श्रद्धालुओ ने मांता के दरबार मे हाजिरी लगा मनवांछित फल प्राप्ति के लिए दर्शन पूजन कर प्रार्थना की । गंगा तट पर विराजमान जगत जननी मां शीतला के मंदिर में प्रत्येक सोमवार को आयोजित साप्ताहिक मेले मे दर्शन पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुचते है। ग्रामीण क्षेत्र के प्रमुख सिद्ध पीठ पर सोमवार को दर्शनार्थियो की भीड़ बढ जाती है।

लोक शिकायतों के निवारण और सेवा वितरण में सुधार हेतु समर्पित है 'सुशासन सप्ताह'

●जन शिकायतों के समाधान की सफलता की कहानी

सुशासन सप्ताह में शिकायतकर्ता की शिकायत का सेम डे हुआ समाधान,तत्काल बना बेटी का जन्म प्रमाण पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोहीः- लोक शिकायतों के त्वरित निवारण, पारदर्शी प्रशासन तथा ग्रामीण स्तर तक प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रव्यापी अभियान सुशासन सप्ताह 'प्रशासन गांव की ओर' जनपद भदोही में 19 से 25 दिसंबर, 2025 तक सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। यह अभियान जिलाधिकारी शैलेष कुमार के मार्गदर्शन एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल के पर्यवेक्षण में सुचारु रूप से जारी है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सुशासन सप्ताह का मूल उद्देश्य जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करना तथा ग्रामीण स्तर तक शासन की योजनाओं व सेवाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि यह अभियान प्रशासन और नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे शासन व्यवस्था अधिक उत्तरदायी और संवेदनशील बन रही है।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि लोक शिकायतों के निवारण और सेवा वितरण में सुधार हेतु सुशासन सप्ताह पूर्णतः समर्पित है। इसके अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा जनसुनवाई, शिविरों तथा डिजिटल माध्यमों से शिकायतों का त्वरित समाधान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से संस्थानों के डिजिटल परिवर्तन और नागरिकों के डिजिटल सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि सेवाएं अधिक सरल, सुलभ और पारदर्शी बन सकें।

जन शिकायतों के समाधान की सफलता की कहानी

सुशासन सप्ताह के अंतर्गत जन शिकायत निवारण की एक उल्लेखनीय सफलता का उदाहरण विकासखंड भदोही के ग्राम जोगीपुर निवासी अभिषेक तिवारी द्वारा साझा किया गया। उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी बेटी के जन्म प्रमाण पत्र की अत्यंत आवश्यकता थी, किंतु संबंधित प्रक्रिया पूर्ण कराने के लिए वे काफी समय से भटक रहे थे। सुशासन सप्ताह की जानकारी प्राप्त होने पर उन्होंने विकास भवन स्थित जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में अपनी समस्या रखी। जनसुनवाई के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी संजय मिश्र ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संबंधित ग्राम पंचायत सचिव को निर्देशित किया। परिणामस्वरूप उसी दिन शाम तक शिकायतकर्ता की बेटी का जन्म प्रमाण पत्र निर्गत कर दिया गया।

औराई में पुलि मुठभेड़, 25 हजार का इनामी गोली लगने से घायल, दो गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिले की औराई कोतवाली क्षेत्र में सोमवार तड़के पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने 25 हजार रुपये के इनामी अंतर्जनपदीय वांछित अपराधी शिवम भारतीय एवं उसके साथी मोनू तिवारी (दोनों निवासी प्रयागराज) को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में शिवम भारतीय के बाएं पैर में गोली लगी है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के अनुसार थाना औराई पुलिस एवं एसओजी की संयुक्त टीम सोमवार रात उगापुर नहर पुलिया से करीब 100 मीटर आगे ज्ञानपुर की ओर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित बदमाश इलाके में मौजूद हैं। पुलिस द्वारा घेराबंदी किए जाने पर बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस की आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त शिवम भारतीय (निवासी पीरकाजी, थाना फूलपुर, प्रयागराज) के बाएं पैर में घुटने के नीचे गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औराई भेजा गया, जहां उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है। मौके से उसके साथी मोनू तिवारी, निवासी महाराज की चकिया, थाना थरवई, प्रयागराज को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से एक देशी तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, पूर्व की घटना में प्रयुक्त चाकू तथा काले रंग की बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। मुठभेड़ में घायल अभियुक्त शिवम भारतीय के खिलाफ भदोही, प्रयागराज सहित अन्य जनपदों में 18 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। घटना के बाद फॉरेंसिक टीम व फील्ड यूनिट ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन किया। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

किसान सम्मान दिवस पर जनपद के तीन प्रगतिशील कृषकों को माननीय मुख्यमंत्री जी लखनऊ में करेंगे सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही – उप कृषि निदेशक भदोही डॉ अश्वनी सिंह द्वारा बताया गया कि भू0पू0 प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के जन्म दिवस 23 दिसम्बर 2025 को किसान सम्मान दिवस का आयोजन पूर्व की भांति किया जा रहा है। जिसमें किसानों को विभिन्न फसलों में सर्वाधिक उत्पादकता प्राप्त करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया जाता है। इसी क्रम में जनपद भदोही से 03 किसानों को विभिन्न फसलों में राज्य में सर्वाधिक उत्पादन प्राप्त करने पर उत्तर प्रदेश कृषि भवन, लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह में सम्मानित किया जायेगा। जनपद भदोही से सर्वाधिक उत्पादकता वाले कृषकों में पिपरी निवासी श्री हीरालाल यादव को सरसों उत्पादन में प्रथम स्थान, तुलसी चक निवासी श्री राजबली यादव को ज्वार में प्रथम स्थान, उमरी निवासी श्री अनिल कुमार को ज्वार में द्वितीय स्थान पर चयन किया गया है। जनपद के तीनों सम्मानित कृषकों को दिनांक 23 दिसम्बर 2025 को राज्य स्तर पर आयोजित किसान सम्मान समारोह में मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा सम्मानित किया जायेगा। भदोही जनपद के लिए यह एक गौरव की बात है। साथ ही जनपद स्तर पर कृषि, उद्यान, मत्स्य एवं पशुपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों को 23 दिसम्बर 2025 को चित्रांगन लान ज्ञानपुर में आयोजित किसान सम्मान दिवस कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया जायेगा। जनपद के सभी सम्मानित किसान भाईयों से सादर अनुरोध है कि कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्याा में प्रतिभाग करें।

संघ गंगा ने दर्शकों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों की यात्रा से कराया अवगत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर । संघ गंगा के मंचन ने दर्शकों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा से अवगत कराया। सीमित समय में संघ के पहले तीन सर संघ चालकों का कार्य, उनका उद्देश्य, नेतृत्व ,नेतृत्व का हस्ताक्षरतरण, उससे जुड़ा इतिहास और जीवन चरित्र मंच पर जीवंत हुआ । संघ की स्थापना का संकल्प, प्रचार प्रसार पर विचार और महात्मा गांधी व डॉक्टर हेड गवार की भेंट का प्रथम अविस्मरणीय प्रसंग, वंदे भारत माता का गगन भेदी उदघोष, भगवा ध्वज का संतुलित उपयोग और संघ घोष की लय का अद्भुत समन्वय मंच पर दर्शक दीर्घा मंत्रमुग्ध होकर भाव विभोर हो रहे थे। नाट्य मंचन से पूर्व मां विंध्यवासिनी के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य किया गया। तत्पश्चात संस्कार भारती काशी प्रांत के अध्यक्ष डॉ गणेश प्रसाद अवस्थी ने कार्यक्रम पर प्रकाश एवं स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वंत रंजन जी ने संघ पर प्रकाश डालते हुए इसे ईश्वरी कार्य बताया। इस अवसर पर पिछड़ा आयोग उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष सोहनलाल श्रीमाली, पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव आदि मंचासीन का पूर्व जिला अध्यक्ष राजकुमार पाहवा, वर्तमान उपाध्यक्ष आशुतोष सोनी, मंत्री सोमेश्वर त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष रेखा रानी गौड़ एवं सहमहामंत्री विजय श्रीवास्तव द्वारा अंगवस्त्रम् से स्वागत किया गया।

नाट्य मंचन के समय सभी दर्शक तल्लीन होकर के प्रारंभ से अंत तक सभी बने रहे। मंचन में जब राम जन्म भूमि अभियान का दृश्य आया तो मंच से लेकर दर्शक दीर्घा तक सभी जय श्री राम का उदघोष करने लगे। इस नाट्य मंचन में प्रसंग को जोड़ने के लिए भारत माता की भूमिका में मीनल मंडल जब-जब मंच पर आती तब तब दर्शन दिर्घा राष्ट्रभक्ति की लहर से भर जाते थे। दर्शकों ने मुक्त कंठ से इस नाट्य मंचन की तारीफ करते हुए तृप्त नहीं हो रहे थे। नाट्य मंचन के पश्चात सभी कलाकारों का सम्मान एवं उनके निर्देशक संजय जी को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस अवसर पर अड़गड़ा नंद महराज के शिष्य आशीष महराज जी,प्रांत बौद्धिक प्रमुख डॉ कुलदीप जी,विभाग प्रचारक कौशल जी, जिला प्रचारक रजत जी, नगर प्रचारक अंजनी जी, जिला संघ चालक शरद जी,जिला कार्यवाह प्रविंद्र जी,जिला सह नीरज जी,विभाग सह संपर्क प्रमुख चंद्रमोहन जी,कृष्णाकुमार जी,प्रकाश चंद्र सर्राफ,शैलेश जी नगर सह कार्यवाह,आरोग्य भारती से डॉ संदीप श्रीवास्तव, डॉ अरविंद अवस्थी, धर्मराज सिंह, प्रभु बरनवाल, जवाहर सिंह सुनील तिवारी संस्कार भारती के पूर्व महामंत्री संतोष तिवारी एवं संदीप श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष शंकर लाल सोनी आज विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री शिवराम शर्मा, संयोजन डॉक्टर गणेश प्रसाद एवं अध्यक्षता पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव ने किया।

लालबहादुर सिंह की ग्यारहवीं जयंती पर गरीबों को वितरित किया गया कंबल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अहरौरा, मीरजापुर। किसान नेता व पाषाण मजदूर ब्यवसाई संघ के अध्यक्ष रहे स्व लालबहादुर सिंह की ग्यारहवीं जयंती सोमवार को बीरेंद्र कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह महादेव के कुदारन प्लांट स्थित कार्यालय पर मनाई गई। और गरीबों को कम्बल वितरित किया गया। इस अवसर पर स्व श्री सिंह के कृतित्व व व्यक्तित्व पर लोगों ने प्रकाश डाला और उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। वक्ताओं ने स्व लालबहादुर सिंह को गरीबों का मसीहा और किसानों की लड़ाई लड़नें वाला बताया और कहा की श्री सिंह की याद उनके आंदोलनों से जुड़े लोग अक्सर करते रहते हैं। इसके बाद आसपास के दर्जन भर गरीबों को इस कड़ाके की ठंड से राहत दिलाने के लिए कंबल वितरित किया गया। इस अवसर पर ओमप्रकाश सिंह, सहकारी समिति अहरौरा के डायरेक्टर कौशल सिंह, जयशंकर प्रसाद मौर्य, सुमन प्रजापति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्रीखंड मण्डल में सकल हिन्दू समाज के तत्वाधान मे भव्य हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। श्रीखंड के सीखड़ राम लीला मैदान सीखड़ चुनार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के तृतीय अभियान के उपलक्ष्य में विराट हिंदू सम्मेलन सम्पन्न हुआ। इस दौरान सभी ने हिंदुओं को संगठित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत हवन पूजन व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि सुमेरु पीठ के पीठाधीश्वर परम् पूज्य शंकराचार्य श्री विभूषित नरेंद्रानंद सरस्वती महाराज जी ने श्रीमुख से विभूषित किया । साथ में हिन्दू समाज को सोना के बजाय लोहा पास रखे,तथा बहनों एवं माताओं के पास विधर्मियों से बचने के लिए 10 रुपए का चाकू रखने पर जोर दिया साथ में कृषि विज्ञान केन्द्र, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने समाज परिवर्तन पर विचार रखे। उन्होंने लोगों से पर्यावरण की रक्षा करने, अधिक से अधिक पेड़ लगाने, पानी बचाने और प्लास्टिक का उपयोग बंद करने की अपील की। साथ ही गौ माता की सुरक्षा के लिए पॉलिथीन का पूरी तरह त्याग करने पर जोर दिया।वर्तमान समय में पंच परिवर्तन अभियान–सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जागरण और नागरिक कर्त्तव्य–पर विशेष बल दिया जा रहा है। शताब्दी वर्ष पर लिए पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। शताब्दी वर्ष में वृक्षारोपण जैसे प्रयास समाज और प्रकृति दोनों के लिए स्थायी प्रयास हो। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता काशी विद्यापीठ के प्रो0 डॉ.राकेश जी (सह प्रांत कार्यवाह काशी प्रांत), विशिष्ट अतिथि श्वेत निशा,डोमराजा ज्योतिष राज जी,कार्यक्रम के अध्यक्ष योगेंद्र चौबे, कार्यक्रम संयोजक महेंद्र प्रसाद जी, सह विभाग कार्यवाह राम बालक जी,जिला प्रचारक आलोक जी, धर्मनारायण जी,पारस नाथ जी,चंद्रशेखर जी,मार्कण्डेय जी,विश्वजीत जी,कथा वाचक आशुतोष जी महाराज,प्रकाश जी, आशीष पाठक जी, आलोक शुक्ला जी, शिवम् जी, संजय जी, दिलीप जी,गौतम, अंकित, हिमांशु, विजय सिंह, खण्ड कार्यवाह अश्विनी जी इत्यादि विभिन्न दायित्व धारी कार्यकर्ता तथा हजारों हिन्दू समाज की सज्जन शक्ति की उपस्थिति रही।

सुशासन सप्ताहः ग्रामीणों को दी गई योजनाओं की जानकारी

● योजनाओं को अंतिम पंक्ति तक पहुंचाना शासन का लक्ष्यः सुनील

सरायजगदीश महुआरी कुलमनपुर व किशुनदेवपुर गांव से उमड़े ग्रामीण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जंगीगंज । सुशासन सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को डीघ विकास खण्ड की ग्राम पंचायत सरायजगदीश में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

मुख्य अतिथि के तौर पर स्थानीय ग्रामीण व भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील मिश्र ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य योजनाओं को अंतिम पंक्ति तक पहुंचाना तथा पात्र लाभार्थियों को समय से लाभ दिलाना है। कहा केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन की भाजपा सरकार जनता के द्वार तक पहुँच रही है। हर तरह की विकास व लाभार्थीपरक योजना के प्रति सभी को जागरूक किया जा रहा है। भाजपा सरकार की मंशा 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का है। यह उसी की एक छोटी सी झलक है।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत अधिकारी संजय सिंह चौहान ने ग्रामीणों को स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), शौचालय निर्माण, ग्राम पंचायत की विकास योजनाएं, पेंशन योजनाएं एवं जनहित से जुड़ी अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक अभिलेख समय से पूर्ण कराएं तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर ग्राम पंचायत अथवा विकास खण्ड कार्यालय से संपर्क करें। इस दौरान कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, फसल बीमा योजना, उन्नत बीज, उर्वरक एवं आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने किसानों से योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान सरायजगदीश उपासना ने की। इस दौरान ग्राम प्रधान किशुनदेवपुर छविनाथ यादव छब्बू, ग्राम प्रधान महुआरी रमेश मिश्र,अनुराग मौर्य, मीरा देवी रेनू यादव, माता प्रसाद ज्योति अग्रहरि सुनीता देवी, रन्नो देवी दरक्सा बेगम मंजू शर्मा राधिका मौर्य लक्ष्मी मौर्या मालती मौर्या समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अटल बिहारी के जन्म शताब्दी समापन पर भाषण व काव्य पाठ प्रतियोगिता सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के समापन समारोह के अवसर पर सोमवार को काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जनपद स्तरीय भाषण एवं एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता का विषय 'भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी के सुशासन का महत्व' रहा, जिसमें जनपद के पांच महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बीए तृतीय सेमेस्टर के छात्र रंजीत कुमार यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रामदेव पीजी कॉलेज की एमए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा वैशाली अग्रहरि द्वितीय तथा बीएड की छात्रा उपासना जायसवाल तृतीय स्थान पर रहीं। निर्णायक मंडल में केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय की डॉ. सुचिता वर्मा, काशी नरेश महाविद्यालय की डॉ. अंशुबाला तथा रामदेव पीजी कॉलेज के डॉ. संजय कुमार मिश्रा शामिल रहे। एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय, औराई की बीएससी प्रथम सेमेस्टर की छात्रा आंचल पांडे ने प्रथम स्थान हासिल किया। काशी नरेश महाविद्यालय के बीए तृतीय सेमेस्टर के छात्र आशीष मणि द्वितीय तथा बीएससी पंचम सेमेस्टर की छात्रा नेहा दुबे तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. सूर्यनाथ खरवार, डॉ. निखिल कुमार सिंह तथा डॉ. भानु प्रताप सिंह शामिल रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रमेश चंद्र यादव ने किया। प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. बालकेश्वर ने प्रतिभागियों को विषयवस्तु एवं नियमों से अवगत कराया। समापन अवसर पर संयोजक डॉ. आशुतोष कुमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, निर्णायकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला जज, एसपी, एडीएम द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण पश्चात वितरित किया गया कंबल व ईनर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही– जिला कारागार का मासिक निरीक्षण जिला जज अखिलेश दुबे,पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक व अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य द्वारा किया गया। जिला कारागार, ज्ञानपुर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में जेपी हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ रत्नेश पाण्डेय की पहल पर सिस्को के प्रबंध निदेशक आशुतोष तिवारी भदोही द्वारा 100 कैदियों को निःशुल्क कंबल एवं इनर का वितरण किया गया। इनका वितरण जिला जज अखिलेश दुबे, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक,सीजेएम आनंद मिश्रा, व अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य द्वारा किया गया। इस पहल का नेतृत्व जेपी हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ. रत्नेश पाण्डेय की प्रेरणा पर सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था सिस्को के प्रबंध निदेशक आशुतोष तिवारी द्वारा किया गया, जिन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जेल में बंद बंदियों को ठंड से सुरक्षित रखने के लिए किया गया। यह केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि एक नैतिक कर्तव्य भी है। जिले के जंगीगंज में स्थित जेपी हॉस्पिटल हमेशा से जनहित में कार्य करता आ रहा है। इससे पूर्व अस्पताल द्वारा महिलाओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड का वितरण,जिला जेल में चश्मे का वितरण, भारत सरकार के 'टीबी मुक्त भारत' अभियान में सक्रिय सहभागिता की जा चुकी है। जिला कारागार अधीक्षक अभिषेक सिंह व अन्य की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सिलापथार में असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद का प्रदर्शन, असम के मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी । लोक निर्माण विभाग के सिलापथार डिवीजन के तहत चिचिबरगांव राजशाही सर्कल के तहत कई सड़कों और पुलों के निर्माण में व्यापक भ्रष्टाचार के आरोप में आज दुपहर को असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद ने सिलापथार स्टेशन रोड स्थित लोकनिर्माण विभाग के कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया है। गाई नदी पर करोड़ रुपये की लागत से पुल का निर्माण किया जा रहा है। निर्माण के दौरान दो गार्डरेल गिर गए। विभिन्न समूहों और संगठनों के विरोध के बावजूद विभागीय अधिकारियों ने निर्माण कंपनी शिवम के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। एजेवाईसीपी ने आरोप लगाया है कि निर्माण कंपनी और लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता के बीच गुप्त मिलीभगत है। पुल निर्माण कंपनी शिवम कंस्ट्रक्शन को अनियमितताओं के लिए ब्लैकलिस्ट किया जाना चाहिए, पुकिया से सिलापथार को जोड़ने वाली जर्जर सड़क का निर्माण किया जाना चाहिए, अकाजन से लिकाबाली को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण जल्द किया जाना चाहिए, चिचिबारगांव-अमगुरी सड़क के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया जाना की मांग लेकर प्रदर्शन कर प्रदर्शनकारियों ने उपरोक्त मांगों वाले असम के मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भेजा।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय संविधान में महिलाओं के अधिकार विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

नैनी, प्रयागराज । हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सोमवार को मिशन शक्ति अभियान फेस 5 एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो मंजूलता की अध्यक्षता में ,भारत का संविधान एवं महिलाओं के अधिकार विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। इस प्रतियोगिता में नितिन मिश्रा एम ए थर्ड सेमेस्टर, कुमारी साधना एमए थर्ड सेमेस्टर, मंतशा एमए थर्ड सेमस्टर, क्रमशः प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त किया । महाविद्यालय की एसिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अंजना और डॉ मीनाक्षी राठौड़ , निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रही। इस आयोजन में मिशन शक्ति फेस 5 की प्रभारी डॉ हेमलता,मिशन शक्ति फेस 5 की सह संयोजक डॉ भावना सिंह ,हिंदी विभाग की प्रभारी सविता श्रीवास्तव, डॉ ऋषि प्रताप सिंह, एवं डॉ राजेश यादव,वाणिज्य विभाग के प्रभारी प्रोफेसर ओम प्रकाश आदि शिक्षक एंड कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

महिला की मौत के बाद तीन संदिग्धों को हिरासत में लेने के बाद पुलिस ने छोड़ा

प्रयागराज। यमुनापार तहसील बारा क्षेत्र में गौहनिया चौकी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत टिकरी में वृद्धा की संदिग्ध मौत के मामले में रविवार को एक नया मोड़ आ गया है।मायके पक्ष से भाई अम्बिका पाल की तहरीर पर नामजद तीन आरोपियों को घूरपुर पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद जांच में ठोस सबूतों के अभाव की बात कहकर छोड़ दिया। पुलिस का कहना है कि फिलहाल आरोपों की पुष्टि के लिए ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं, जांच जारी है। कल ग्राम सभा टिकरी गांव निवासी अमरावती उर्फ लीलावती (61वर्ष) का शव फंदे से लटका पाया गया था। घटना के बाद मृतका के भाई निवासी बगबना ने पति समरजीत समेत ससुराल वालों पर लगातार शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ना करने का आरोप लगाया है। तहरीर पर पति समरजीत समेत शिवशंकर व ममता को हिरासत में लिया था। जिसमें पूछताछ और प्राथमिक जांच के बाद तीनों को छोड़ दिया गया। इस सम्बन्ध में एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान ने बताया कि जांच के दौरान आरोपियों के खिलाफ फिलहाल ठोस सबूत नहीं मिले हैं, जिससे उन्हें छोड़ दिया गया। पीएम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। जांच में आरोप सही पाए जाएंगे तो पुनः गिरफ्तारी की जाएगी।फिलहाल, मामले की निष्पक्ष जांच पड़ताल कराई जा रही है, किसी भी दशा में दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

साहू कल्याण समिति यमुनापार की बैठक आयोजित

नैनी, प्रयागराज। देश की आज़ादी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अतुलनीय योगदान रहा है। वे आज भी देश की जनता के दिलों में बसे हुए हैं। ऐसे में मनरेगा से उनका नाम हटाया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। यह बातें साहू कल्याण समिति यमुनापार नैनी की सण्डवा कला में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए समिति के वरिष्ठ संरक्षक ओम प्रकाश साहू ने कहीं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण जनता को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तत्कालीन सरकार ने महात्मा गांधी के नाम पर मनरेगा विधेयक लागू किया था। जिससे ग्रामीणों को व्यापक लाभ मिला। वर्तमान सरकार द्वारा मनरेगा से गांधी जी का नाम हटाना समझ से परे है। हालांकि ग्रामीण रोजगार के दिनों को 100 से बढ़ाकर 125 किए जाने का स्वागत किया जाना चाहिए लेकिन किसी महापुरुष के नाम पर राजनीति करना उचित नहीं है।बैठक की अध्यक्षता दया शंकर गुप्ता ने की जबकि संचालन समिति अध्यक्ष राम सागर गुप्ता ने किया।बैठक में दुर्गा प्रसाद गुप्ता, रविंद्र कुमार गुप्ता, डॉ. धीरज साहू, हरीश चंद्र साहू, अजीत साहू, श्याम देव गुप्ता, सुधीर गुप्ता, सच्चिदानंद गुप्ता, जंग बहादुर साहू, राजीव साहू, अमृत लाल साहू, के. पी. गुप्ता, भोला नाथ सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

जिलाधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

●सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि सूची का अवलोकन स्वयं एवं अपने बीएलए के माध्यम से करते हुए विसंगति हो, तो उसे दूर कराये।

अपात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में न हो सम्मिलित-जिलाधिकारी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज- जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अन्तर्गत हो रहे एएसडी मतदाताओं के पुर्नसत्यापन व मैपिंग के कार्यो की प्रगति एवं गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि बीएलओ के द्वारा बनायी गयी मतदाताओं की एएसडी लिस्ट को आप सभी लोगो के साथ साझा किया गया है, यदि कोई व्यक्ति गलती से एएसडी लिस्ट में सम्मिलित हो गया है, तो उसे अभी 26 दिसम्बर तक रोलबैक कराया जा सकता है अन्यथा सम्बंधित मतदाता का नाम ड्राफ्ट प्रकाशन की लिस्ट में सम्मिलित नहीं होगा। अतः आपसे अनुरोध है कि आपके द्वारा नियुक्त बीएलए पूरे डेडीकेशन के साथ लग कर बीएलओ का सहयोग करें, जिससे कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाये।

जिलाधिकारी ने बताया कि बीएलओ के द्वारा मृतक, पूर्ण रूप से स्थानातरित, डुप्लीकेट/आल रेडी इनरोल्ड, अनुपस्थित एवं अन्य मतदाताओं को चिन्हित कर बनायी गयी एएसडी लिस्ट को आप सभी राजनैतिक दलों के द्वारा नियुक्त बीएलए के साथ साझा किया गया है और सभी बूथों पर चस्पा भी कराया गया है और एएसडी मतदाताओं की मतदेय स्थलवार सर्चेबल फार्मेट पर तैयार की गयी लिस्ट को जनपद प्रयागराज की वेबसाइट- ीजजचेरूध्ध्चतंलंहतंरण्दपबण्पद पर अपलोड भी किया गया है, जिसपर जनसामान्य अपना नाम एएसडी सूची में देख सकते है, यदि किसी व्यक्ति का नाम बीएलओ के द्वारा एएसडी लिस्ट में गलत चिन्हित कर लिया गया है, तो वह अपना नाम सम्बंधित बीएलओ अथवा ईआरओ से सम्पर्क कर रोलबैक करा सकता है। जिलाधिकारी ने बैठक में बताया कि अभी एएसडी वोटर्स पर विशेष फोकस कर उन्हें ढूढंने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अनुरोध है कि अपने-अपने बूथों पर जाकर अपना नाम एएसडी लिस्ट में चेक कर लें, यदि किसी गलती से उनका नाम एएसडी लिस्ट में सम्मिलित हो गया है, तो वह अपना नाम रोलबैक करा ले। बताया कि कुल 30,31,144 (86.15 प्रतिशत) मतदाताओं का डिजिटाइजेशन के अनुसार मैपिंग का कार्य दिनांक 22 दिसम्बर के अपरान्हन 02:00 बजे तक पूर्ण कर लिया गया है।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के ई0सी0आई0 नेट पोर्टल पर एएसडी श्रेणी के मतदाताओं की हिन्दी अनुवादित सूची पूर्ण विवरण सहित डाउनलोड करने हेतु आप्शन उपलब्ध करा दिया गया है। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से सूची का अवलोकन स्वयं एवं अपने बीएलए के माध्यम से करवाने के लिए कहा है, जिससे कि कोई विसंगति पायी जाती है, तो तत्काल सक्षम अधिकारी को अवगत कराते हुए उसे सही कराया जा सके। जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि बीएलओ के पास फार्म-6 उपलब्ध करा दिए गए है, जिन लोगो ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर लिया है, लेकिन अभी तक उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं है या ऐसे लोग जो अर्हता तिथि 01.01.2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे है या ऐसे मतदाता जो पूर्व में मतदाता थे, लेकिन किन्हीं कारणों से मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है, तो वह सभी फार्म-6 भरकर जमा कर सकते है, ऐसे सभी मतदाताओं का नाम 28 फरवरी, 2026 के फाइनल ड्राफ्ट रोल में आ जायेगा। नए वोटर्स बनाये जाने का अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से इस अभियान में सहयोग करने के लिए एवं बीएलओ से सम्पर्क कर फार्म-6 अनुलग्नक-4 सहित घोषणापत्र के साथ बीएलओ को उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया।

जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट को और अधिक सक्रिय करने और व सम्बंधित बीएलओ से एएसडी लिस्ट को अवश्य रिसीव कर लें और लिस्ट का अवलोकन कर लिस्ट में सम्मिलित लोगो को टेऊस करने में बीएलओ को अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि वे सभी एएसडी लिस्ट में चिन्हित मतदाताओं का सर्वे कराकर अपने स्तर से भी पुष्टि अवश्य कर लें, यदि किसी भी मतदाता का एएसडी लिस्ट में गलत अंकन हो गया है, तो उसका रोलबैक अवश्य करा लें। कोई भी पात्र मतदाता एएसडी लिस्ट में सम्मिलित न रहे। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी पूजा मिश्रा, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण एवं निर्वाचन से सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनपद न्यायाधीश एवं जिलाधिकारी ने केन्द्रीय कारागार व जिला कारागार, नैनी का किया निरीक्षण

● जनपद न्यायाधीश ने बंदियों से बातचीत करते हुए व्यवस्थाओं के बारे में ली जानकारी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज- जनपद न्यायाधीश सत्य प्रकाश त्रिपाठी, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा शनिवार को केन्द्रीय कारागार व जिला कारागार, नैनी का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर डीसीपी यमुनानगर विवेक कुमार, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिनेश कुमार गौतम, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तृषा मिश्रा, जेलर केंद्रीय कारागार प्रवेश कश्यप व जिला कारागार

श्री डॉ आलोक, वरिष्ठ जेल अधीक्षक विजय विक्रम सिंह, वरिष्ठ जेल अधीक्षक जिला कारागार अमिता दूबे एवं अन्य संबंधित उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान केन्द्रीय कारागार में चिकित्सालय, रसोई घर का निरीक्षण करते हुए वहां पर आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला जज एवं जिलाधिकारी ने रसोई घर में बंदियों को दिए जाने वाले प्रतिदिन भोजन व नाश्ते का मीनू चार्ट के अनुसार जानकारी लेते हुए भोजन बनानेव्स्था को देखा तथा भोजनालय में कितने यों के लिए एवं कितनी मात्रा में किस प्रकार का भोजन उपलब्ध हो रहा है, की जानकारी लेते हुए खाने की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने चिकित्सा अधिकारी से चिकित्सालय में उपलब्ध व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। माननीय जनपद न्यायाधीश ने विचाराधीन कैदियों से बातचीत कर उनको प्राप्त हो रही लीगल सर्विसेज एवं उनके हिस्ट्री टिकट को देखते हुए सम्बंधित आपराधिक प्रकरण की जानकारी ली। उन्होंने बंदियों से बीमारी, खान-पान एवं साफ-सफाई की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। माननीय जनपद न्यायाधीश के द्वारा कारागार परिसर में पेड़-पौधे लगाए जाने हेतु दिशा निर्देश प्रदान करते हुए गार्डेनिंग, साफ-सफाई, खाने की गुणवत्ता , मेडिटेशन व योग हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

राष्ट्रसेवा की तैयारी - एन.सी.सी. शिविर अपने लक्ष्य की ओर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज । 15 यूपी बटालियन एन.सी.सी., प्रयागराज के नेतृत्व में सैनिक पी.जी. कॉलेज, मई, देवकली, हनुमानगंज, प्रयागराज के प्रांगण में संचालित 12 दिवसीय विशेष संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का दसवाँ दिवस प्रशिक्षण की परिपक्वता, सामाजिक जागरूकता और अनुशासित समापन की ओर बढ़ते कदमों का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा। इस दिन राज्य आपदा मोचन बल, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदान किए जा रहे आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण का विधिवत समापन हुआ। युवा आपदा मित्र योजना के अंतर्गत राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा में समस्त कैडेट्स ने पूर्ण निष्ठा एवं अनुशासन के साथ सहभागिता की। परीक्षा का संचालन डिप्टी कैम्प कमांडेंट मेजर संतोष जायसवाल की देखरेख में सम्पन्न हुआ तथा परीक्षा प्रक्रिया का निरीक्षण ए.एन.ओ. मेजर विमल कुमार उत्तम, कैप्टन मनोज कुमार सिंह एवं लेफ्टिनेंट (डॉ.) कृपा शंकर यादव द्वारा किया गया।

परीक्षा उपरांत राज्य आपदा मोचन बल, उत्तर प्रदेश के प्लाटून कमांडर रजनीकांत तिवारी के प्रेरणादायी योगदान के लिए कैम्प कमांडेंट कर्नल राहुल दुबे द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में समर्पित सेवा का प्रतीक रहा। इसी क्रम में शिविर में मेदांता हॉस्पिटल, लखनऊ की विशेषज्ञ टीम द्वारा ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से सभी गर्ल्स कैडेट्स को ब्रेस्ट कैंसर की प्रारंभिक पहचान, संभावित कारणों, बचाव के उपायों, परीक्षण की विधियों तथा समय पर उपचार के महत्व के विषय में विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संचालन ए.एन.ओ. कैप्टन रेखा सिंह एवं जी.सी.आई. नीति सिंह के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मेदांता टीम को भी कैम्प कमांडेंट द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर के सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं प्रभावी संचालन में सैनिक ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन श्री संतोष यादव 'आर्मी' का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा।

भव्य वंदे मातरम यात्रा निकाली गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज । नैनी क्षेत्र के मामा-भांजा बाजार में वंदे मातरम यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यह यात्रा मामा-भांजा व्यापार मंडल और स्थानीय निवासियों के संयुक्त देखरेख में निकाली गई, जिसमें सैकड़ों लोगों और वाहनों का काफिला शामिल रहा। यात्रा के दौरान डॉ. उदय प्रताप सिंह का जोरदार स्वागत किया गया। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर मामा-भांजा बाजार में व्यापारियों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बड़ी संख्या में लोग उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए। डॉ. उदय प्रताप सिंह के सम्मान में बाजार में स्वागत समारोह

आयोजित किया गया, जहां व्यापारियों ने एकजुट होकर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद वंदे मातरम यात्रा का शुभारंभ हुआ।यात्रा मामा-भांजा बाजार चौराहे से शुरू होकर न्यू यमुना पुल तक निकाली गई। सैकड़ों कारों के काफिले के साथ निकली इस यात्रा को देखकर लोग दंग रह गए। यात्रा में आगे-आगे मां भारती के चित्र के साथ प्रतिभागी चलते रहे और एक स्वर में 'वंदे मातरम' के नारे लगाते रहे, जिससे पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंग गया।

यात्रा के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस की ओर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।इस अवसर पर मामा-भांजा व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनुग्रह शंकर चौरसिया, रोहित दुबे (लाठियाई मार्केट),पार्षद राकेश जायसवाल, अरविंद मिश्रा, राहुल कुमार तिवारी, बबलू विश्वकर्मा, राजेश तिवारी, दीपक जायसवाल, विनीत साहू सहित मामा-भांजा बाजार के समस्त व्यापारी मौजूद रहे।

हॉस्पिटल की चमक नहीं डॉक्टर का अनुभव बचाता है जीवन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

डॉ. प्रभाकर सिंह

शंकरगढ़(प्रयागराज)। जब किसी परिवार की उम्मीदें एक मरीज की सांसों से जुड़ जाती हैं, तब केवल दवाइयों से नहीं बल्कि डॉक्टर के अनुभव, धैर्य और निर्णय क्षमता से जीवन बचता है । आज के समय में जहां इलाज एक महंगे कारोबार में बदलता जा रहा है, वहीं कुछ डॉक्टर ऐसे भी हैं जो अब भी सेवा को प्राथमिकता मानते हैं । शंकरगढ़ नारीबारी रोड स्थित प्रज्ञा हॉस्पिटल में वर्षो से मरीजों की सेवा कर रहे डॉ. प्रभाकर सिंह ऐसे ही चिकित्सकों में शामिल हैं । बीस वर्षो के अनुभव के साथ वह गंभीर से गंभीर रोगियों का उपचार कर रहे हैं । 19 - 20 वर्षो से संचालित 30 बेड का यह पंजीकृत अस्पताल आज क्षेत्र में भरोसे का केंद्र बन चुका है। प्रज्ञा हॉस्पिटल

की प्रबंधक डॉ. प्रभाकर सिंह ने इलाज से जुड़े कई अहम पहलुओं पर खुलकर बात की ।

डॉ. प्रभाकर सिंह ने कहा कि सही इलाज की शुरुआत मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री से होती है । पहले कौन सी बीमारी रही, क्या दवाएं चल रही हैं, पहले कहां इलाज हुआ, यह सब जानना जरूरी होता है । बिना पूरी जानकारी के इलाज अधूरा और कई बार नुकसानदेह भी हो सकता है । उन्होंने बताया कि प्रज्ञा हॉस्पिटल एक ऐसा स्पेशलिटी अस्पताल है, जहां नॉर्मल डिलीवरी, सिजेरियन डिलीवरी, हाइड्रोसील , त्वचा, तंत्रिका, मूत्र, पैथालोजी और जनरल मेडिसिन से जुड़ी लगभग सभी बीमारियों का इलाज किया जाता है । जरूरत पड़ने पर सर्जरी और आगे का इलाज बड़े केंद्रों पर समन्वय से कराया जाता है और मरीज की पूरी निगरानी भी रखी जाती है । डॉ. प्रभाकर सिंह कहा की लगभग बीस वर्षो के अनुभव में मैंने यही सीखा है कि इलाज मशीनों से नहीं, सही समय पर सही निर्णय से होता है । हर मरीज मेरे लिए जिम्मेदारी होता है । अस्पताल की भव्यता से नहीं, डॉक्टर की विशेषज्ञता और अनुभव से होता है । दिखावे में न जाएं, सही डॉक्टर चुनें । कम खर्च में भी बेहतर इलाज संभव है।

साहिब गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादो की बदौलत भारतीय संस्कृति जीवित है- संजय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी,प्रयागराज । भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्याय सरदार पतविंदर सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ 'सिख शहीदी सप्ताह' के यादगार पखवाड़े में नैनी स्थित नंदन तालाब में बच्चों,सामाजिक कार्यकर्ताओं,मातृशक्ति के साथ साहिब श्री गुरु गोविंद सिंह जी के परिवार को याद करते हुए कहा कि आज के दिन साहिब श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज जी के दोनों बड़े साहिब जादे साहिबजादा बाबा अजीत सिंह जी एवं साहिबजादा बाबा जुझार सिंह जी चमकौर की गढ़ी में 1000000 मुगल फौजो से लड़ते हुए शहीद हो गए थे। पार्षद मयंक यादव ने कहा कि पूरे ब्रह्मांड में किसी

भी युग में इस प्रकार की शहादत का कोई अन्य उदाहरण नहीं मिलता है, क्योंकि यह जंग जर जोरू जमीन के लिए नहीं लड़ी गई थी।

पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव ने कहा कि वरन हिंदू धर्म की अस्मिता एवं देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ी गई थी।साहिबजादा अजीत सिंह जी जोकि मात्र साडे 17 वर्ष की अवस्था के थे, उन पर हजारों बार हुए थे एवं 392 घाव उनके शरीर पर थे, इस प्रकार बाबा जुझार सिंह जी की आयु मात्र 14 वर्ष की थी और जिस वीरता से वह लड़े, ऐसा पूर्व में किसी भी युद्ध के विषय में उल्लेख नहीं मिलता है । इन चार महान साहिबजादो ने इस भारतवर्ष के लिए अपने जीवन को बलिदान कर दिया । हम एहसान फरामोश उन्हें स्मरण तक नहीं करते, जिनकी वजह से यह देश, यह संस्कृति जीवित है। वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह इस अवसर संजय श्रीवास्तव, पार्षद मयंक यादव,सरदार पतविंदर सिंह, अभिषेक विश्वकर्मा, अभिषेक श्रीवास्तव, अनुज पांडे, शिव शर्मा, मन्नत मिश्रा, मनु पांडे, वर्तिका यादव, नीरज शर्मा, उमेश सेन,नित्यानंद मिश्रा, बाबूजी यादव, राजकुमार मिश्रा सहित कई स्वयंसेवक उपस्थित हुए।

फर्जी रियल एस्टेट सिंडिकेट का पर्दाफाश करोड़ों की ठगी का मास्टरमाइंड ए.पी. सिंह गिरफ्तार, जेल भेजा गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में फर्जी रियल एस्टेट प्रोजेक्ट के नाम पर सुनियोजित तरीके से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले संगठित गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस हाई-प्रोफाइल घोटाले में मुख्य आरोपी और मास्टरमाइंड बताए जा रहे ए.पी. सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जांच में सामने आया है कि आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर आकर्षक ब्रोशर, फर्जी वेबसाइट, नकली रजिस्ट्रेशन और कूटरचित दस्तावेजों के जरिए आम लोगों को जाल में फंसाया। सस्ती दरों पर प्लॉट और जल्द रजिस्ट्री का लालच देकर दर्जनों निवेशकों से लाखों-करोड़ों रुपये वसूले गए। बाद में न तो जमीन मौके पर मिली और न ही किसी सरकारी विभाग से प्रोजेक्ट की कोई स्वीकृति पाई गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ए.पी. सिंह पूरे नेटवर्क को नियंत्रित कर रहा था। निवेश की रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर सबूत मिटाने की भी कोशिश की गई। शिकायत बढ़ने पर आरोपी फरार होने की फिराक में था, लेकिन समय रहते पुलिस ने उसे दबोच लिया। इस मामले में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक

षड्यंत्र और विश्वासघात जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों, फर्जी दस्तावेज तैयार करने वालों और आर्थिक लेन-देन की कड़ियों की गहन जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ठगी की कुल राशि और पीड़ितों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। लोगों से अपील की गई है कि यदि वे इस गिरोह के शिकार हुए हों तो सामने आकर शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही रियल एस्टेट में निवेश से पहले प्रोजेक्ट की वैधता और सरकारी स्वीकृतियों की पुष्टि करना बेहद जरूरी है।

पीड़ितों के बयान, एक पीड़ित निवेशक ने बताया

'हमने अपने बच्चों के भविष्य के लिए प्लॉट बुक कराया था। ए.पी. सिंह ने कहा था कि प्रोजेक्ट पूरी तरह वैध है। पैसे लेने के बाद न तो जमीन दिखाई गई और न ही रजिस्ट्री हुई। '

वहीं एक अन्य पीड़ित ने कहा

'आरोपी इतने आत्मविश्वास से बात करता था कि किसी को शक ही नहीं हुआ। अब पता चला कि दस्तावेज नकली थे। हमारी मेहनत की कमाई डूब गई। '

एक महिला निवेशक ने भावुक होते हुए कहा

'घर बनाने का सपना लेकर पैसे लगाए थे। आज हम कर्ज में डूब गए हैं और आरोपी आराम से घूम रहा था। '

जांच में बड़े खुलासे

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने नकली रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र, कूटरचित नक्शे और फर्जी स्वीकृतियों के सहारे लोगों को ठगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ए.पी. सिंह पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था और निवेश की रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर सबूत मिटाने की कोशिश की गई। आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि ठगी की रकम और पीड़ितों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति इस फर्जी रियल एस्टेट प्रोजेक्ट का शिकार हुआ है तो तुरंत आगे आकर शिकायत दर्ज कराए।

जमीनी विवाद में पति से अनबन होने पर महिला ने लगाई फांसी, मायके वाले भी शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज – तहसील बारा अंतर्गत घूरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत टिकरी गांव में लीलावती पाल (60वर्ष) पत्नी समरजीत पाल ने फांसी लगाकर अपनी जीवन-लीला समाप्त कर लिया। परिवार वालों ने मीडिया को बताया कि लीलावती और समरजीत पाल की कोई संतान नहीं थी।लीलावती के नाम लगभग चार बीघे जमीन थी,जिसे लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था।समरजीत पाल अपनी जमीन को अपने भतीजे शिवशंकर पाल को देना चाहते थे,क्योंकि शिवशंकर और

उनकी बहू ममता उनकी देखभाल करते थे।वहीं लीलावती अपनी जमीन को अपने सगे भाइयों और भतीजों के नाम करना चाहती थी। शिवशंकर पाल के परिवार के अनुसार, लीलावती अधिकतर अपने मायके बगबना गांव में ही रहती थी।वह घटना से 5 दिन पहले ही मायके से टिकरी गांव लौटी थी,और उन्होंने आज अपने कमरे में फांसी लगा ली।घटना के समय समरजीत पाल दूसरे घर में थे,और शिवशंकर पाल अपनी बैंक शाखा में काम कर रहे थे।परिवार ने यह भी आरोप लगाया, कि लीलावती के मायके बगबना से आए कुछ लोगों ने एक बुजुर्ग को लाठी डंडों से पीट दिया है। शिवशंकर पाल के परिवार ने पुलिस प्रशासन और उच्च अधिकारियों सहित योगी सरकार से भी न्याय की गुहार लगाई है।इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घूरपुर पुलिस को सूचना दी। जानकारी होने पर थाना प्रभारी घूरपुर, चौकी इंचार्ज गौहनिया भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, और जांच पड़ताल में जुट गए।

संक्षिप्त खबरें

निम्न स्तरीय बोल्डर आधारित पक्की नाली का घटिया निर्माण किए जाने पर ग्रामीणों ने जताई गहरी नाराजगी

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड :- जन प्रतिनिधियों एवं सरकारी पदाधिकारियों द्वारा सरकारी योजनाओं में गुणवत्ता से समझौता नहीं करने की गंभीर चेतावनी के बावजूद पाकुड़िया प्रखंड के बीच पहाड़ी पंचायत अंतर्गत पंचायत मुख्यालय बीच पहाड़ी ग्राम स्थित बीच पहाड़ी-हाकीमपुर आरईओ सड़क के निकट निम्न स्तरीय बोल्डर से निर्माण की जा रही पक्की नाली पर ग्रामीणों ने गहरी नाराजगी जताते हुए उच्चाधिकारियों से स्थल जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि बड़ी राशि की लागत से निर्माण की जा रही उक्त पक्की नाली में स्थानीय निम्न स्तरीय लाल बोल्डर से 8 भाग मसाला से जोड़ाई की जा रही है और फ्लोर की ढलाई मात्र एक इंच हाफ साइज चिप्स से की गई है। पूछने पर ग्रामीणों ने स्पष्ट रूप से कहा कि एक इंच की ढलाई हाफ इंच साइज स्टोन मेटल से करने के बाद भी बोल्डर जोड़ाई करते हुए ढलाई पर मसाला नहीं दिया गया। योजना स्थल पर बोर्ड नहीं लगाए जाने से यह स्पष्ट नहीं हो सका कि निर्माण की जा रही पक्की नाली किस योजना मद से है। इस पंचायत के मुखिया तथा ब्लॉक के सहायक अभियंता से पूछने पर उन्होंने कहा कि उक्त नाली पंचायत की किसी निधि से निर्माण नहीं किया जा रहा है। वहीं स्थानीय लोगों का मानना है कि संभवतः उक्त पक्की नाली जिला परिषद, आरईओ तथा डीएमएफटी मद की हो सकती है और संवेदक ने टेंडर डालकर कार्य लिया होगा। बहरहाल उक्त बोल्डर आधारित पक्की नाली जिस भी मद से निर्माण हो रही हो वह सरकारी योजना ही है। ऐसी घटिया पक्की नाली निर्माण की स्थलीय जांच कर आवश्यक कार्रवाई किया जाना जनहित में होगा।

खनन टास्क फोर्स की बैठक संपन्न, अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई का निर्देश

हजारीबाग, झारखंडः- उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं इसके विरुद्ध संचालित अभियान की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने नवंबर माह में जिला स्तर पर अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध की गई कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने जिले के विभिन्न चेक पोस्टों की स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्हें सतत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाए रखने का निर्देश दिया। जिला खनन पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि नवंबर माह में अवैध खनन के विरुद्ध निम्न कार्रवाई की गई है। इस क्रम में दो मामलों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा 12 स्टोन चिप्स लदे वाहनों को जब्त किया गया है। इसके अतिरिक्त 27 कोयला लदे वाहनों एवं बालू-पत्थर लदे 12 वाहनों की जांच की गई। अवैध खनन सामग्री के परिवहन में संलिप्त वाहन संचालकों से कुल 4.39 लाख रुपये की राशि वसूली गई है। वहीं परिवहन विभाग द्वारा परिवहन नियमों के उल्लंघन के मामलों में दो वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 67 हजार रुपये की वसूली की गई है। चार वाहनों पर तिरपाल नहीं रहने के कारण 6,39,500 रुपये तथा चार ओवरलोडेड वाहनों से कुल 1,97,650 रुपये का जुर्माना वसूला गया। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अवैध खनन के विरुद्ध नियमित छापेमारी अभियान चलाया जाए एवं दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिलेभर में जांच अभियान को और तेज करने का भी निर्देश दिया।

अतिक्रमण से आवागमन में दिक्कत

सिद्धार्थनगर। जिले के उसका बाजार कस्बा के विभिन्न वार्डों में अधिकांश लोग सड़क के किनारे स्थित नाली पर अतिक्रमण करके सीढ़ी आदि का निर्माण कर लिए है। इससे नाली की सफाई में दिक्कत होती है साथ ही लोगों को आवागमन में भी परेशानी हो रही है,वही अधिकांश तालाब , पोखरों पर भी अतिक्रमण करके कब्जा किया जा रहा है। नागरिकों का आरोप है की शिकायत के बाद भी जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है। नगर के लोगों ने प्रशासन से अतिक्रमण हटाने की मांग की है ।

राजनैतिक प्रतिस्पर्धा का सामना मोदी से नहीं कर पाने वाले चले हैं श्रीराम से टकराने : हिन्दु विचार मंच, पाकुड़िया इकाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्डः- भारत वर्ष की स्वतंत्रता के बाद से ही सनातन संस्कृति, सांस्कृतिक मूल्यों एवं धर्म विरोधी मुस्लिम आक्रांताओं और कट्टर पंथियों के समक्ष राष्ट्रीय स्वाभिमान से समझौता किया जाता रहा। इसके विपरीत राष्ट्रीय हित में भारत को विकसित व समृद्ध राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से कार्यरत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राजनैतिक प्रतिस्पर्धा में असफल रहे कांग्रेस पार्टी तथा लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, टीएमसी व आप के नेता संजय सिंह को जनता ने स्पष्ट रूप से नकार दिया है। इसके बावजूद उन्हें अपनी अस्वीकृति का भान नहीं हो रहा है। इतिहास साक्षी है कि सातवीं शताब्दी में भारत में शक्तिशाली केंद्रीय शासन के अभाव में मुस्लिम आक्रांताओं ने आक्रमण कर लूट-पाट की और सनातन समाज पर अत्याचार किए। देशी राजाओं के आपसी वैमनस्य तथा जयचंद, मानसिंह जैसे राष्ट्रद्रोहियों के कारण मुगलों को भारत आने का अवसर मिला। बाद में अंग्रेजों ने भी भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को क्षति पहुंचाई, किंतु भारत के वीर सपूतों ने संघर्ष कर देश को स्वतंत्र कराया।

स्वतंत्रता के पश्चात कांग्रेस सरकारों ने सनातन धर्म व संस्कृति की उपेक्षा करते हुए तुष्टिकरण की नीति अपनाई, जिससे देश की सामरिक प्रगति बाधित होती रही। पहली बार वर्ष 2014 में जनता ने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, राष्ट्रीय हितों एवं सुरक्षा के आधार पर भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत दिया। हालांकि संविधान, आरक्षण जैसे विषयों पर फैलाए गए दुष्प्रचार के कारण भाजपा को पुनः पूर्ण बहुमत नहीं मिला और एनडीए सरकार बनी, फिर भी सरकार मजबूती से देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है और भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्तियों में शामिल हो चुका है। इसके बावजूद इंडि गठबंधन के नेता भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने के लिए भारत विरोधी तत्वों को समर्थन देकर राष्ट्रीय प्रगति को अवरुद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस ने सनातनियों को जातियों में बांटकर कट्टर पंथियों का तुष्टिकरण किया, जिससे आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा मिला और जम्मू-कश्मीर में सनातन समाज को पलायन करना पड़ा।

देश के विभिन्न राज्यों में मजहब के नाम पर हिन्दू शोभा यात्राओं में व्यवधान, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी गतिविधियां सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा रही हैं। एक ओर संविधान की दुहाई दी जाती है, वहीं दूसरी ओर आचरण को मजहबी रंग दिया जाता है। बिहार में एक मुस्लिम महिला डॉक्टर को नियुक्ति पत्र देते समय बुर्का हटवाए जाने की घटना को लेकर विवाद खड़ा किया गया। झारखंड के मंत्री इरफान अंसारी ने इसे महिलाओं का अपमान बताते हुए महिला डॉक्टर को झारखंड में नौकरी देने की घोषणा की। इस विषय पर सांसद ओवैसी द्वारा भी मजहबी मानसिकता प्रदर्शित की गई। हिन्दु विचार मंच ने कहा कि यदि रोजगार देना ही उद्देश्य है तो झारखंड की किसी गरीब मुस्लिम बहन को डॉक्टर बनाकर अवसर दिया जाना चाहिए। सरकारी नियुक्ति प्रक्रिया में बुर्का पहनने का प्रश्न संविधान सम्मत नहीं है। मंच ने यह भी सवाल उठाया कि घुसपैठियों के समर्थन में बीएलओ को बांधकर रखने जैसे बयानों पर इंडि गठबंधन के नेता मौन क्यों हैं। मंच का कहना है कि बाबर जैसे आक्रांताओं और राष्ट्र विरोधी तत्वों को संरक्षण देना यदि धर्मनिरपेक्षता है, तो राम पर अमर्यादित टिप्पणी को संवैधानिक मूल्यों की रक्षा नहीं कहा जा सकता। राम की निंदा से उनकी प्रतिष्ठा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता, लेकिन ऐसे बयान देने वाले नेताओं की राजनीतिक साख समाप्त हो जाती है। इतिहास गवाह है कि आक्रांताओं का नाम मिट गया, जबकि सनातन संस्कृति सदैव जीवित रही। हिन्दु विचार मंच ने कहा कि भारत 1300 वर्षों की पराधीनता के बावजूद अपनी संस्कृति और धर्म पर अडिग रहा है और आगे भी रहेगा, क्योंकि मातृभूमि स्वर्ग से बढ़कर है और इसकी रक्षा का दायित्व सनातन समाज पर है। मंच ने जातीय विभाजन छोड़कर राष्ट्रीय एकता के सूत्र में बंधने का आह्वान किया। मंच ने यह भी कहा कि भारत सरकार ने पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों पर संयमित रुख अपनाया है, जबकि पड़ोसी देशों द्वारा भारत की संप्रभुता को चुनौती दी जाती रही है। बांग्लादेश में भारत विरोधी धमकियों और उसके बाद हिन्दुओं पर हुए अत्याचारों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। भारत की नीति शांति की रही है, लेकिन संप्रभुता पर आंच आने पर कठोर निर्णय लेना राष्ट्रीय कर्तव्य है।

आलोक कुमार दूबे के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने आर्चबिशप से की मुलाकात, क्रिसमस की दी बधाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची, झारखंडः- झारखंड प्रदेश कांग्रेस के महासचिव आलोक कुमार दूबे के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने आर्चबिशप श्री विंसेंट आइंद से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें क्रिसमस पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश कांग्रेस महासचिव डॉ. राजेश गुप्ता, शिल्पी कुमारी, पासवा की नगर अध्यक्ष डॉ. सुषमा केरकेट्टा,तोशी कुमारी अनिकेत कुमार, मानिक पाठक एवं रोशन लिंडा शामिल थे। मुलाकात के दौरान नेताओं ने क्रिसमस के संदेश–प्रेम, शांति, भाईचारे और मानवता–पर प्रकाश डालते हुए, समाज में सौहार्द और एकता को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। आर्चबिशप विंसेंट आइंद ने भी सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक समरसता और सेवा भावना के महत्व को रेखांकित किया। आर्चबिशप विंसेंट आइंद ने प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्रिसमस हमें प्रेम, करुणा, क्षमा और सेवा का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को नफरत नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, सद्भाव और मानवीय मूल्यों की सबसे अधिक आवश्यकता है। सभी वर्गों को मिलकर शांति और भाईचारे का वातावरण बनाए रखना चाहिए। इस मौके पर आलोक कुमार दूबे ने कहा कि क्रिसमस प्रेम, शांति और भाईचारे का पर्व है। आज देश और समाज को इन्हीं मूल्यों की सबसे अधिक आवश्यकता है, जिसे कांग्रेस हमेशा मजबूती से आगे बढ़ाती रही है। वही डॉ राजेश गुप्ता ने कहा कि क्रिसमस का संदेश सेवा, त्याग और मानवता का संदेश देता है। सभी धर्मों और वर्गों के बीच आपसी सम्मान और सौहार्द बनाए रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदैव सभी समुदायों के साथ मिलकर आपसी भाईचारे और संविधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

झामुमो ने खोली भाजपा की पोल, प्रेस वार्ता को बताया राजनीतिक हताशा का प्रतीक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, झारखंडः- लातेहार जिले की राजनीति में उस समय सरगर्मी तेज हो गई जब झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा हाल ही में आयोजित प्रेस वार्ता के आरोपों पर तीखा पलटवार किया। चंदवा के इंदिरा गांधी चौक स्थित पथ निर्माण विभाग के विश्राम गृह में आयोजित इस प्रेस वार्ता में झामुमो नेताओं ने भाजपा की बयानबाजी को भ्रामक, तथ्यविहीन और हताशा से प्रेरित बताया। झामुमो नेताओं ने स्पष्ट कहा कि पिछले दिनों रांची स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में हुए सदस्यता अभियान के बाद भाजपा में बेचैनी साफ देखी जा सकती है। गौरतलब है कि 13 दिसंबर को लातेहार जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव के नेतृत्व में 100 से अधिक प्रबुद्ध लोगों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की थी, जिनमें भाजपा से जुड़े कई पूर्व पदाधिकारी, शुभचिंतक और समर्थक शामिल थे। इसी के बाद भाजपा ने प्रेस वार्ता कर झामुमो पर कई आरोप लगाए थे। आज आयोजित झामुमो की प्रेस वार्ता में प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी के साथ पार्टी से हाल ही में जुड़े आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रवक्ता एवं युवा नेता सौरभ श्रीवास्तव ने मीडिया के सामने पार्टी का पक्ष मजबूती से रखा। उनके साथ जिला उपाध्यक्ष शीतमोहन मुंडा, युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अंकित कुमार तिवारी, चंदवा के उपप्रमुख अश्विनी कुमार मिश्रा सहित कई नए सदस्य एवं कार्यकर्ता मौजूद थे। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा द्वारा की गई प्रेस वार्ता उनकी राजनीतिक हताशा को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने अपने ही पूर्व पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को भाजपा का सदस्य मानने से इनकार कर दिया, जो न केवल हास्यास्पद है बल्कि जनता को भ्रमित करने का प्रयास भी है। उन्होंने तथ्यों के साथ कहा कि नितिन कुमार, जो वर्ष 2021 में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष थे, उन्हें भाजपा नेताओं ने 2019 में ही निष्कासित बताया, जो वास्तविकता से परे है। सौरभ ने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी आंतरिक टूट को छिपाने के लिए झामुमो पर निराधार आरोप लगा रही है। चंदवा के 15 पंचायत प्रतिनिधियों को बरगलाकर झामुमो की सदस्यता दिलाने के भाजपा के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि सशक्त और जनादेश से चुने गए जनप्रतिनिधि होते हैं, उन्हें बरगलाने की बात स्वयं में असंगत है। उन्होंने बताया कि सदस्यता ग्रहण करने के अगले ही दिन मैक्लुस्कीगंज रिसॉर्ट में आयोजित बैठक में आठ पंचायत प्रतिनिधियों ने झामुमो के सिद्धांतों पर काम करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

प्रेस वार्ता में यह भी कहा गया कि चंदवा प्रखंड और पूरे लातेहार जिले में कई गंभीर समस्याएं हैं, जिनमें आरओबी (रेल ओवरब्रिज) की समस्या प्रमुख है, लेकिन इस पर न तो विधायक और न ही सांसद गंभीरता दिखा रहे हैं। झामुमो नेताओं ने आरोप लगाया कि जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा अनावश्यक राजनीतिक बयानबाजी कर रही है।

भाजपा द्वारा राज्य सरकार पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को भी झामुमो ने सिरे से खारिज किया। सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा की प्रेस वार्ता में ऐसे लोग मौजूद थे जिन पर लोहा, बालू, पत्थर और कोयला से जुड़े गंभीर आरोप रहे हैं और कई मामलों में न्यायालय में सुनवाई लंबित है। ऐसे लोगों के साथ बैठकर सरकार पर आरोप लगाना भाजपा की नैतिक कमजोरी को उजागर करता है। इस मौके पर चंदवा के उपप्रमुख अश्विनी कुमार मिश्रा ने कहा कि झामुमो से जुड़े नए सदस्य क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और यही वजह है कि लोगों का झुकाव लगातार पार्टी की ओर बढ़ रहा है। वहीं जिला उपाध्यक्ष शीतमोहन मुंडा ने कहा कि झामुमो की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा घबराई हुई है, लेकिन जनता सब समझ रही है। युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अंकित तिवारी ने केंद्र सरकार पर छात्रवृत्ति जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि इन मुद्दों पर विधायक मौन रहते हैं, जबकि झामुमो पर बेवजह आरोप लगाए जाते हैं। प्रेस वार्ता के अंत में सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि व्यक्तिगत स्तर पर वे भाजपा नेताओं का सम्मान करते हैं, लेकिन पार्टी पर लगाए गए राजनीतिक आक्षेपों का जवाब तथ्यों के साथ दिया जाता रहेगा।

इस प्रेस वार्ता में झामुमो के चंदवा प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी जिला उपाध्यक्ष शीतमोहन मुंडा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अंकित तिवारी हाल ही में पार्टी के साथ जुड़े रोहित अग्रवाल नितिन कुमार मनीष कुमार उर्फ चांदो मोहम्मद सरफराज बबलू राही दारा सिंह देव ओझा माल्हन के मुखिया जतरु मुंडा गुलाम रब्बानी समेत कई नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता के बाद जिले में राजनीतिक हलचल और तेज हो गई है। आने वाले दिनों में लातेहार की राजनीति और अधिक गरमाने की संभावना जताई जा रही है।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसरिया में विशेष शिक्षक-अभिभावक बैठक हुई आयोजित

●बोर्ड परीक्षा की तैयारी व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर हुई विस्तृत चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- चौपारण प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसरिया में बीते सोमवार को विशेष शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का नेतृत्व विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेश प्रसाद ने जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता बसरिया पंचायत की मुखिया मंजू देवी ने किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन वरीय शिक्षक मुकेश कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का स्वागत विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पिंटू सोनी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को भावपूर्ण बनाया गया, जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना किया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक सुरेश प्रसाद ने शिक्षक-अभिभावक समन्वय की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आगामी बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के बेहतर एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु छात्रों की नियमित उपस्थिति, अनुशासन, अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी तथा शिक्षकों के सहयोग को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षक और अभिभावक के संयुक्त प्रयास से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है।

वहीं बैठक की अध्यक्षता कर रहीं मुखिया मंजू देवी ने शिक्षक-अभिभावक बैठक को शिक्षा व्यवस्था की मजबूत कड़ी बताया। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों की पढ़ाई के प्रति सजग रहें और विद्यालय के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखें, तभी बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो सकेगा। इस अवसर पर प्रबंधन समिति अध्यक्ष पिंटू सोनी ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय के विकास में उनका सहयोग सराहनीय है और वे सभी धन्यवाद के पात्र हैं। कार्यक्रम के अंत में मुखिया मंजू देवी, प्रबंधन समिति अध्यक्ष पिंटू सोनी एवं समिति के सदस्यों द्वारा विद्यालय में सेवा दे रहे शिक्षकों तथा पाक सहायिका कर्मियों को उनके बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया। वही एक साल में अनुशासित बच्चों और प्रतिभावान बच्चों को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर उनका हौसला बढ़ाया। बैठक में विद्यालय के शिक्षक भुनेश्वर साव, मो हुसैन , मुकेश कुमार, वकील साव , दिनेश शर्मा शिक्षिका सरिता सुमन सहित सभी शिक्षकगण और अभिभावक मे वार्ड कविता देवी,ज्योति देवी, गंगा देवी, रिंकू देवी, पत्रकार चंदन राणा ,प्रमोद केशरी, मंटू पांडे, एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और सभी ने विद्यालय के शैक्षणिक विकास में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के पूर्व छात्र भारतीय सेना में चयनित

●स्कूल का उद्देश्य केवल परीक्षा पास कराना नहीं, बल्कि देश के लिए जिम्मेदार और सक्षम नागरिक तैयार करना है : प्रबंधक राकेश सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही- देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के लिए यह गर्व का क्षण है, जब विद्यालय के दो पूर्व छात्र सुधीर कुमार यादव और धीरज कुमार यादव का चयन भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में हुआ है। दोनों छात्र देश सेवा के इस गौरवशाली सफर की शुरुआत करने जा रहे हैं। सुधीर कुमार यादव का चयन क्लर्क पद के लिए हुआ है, जबकि धीरज कुमार यादव का चयन आर्मी कैडेट के रूप में किया गया है। दोनों की सफलता से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। सुधीर कुमार यादव ने बताया कि वे करगैयो, तिलैयाडैम के निवासी हैं। वे एक साधारण किसान परिवार से आते हैं। उनके पिता शंभु यादव एक किसान हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद अपने बेटे की पढ़ाई में कभी कमी नहीं आने दी। सुधीर ने कहा कि उनकी सफलता में उनके माता-पिता का सबसे बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई की, जहाँ उन्हें अनुशासन, आत्मनिर्भरता और लक्ष्य के प्रति समर्पण सीखने को मिला। सुधीर वर्ष 2021-22 में श्रीदस से पासआउट हुए थे। उनके अनुसार, श्रीदस सिर्फ एक स्कूल नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला संस्थान है। यहाँ के शिक्षक और हॉस्टल का वातावरण मुझे हर चुनौती के लिए तैयार करता रहा। वहीं, धीरज कुमार यादव चारमाइल, खोडाहर पंचायत के निवासी हैं और एक आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से संबंध रखते हैं। धीरज ने अपनी सफलता का श्रेय श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल को देते हुए कहा कि स्कूल ने उन्हें आत्मविश्वास, अनुशासन और कड़ी मेहनत का महत्व सिखाया। उन्होंने बताया कि शिक्षकों के मार्गदर्शन और नियमित अभ्यास के कारण ही वे आज इस मुकाम तक पहुँच पाए हैं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक राकेश सिंह ने कहा कि श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल का उद्देश्य केवल परीक्षा पास कराना नहीं, बल्कि देश के लिए जिम्मेदार और सक्षम नागरिक तैयार करना है। सुधीर और धीरज की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि सही मार्गदर्शन, अनुशासन और अवसर मिले, तो साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चे भी असाधारण उपलब्धियाँ हासिल कर सकते हैं। हमें इन दोनों पर गर्व है और हमें विश्वास है कि ये देश सेवा में उत्कृष्ट योगदान देंगे। दोनों छात्रों की इस उपलब्धि से श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल का नाम एक बार फिर गौरवान्वित हुआ है। विद्यालय परिवार, शिक्षकगण और स्थानीय लोगों ने दोनों चयनित छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केरेडारी में मोबाइल टॉर्च की रोशनी में हुआ ऑपरेशन, स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

केरेडारी, हजारीबाग, झारखण्डः- हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। परिवार नियोजन के लिए पहुंची एक महिला का ऑपरेशन बिजली गुल रहने के दौरान मोबाइल के टॉर्च की रोशनी में किया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ऑपरेशन थिएटर अंधेरे में डूबा है और चिकित्सा कर्मी मोबाइल टॉर्च के सहारे ऑपरेशन पूरा कर रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि केरेडारी प्रखंड में यह समस्या नई नहीं है। अस्पताल में नियमित बिजली आपूर्ति, जेनरेटर और इमरजेंसी लाइट जैसी मूल सुविधाओं का लंबे समय से अभाव है। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कोयला खनन करने वाली कंपनियां काम कर रही हैं, फिर भी आसपास के ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पा रहा है।ग्रामीणों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सा प्रभारी की लापरवाही के कारण मरीजों की जान रोजाना खतरे में पड़ रही है।वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में तीखी नाराजगी दिख रही है और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लग गया है। इस घटना को लेकर स्वास्थ्य विभाग जवाब दें कि आखिर सरकारी अस्पतालों में मरीजों की जान से ऐसा खिलवाड़ क्यों हो रहा है मामले की गंभीरता को देखते हुए हजारीबाग सिविल सर्जन ने केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर जांच की और चिकित्सा प्रभारी समेत संबंधित कर्मियों को कड़ी फटकार लगाई। जांच टीम ने अस्पताल में बिजली और अन्य सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।इधर, ग्रामीणों ने मांग की है कि स्वास्थ्य व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए, वैकल्पिक बिजली व्यवस्था दुरुस्त की जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में किसी मरीज की जान अंधेरे में इलाज के भरोसे न छोड़ी जाए।

रकार की नाकामी: उच्च शिक्षन संस्थानों में रिक्त पद युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़

●भाजपा नेता और व्याख्याता प्रो. राम नारायण भगत ने राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची, झारखंडः- भाजपा नेता और व्याख्याता प्रो. राम नारायण भगत ने राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था की बदहाल स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षन संस्थानों में रिक्त पद सरकार की नाकामी का परिणाम है, जो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। भगत ने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी राज्य के विकास में बाधक है और सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। भगत ने कहा, 'सरकार की नाकामी के कारण उच्च शिक्षन संस्थानों में रिक्त पद हैं, जिससे युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है। यह युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है और राज्य के विकास में बाधक है।'

उन्होंने आगे कहा, 'बढ़ती बेरोजगारी राज्य के लिए एक बड़ा चुनौती है। सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है और उच्च शिक्षन संस्थानों में रिक्त पदों को भरने के लिए तत्काल कदम उठाने होंगे। 'उन्होंने कहा कि राज्य के अधिकतर विश्वविद्यालयों में जिस तरह से कुलपतियों का पद रिक्त है। विद्यालय में 70 से 80% कर्मचारी एवं प्रोफेसर की रिक्त पद से उच्च शिक्षा की हालत काफी खराब हो चुकीहै। मैंने कहा कि सभी महाविद्यालय में प्रभारी प्राचार्य के भरोसे कार्य चल रहा है स्थाई प्राचार्य देने में सरकार नाकाम है।वही ई कल्याण के छात्रवृत्ति को लेकर छात्र सड़क पर है इसे लेकर सरकार को गंभीर होने की आवश्यकता है। उच्च शिक्षा के खराब हालत पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार को जल्द इस व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कड़े कदम उठाने के लिए आग्रह किया है एवं चेतावनी दिए कि जल्द से जल्द शिक्षा की व्यवस्था नहीं सुधरी तो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करने परबढ़ होंगे।

किसान के चंदन के चार पेड़ चोरी से कटे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहम्मदी - कस्बा में स्टेट हाईवे पर एक खेत में खड़े चार पेड़ चंदन के लकड़कट्टो द्वारा चोरी से काट लेने का आरोप लगाते हुए वन विभाग को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। कस्बा मुहल्ला बबौरी निवासी सरलू ने 20 वर्ष पहले अपने गाटा संख्या 40 में 5 पेड चंदन के रोपें थे लंबी परवरिश के बाद तैयार किया था। जिसे चोरी से लकड़कट्टो द्वारा रात्रि में चार पेड़ों को काटकर चोरी कर ले गए हैं जिनकी अनुमानित कीमत लाखों में बताई गई है। पीड़ित ने पुलिस समेत वन विभाग के अधिकारियों को घटना की शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। वन दरोगा अखिलेश सिंह ने बताया जानकारी मिली है मौके का निरीक्षण किया गया जिसमें सफेद चंदन के पेड़ थे। जो परमिट क्षेत्र से बाहर होते हैं।

संक्षिप्त खबरें

बहन को बहला-फुसलाकर भगा ले गया बदमाश

ललितपुर। महरौनी के एक गांव में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि 20 दिसम्बर को रात करीब 2 बजे उनकी बहन घर पर थी। तभी थाना जखौरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम विरोरा निवासी गोलू पुत्र आनन्द बुनकर आया और उसकी बहन को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पीड़ित ने बताया कि गोलू की बहन उनके पड़ौस में रहती है, जिसके यहां उसका आना-जाना रहता था। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर गोलू के खिलाफ बीएनएस की धारा 87 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

कन्नौज से आई 28 सदस्यीय टीम ने मॉडल ग्राम पंचायत कड़ेसरा कलां का किया अध्ययन भ्रमण

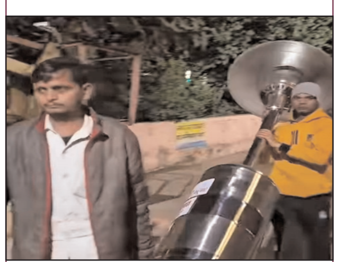

तालबेहट। सोमवार को जनपद कन्नौज से 28 प्रतिभागियों की एक टीम ने मॉडल ग्राम पंचायत कड़ेसरा कलां का अध्ययन भ्रमण किया। टीम में ग्राम प्रधान, सचिव, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, कंसल्टिंग इंजीनियर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे। भ्रमण के दौरान पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय, मॉडल कैंटीन, आरआरसी सेंटर, सीएससी सेंटर तथा ग्राम पंचायत की सोलर आटा चक्की का अवलोकन कराया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को ग्राम पंचायत में किए जा रहे नवाचारों एवं विकास कार्यों की जानकारी दी गई। साथ ही ओएसआर (ह्रस्क्र) जनरेशन के विभिन्न माध्यमों पर विस्तार से चर्चा करते हुए जागरूक किया गया, जिससे ग्राम पंचायत की आय बढ़ाने और स्वावलंबन को प्रोत्साहन मिल सके। कार्यक्रम के दौरान डीसी मनरेगा इंद्रेश कुमार, ग्राम प्रधान ज्ञान सिंह, ग्राम विकास अधिकारी पंकज सोनी, डीपीएम अनिल सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने ग्राम पंचायत कड़ेसरा कलां में किए गए विकास कार्यों की सराहना करते हुए इसे अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

भीषण ठंड से बचाव को नगर क्षेत्र में लगाए गए गैस हीटर

तालबेहट। लगातार बढ़ती सर्दी और शीतलहर से बचाव के लिए प्रशासनिक निर्देश अब धरातल पर दिखाई देने लगे हैं। बीते एक सप्ताह से कड़ाके की ठंड के चलते नगर क्षेत्र में अलाव एवं हीटर की मांग की जा रही थी। इसी क्रम में नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी/एसडीएम अभिजीत सिंह के निर्देश पर नगर पंचायत द्वारा नगर के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर गैस हीटर लगाए गए। नगर पंचायत अध्यक्ष पुनीत सिंह परिहार के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पुराना बस स्टैंड, नया बस स्टैंड सहित अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर गैस हीटर स्थापित कराए गए, जिससे राहगीरों, मरीजों के तीमारदारों एवं निराश्रित लोगों को राहत मिल रही है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. विशाल पाठक ने बताया कि गैस हीटर लगने से मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों को ठंड से काफी राहत मिली है। वहीं बस स्टैंड क्षेत्र के युवा व्यापारी कुलदीप साहू ने नगर पंचायत की इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में उठाया गया सराहनीय कदम बताया।

छतरपुर के रामशरण उपाध्याय 45 क्वाटर रसभरी के साथ पकड़े गये

ललितपुर। महरौनी कोतवाली क्षेत्रांतर्गत पुलिस चौकी कुम्हैड़ी में तैनात उप निरीक्षक टीकम सिंह ने बताया कि वह अपने हमराह कां.संदीप कुमार के साथ गश्त कर रहे थे। तभी उन्होंने मुखबिर की सूचना पर ग्राम अजान गांव के पास से मध्य प्रदेश के जिला छतरपुर अंतर्गत थाना बाजना के ग्राम बड़ा मलहरा निवासी रामशरण उपाध्याय पुत्र रामकृष्णा उपाध्याय को हिरासत में लिया है। पुलिस ने उसके पास से 45 क्वाटर देशी शराब रसभरी मार्का के बरामद किये हैं। पुलिस ने रामशरण उपाध्याय के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60 (1) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

शिक्षा जीवन के विकास का द्वार खोलती है : इंजी. राजेश कुमार गुप्ता

●सेन समाज का द्वितीय मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जननायक कर्पूरी ठाकुर सेवा समिति उ.प्र. के तत्वाधान में आयोजित सेन समाज का द्वितीय मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह होटल ललित पैलेस के ग्राण्ड सिद्धि में सम्पन्न हुआ, जिसमें सेन समाज की मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि निर्माण खण्ड लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता इंजी.राजेश कुमार गुप्ता रहे। जबकि अध्यक्षता पीडब्ल्युडी के सहायक अभियंता इंजी.जयप्रकाश खरे ने की। विशिष्ट अतिथि रिटा.रेलवे श्रीराम सेन, रिटा. प्रधानाध्यापक मोतीलाल नापित, अध्यक्ष राकेश कुमार सेन, भरतलाल सेन रिटा.आयकर विभाग, रिटा.प्रधानाध्यापक सुखलाल सेन, रघुवीर सेन, बुन्देलखण्ड महिला विकास सेवा समिति सचिव श्रीमती गीता सेन, शिक्षक संतोष कुमार सेन रहे। सर्व सम्मति से सभी अतिथियों का मल्यार्पण, पगड़ी, शॉल-बैज एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम संयोजक प्रदेश अध्यक्ष घनश्यामदास सेन पत्रकार ने स्वागत संबोधन किया। सम्मान समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि इंजी.राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि शिक्षा जीवन को विकास का द्वार खोलती है। शिक्षित मेधावी छात्र-छात्रा अपने जीवन को प्रगति की राह की ओर अग्रसर करता है। शिक्षा से प्रगतिशीलता को नये स्थान एवं अवसर प्राप्त होते हैं। शिक्षा से ही मेधावी अपने परिवार समाज देश का नाम गौरवान्वित करते हैं। कार्यक्रम संयोजक प्रदेशाध्यक्ष घनश्यामदास सेन पत्रकार ने कहा कि समाज के प्रत्येक परिवार की जिम्मेवारी है कि वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाकर उनके जीवन के भविष्य का कुशल मार्गदर्शन करें। तभी समाज प्रगति की ओर अग्रसर होगा। शिक्षा के प्रति जितनी जिम्मेवारी से हम कार्य करेंगे, उतनी ही विकास की गति प्रगतिशील होगी और सामाजिक विकास भी प्रगति की श्रेणी में अपना स्थान प्राप्त कर सकेगा। समारोह की अध्यक्षता कर रहे इंजी. जयप्रकाश खरे ने कहा कि यदि मेधावी छात्र-छात्रा अपनी लगन से पढ़ाई करें तो उनका जीवन सुखमय होगा और शिक्षा संपूर्ण जीवन को सुखमय बनाती, जिससे आप अपने अधिकार स्वयं प्राप्त कर अपना जीवन खुशहाल लगेगा। शिक्षा पर सभी को गर्व प्रसन्नता की अनुभूति होती है। इस अवसर पर रिटा. प्रधानाध्यापक मोतीलाल नापित, संतोष कुमार सेन, दयाराम सेन, सचिव गीता सेन, सौरभ सेन ने भी संबोधित किया। इस दौरान शंकरलाल सेन, हरिकिशन सेन, कीरत सेन, रमेश कुमार सेन, वीरेन्द्र सेन, आशाराम सेन, राजेन्द्र कुमार सेन, उत्तमचंद्र, कुन्दनलाल, जितेन्द्र सेन, सुनील सेन, गौरव सेन, दीपक सेन, राजू सेन, चक्रेश सेन, गंगाप्रसाद सेन, जयकुमार सेन, बृजेश सेन, हरदयाल सेन, संतोष सेन, मयंक सेन, प्रकाश नारायण सेन, रघुवीर सेन, महेश कुमार सेन, रामेश्वर सेन, सुनीता सेन, रामदेवी सेन, लक्ष्मी सेन, नेहा सेन, नीतू कुशवाहा, कैलाश नारायण सेन, आशीष कुमार सेन, अभिषेक सेन आदि मौजूद रहे। संचालन दयाराम सेन ने किया। अंत में सभी का आभार अध्यक्ष राकेश कुमार सेन ने व्यक्त किया।

किसान से ट्रैक्टर बिक्री में धोखाधड़ी का आरोप, चार महीने से न्याय के लिए भटक रहा पीड़ित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

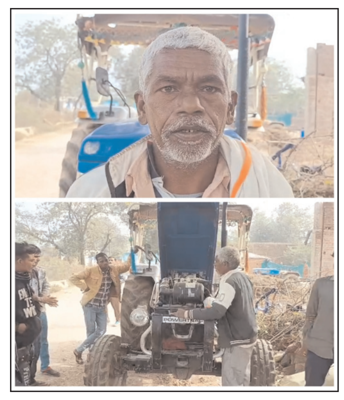

महरौनी। महरौनी तहसील अंतर्गत ग्राम सुनवाहा निवासी किसान जगदीश ने संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर बताया उसके साथ ट्रैक्टर बिक्री में गंभीर धोखाधड़ी हुई है। पीड़ित किसान जगदीश का आरोप है कि उसे नया ट्रैक्टर बताकर बेचा गया, लेकिन बाद में ट्रैक्टर के अंदर का इंजिन सामान पुराने ट्रैक्टर से बदल दिया गया। किसान के अनुसार यह धोखाधड़ी ट्रैक्टर एजेंसी मालिक प्रदीप चौधरी (पावर ट्रैक्टर शोरूम) निवासी मैन मार्केट महरौनी द्वारा मीठी मीठी बातों में फंसाकर की गई। पीड़ित किसान का कहना है कि वह पिछले चार महीनों से लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रहा है, लेकिन अब तक कहीं से भी उसे न्याय या ठोस कार्रवाई का आश्वासन नहीं मिला। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि प्रदीप चौधरी द्वारा उसे कहीं भी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गई, जिससे उसके मन में भय बना हुआ है। इसी डर के कारण वह महरौनी आने से भी कतरा रहा है। हाल ही में किसान ने समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर उचित कार्रवाई और न्याय की गुहार लगाई थी, लेकिन वहां से भी उसे कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं मिला। किसान का कहना है कि यदि उसे जल्द न्याय नहीं मिला तो वह आत्महत्या जैसा कदम उठाने को मजबूर हो सकता है। पीड़ित किसान ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा किसानों के हित में कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन ऐसे धोखाधड़ी करने वाले व्यापारियों के कारण किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और उनकी मेहनत की कमाई लुट रही है। अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए जांच कराता है और पीड़ित किसान को न्याय दिलाने के लिए क्या कदम उठाता है।

प्राईवेट कर्मी की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। ललितपुर-बीना रेल मार्ग पर सोमवार सुबह एक संविदा रेल कर्मचारी मालगाड़ी की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम शुरू कर दिया है। कोतवाली जाखलौन अंतर्गत ग्राम आलापुर निवासी 50 वर्षीय वीर सिंह पुत्र धीरज सिंह झांसी रेल मंडल में एक कंपनी के जरिए प्राइवेट कर्मी के रूप में कार्यरत था। रविवार रात वह रेल कर्मी मूलचंद के साथ जीरोन रेलवे स्टेशन से जाखलौन रेलवे स्टेशन तक रेल पटरियों पर पेट्रोलिंग करने गया था। सोमवार सुबह करीब 6 बजे जब वह जीरोन रेलवे स्टेशन और जाखलौन स्टेशन के मध्य ग्राम आलापुर के पास तीसरी लाइन पर था, तभी वह मालगाड़ी की चपेट में आ गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथी ने तत्काल अन्य कर्मियों को सूचना दी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए ललितपुर मेडिकल कॉलेज लाया गया। चिकित्सकों ने उसे भर्ती कर लिया, लेकिन करीब दो घंटे बाद उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था और उसके दो पुत्र तथा तीन पुत्रियां हैं। मेडिकल प्रशासन ने मेमो भेजकर कोतवाली पुलिस को घटना की सूचना दी।

अखंड ब्राह्मण महासभा रजि.का विप्र समागम सम्पन्न

●महासभा के नेतृत्व में मुख्यालय पर निकली विशाल बाइक रैली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। अखंड ब्राह्मण महासभा रजि. की नव नियुक्त कार्यकारिणी का मनोनयन कार्यक्रम एवं विप्र समागम का आयोजन तुवन मंदिर परिसर में हुआ। शुभारम्भ मुख्य अतिथि महन्त रामलखनदास महाराज, आदित्यानंद महाराज, मंजुल पुरोहित, सुनील पुरोहित, सुरेंद्र तिवारी व विशिष्ट अतिथि महंत योगी सत्यनाथ एवं लीलाधर दुबे ने संयुक्त रूप से किया। सनातन के प्रचार व समाज के एकजुट होने एवं उनके उत्थान पर विशेष जोर दिया गया समाज मे फैली कुरीतियों को दूर कर एकजुट रहने का आह्वान किया गया। धर्म कर्म से भटके हुए नवयुवकों को ब्राह्मण महापंचायत के माध्यम से उन्हें सही रास्ता दिखाया जाए और गाँव स्तर के आपसी मुद्दे है उन पर सुलह कराकर सभी सूत्र में पिरोने का कार्य महासभा करेगी। महासभा से जनपद के सभी क्षेत्रों में कार्य कर रही संस्थाओ को सम्मानित किया। इस दौरान शासन से मान्यता प्राप्त पं. दिनेश कुमार संज्ञा को संगठन द्वारा मंच से सम्मानित किया गया। इस दौरान धर्मेन्द्र पाठक, आशीष चौबे, मनीष तिवारी, आशीष, अजय नायक, अनुपम चौबे, सोनू, अनुराग गोस्वामी, अरविंद तिवारी, नेहा तिवारी, रेखा वैध, मनीष दुबे, राजीव बबेले सप्पू, ऋतु शर्मा, हेमंत द्विवेदी, प्रमोद कांकर, अनूप तिवारी, अजित नायक, गोपाल दुबे, नीरज, सोनू दुबे, दीपक नायक, दीपक पस्तोर, हरेंद्र रिछारिया, विनोद मिश्रा, शैलेन्द्र पुरोहित, सुधाकर दीक्षित, जागेश दीक्षित, सतेंद्र पस्तोर, हरीमोहन गोस्वामी, आशीष तिवारी उपस्थित रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र तिवारी ने की। संगठन प्रमुख मंजुल पुरोहित ने मंडल प्रभारी सुनील पुरोहित को महासभा के बुंदेलखंड अध्यक्ष मनोनीत कर नई जिम्मेदारी सौंपी। अंत में जिला प्रवक्ता गोपाल दुबे ने आभार जताया।

नपाध्यक्ष ने मुक्तिधाम का किया निरीक्षण, गन्दगी देख जतायी नाराजगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने खिरकापुरा स्थित सुरई घाट शमशान घाट, हरदीला स्थित इलाइट मुक्तिधाम का निरीक्षण किया। नपाध्यक्ष ने संबंधित सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, स्वास्थ्य नायक सहित सफाई कर्मचारियों को नियमित रूप से साफ सफाई व्यवस्थ दुरूस्त किये जाने के निर्देश दिये गये। वहीं जेई व निर्माण लिपिक को शमशान घाट के मरम्मतीकरण एवं सड़क डलवाने, शमशानघाट में उचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए लाईट लगवाये जाने के निर्देश दिये गये। वहीं ईलाईट शमशान घाट पर शुद्धता स्थल पर भगवान शंकर की मूर्ति स्थापित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। मोहल्ला खिरकापुरा में नपाध्यक्ष ने निर्माण विभाग की अवर अभियंता व लिपिक को निर्देशित किया गया कि गेट के पास नये चबूतरे का निर्माण कराया जाये, पानी की टंकी क्षतिग्रस्त व गंदगी पाये जाने पर टंकी की मरम्मत कराते हुए सफाई सफाई व्यवस्था एवं नलों में टोटियां लगाये जाने के निर्देश दिये गये। इसके अलावा शोक सभा के लिए एक नवीन गृह बनाया जाये, शवदाह गृह के चबूतरे की टाईल्स की मरम्मत कराये जाने एवं सुरई घाट की रंगाई पुताई कराये जाने के निर्देश दिये गये। वहीं मुख्य स्टोर लिपिक को निर्देशित किया कि शमशान घाट में जो भी लाईटे खराब पड़ी हुई है उन्हें तत्काल प्रभाव से ठीक कराया जाये, वहीं शमशान घाट में सोलर लाइट लगवायी जाये। नपाध्यक्ष ने निर्देशित किया गया कि दाह संस्कार चबूतरे के बगल में दोनों तरफ खम्बे लगाकर लाईटे लगवायी जाये। इसके अलावा पेड़ों व झाड़ियों की छटाई करवाते हुए रोजाना शमशान घाट में साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। मोहल्ला हरदीला में स्थित इलाईट शनशान घाट के निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष अवर अभियंता एवं निर्माण लिपिक को शमशान घाट के पास की रस्ता में पेवर ब्रिक्स लगाये जाने, शवदाह गृह चबूतरा की मरम्मत कराये जाने, नये टीनशैड लगवाये जाने, फुटपाथ की मरम्मत व पेवर ब्रिक्स लगाये जाने, शमशान घाट की बाउण्ड्री की रंगाई पुताई कराये जाने एवं पेड़ों की छटाई आदि किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। नपाध्यक्ष ने निर्देश दिये कि शमशान घाट के चारो ओर सीसी सडक, क्वारी आदि बनवाई जाये, इसके अलावा पीने के पानी के लिए बनी टंकी की मरम्मत करवाते हुए नलों में टोटियां आदि का कार्य कराया जाये। वहीं अध्यक्ष निर्देशित किया गया कि शमशान घाट पर तैनात कर्मचारियों से नियमित रूप से साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाये, इसके अलावा तैनात चैकीदार को भी उचित देखरेख किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। नपाध्यक्ष ने निर्देशित किया गया कि इलाईट शमशान घाट पर शुद्धता स्थल के पास भगवान शंकर जी की मूर्ति की स्थापना कराई जाये। इस दौरान मुन्नालाल जैन, करन कुशवाहा, राजेन्द्र प्रसाद, राजेश कुमार जैन, जेई खुशबू खान, जितेन्द्र स्वरूप, महेन्द्र सिंह यादव, दीपेन्द्र कुमार, संजय कुमार, बद्री कुशवाहा, अमित कुमार रिंकू, स्वास्थ्य नायक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

समान कार्य का समान वेतन और पुरानी पेंशन बहाली की मांग, विधान परिषद में गरजे डॉ. मानसिंह यादव

●कंपोजिट स्कूल से बढ़ेगी बेरोजगारी, शराब की दुकान तक ही सीमित रखे : डा.मानसिंह यादव

प्रदेश में लाखों शिक्षक पद रिक्त, विधान परिषद में डा.मानसिंह यादव का बड़ा बयान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। उ.प्र.विधान परिषद में सपा सदस्य डा.मानसिंह यादव ने शिक्षा से जुड़े अहम मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने प्रदेश में शिक्षकों की भारी कमी, शिक्षामित्रों की दुर्दशा, कंपोजिट विद्यालय व्यवस्था और पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। डा.यादव ने सदन को बताया कि प्रदेश में प्राथमिक व जूनियर विद्यालयों में लगभग 1 लाख 20 हजार पद रिक्त हैं, जबकि माध्यमिक शिक्षा में करीब 20 हजार पद खाली पड़े हैं। उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर रिक्त पद होने के बावजूद सरकार गंभीर नहीं है।उन्होंने कंपोजिट विद्यालयों का विरोध करते हुए कहा कि इससे बेरोजगारी बढ़ेगी और शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी। तंज कसते हुए कहा, कंपोजिट विद्यालय नहीं होने चाहिए, हां कंपोजिट शराब की दुकान हो सकती है, लेकिन विद्यालय नहीं। शिक्षामित्रों के मुद्दे पर भावुक होते हुए उन्होंने कहा कि समान कार्य के बावजूद समान वेतन न मिलने के कारण शिक्षामित्र मानसिक तनाव में हैं और आत्महत्या जैसे कदम उठा रहे हैं। अगर समय रहते समान कार्य का समान वेतन लागू किया गया होता, तो यह स्थिति नहीं आती।डॉ. मानसिंह यादव ने कहा किशिक्षामित्र गांव के सबसे पढ़े-लिखे, टॉपर युवा होते थे। सरकार ने उन्हें शिक्षक की जिम्मेदारी तो दी, लेकिन अधिकार और वेतन नहीं दिया।उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कमलेश तिवारी, सूर्य प्रकाश सिंह और रामबाबू कनौजिया जैसे हजारों शिक्षामित्रों की मौत सरकार की नाकामी का परिणाम है। उन्होंने 69 हजार शिक्षक भर्ती का मुद्दा उठाया आगे कहा कि 2018 से शिक्षकों के प्रदेश में भर्ती नहीं हुई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में जिस तरह फर्जी एनकाउंटर करने वालों को सम्मान और पद दिए जा रहे हैं, वह लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। डा.यादव ने डा.भीमराव अंबेडकर का कथन दोहराते हुए कहा, शिक्षा शेरनी का वह दूध है,जिसको जो जितना पिएगा वह उतना ही दहाड़ेगा। उन्होंने कहा कि कोई भी राष्ट्र तभी विकसित हो सकता है, जब वहां के नागरिक शिक्षित होंगे।

भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस कार्यक्रम

●जनपद स्तरीय निबंध भाषण एवं काव्य पाठ प्रतियोगिताएं संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। नगर के रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय में भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह के अंतर्गत जिला स्तरीय निबंध, भाषण एवं एकल काव्य पाठ प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ उच्च शिक्षा विभाग नोडल अधिकारी प्राचार्य प्रो. केशवदेव ने अटलजी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया किया। तत्पश्चात प्रतियोगिताएं प्रारंभ की गई। प्रतियोगिता में विकासखंड एवं महाविद्यालय स्तर पर चयनित प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में डा.डी.के. साहू, डा.गजेंद्र नाथ, डा. सुधाकर उपाध्याय, डा.अखिलेश बबेले, जयशंकर प्रसाद दुबे, रमेश तिवारी, डा.करुणाकर शर्मा, डा.स्वीकृति सिंह, हरिशंकर तिवारी निर्णायक रहे। भाषण तथा निबंध प्रतियोगिता का विषय अटल एवं सुशासन, जबकि एकल का प्रतियोगिता का विषय अटल जी का जीवन एवं उनकी कविताएं रहा। निबंध प्रतियोगिता में जिला परिषद इंटर कॉलेज पाली की छात्रा कल्पना ने प्रथम, भूपेंद्र अहिरवार, जीआईसी ने द्वितीय तथा अनु तिवारी, रामकली देवी इंटर कॉलेज मड़ावरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में अंशिका तिवारी, रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय ने प्रथम महक राजा, नेहरू महाविद्यालय ने द्वितीय तथा अनुराग, राजकीय मॉडल महाविद्यालय पुलवारा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रिंसी दुबे नेमवि ने प्रथम, अंशिका नामदेव, रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय ललितपुर ने द्वितीय तथा राजनंदिनी, राजकीय मॉडल महाविद्यालय पुलवारा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वक्ताओं ने विकसित भारत एवं सुशासन की स्थापना में अटल जी के योगदान को याद किया तथा उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में अनुराधा, डा.संजीव कुमार, नजम उल रफी, डा.सुनील कुमार, डा.बृजेंद्र सिंह, अमित कुमार, आकिब, छोटेलाल, नेहा सिंह, बलराम आदि उपस्थित रहे। अंत में प्रतियोगिता संयोजक डा.रीतेश कुमार खरे ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सेवानिवृत्त शिक्षक कल्याण परिषद की बैठक में सर्व सम्मति से जिलाध्यक्ष बने हरीराम खरे कोषाध्यक्ष भाग्यचंद त्रिपाठी

●श्री नृसिंह मंदिर पर उत्तर प्रदेशीय सेवानिवृत्त शिक्षक कल्याण परिषद की बैठक सम्पन्न।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। रविवार दिनांक 21-12-25को उत्तर प्रदेशीय सेवा निवृत्त शिक्षक कलयाण परिषद की एक आवश्यक बैठक श्री नृसिंह मन्दिर की धर्मशाला में शम्भूदयाल प्रान्तीय सदस्य एवं पर्यवेक्षक की अध्यक्षता एवं दशरथ प्रसाद रजक झांसी जिलामंत्री के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। बैठक में सेवानिवृत्त शिक्षकों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गयी तथा निराकरणों के लिए योजनायें बनायी गयीं तथा ललितपुर जनपद के लिए पदाधिकारियों की घोषणा की गयी। जिसमें सर्वसम्मति से श्री हरीराम खरे को जिला संयोजक / अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गयी। साथ ही जिला सह संयोजक / मंत्री पद श्री मुरलीधर यादव और कोषाध्यक्ष पद भाग्यचन्द त्रिपाठी को दिया गया। अन्त में झांसी जिलाध्यक्ष एवं माण्डलिक मंत्री श्री लखनलाल सक्सेना द्वारा सभी पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर प्रमाण पत्र दिये गये। इस मौके पर सेवानिवृत्त अध्यापक एवं संगठन के संरक्षक अरविन्द कुमार तिवारी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। बैठक में श्री छक्कीलाल साहू, रामनारायण पाराशर, शालिगराम शर्मा, काशीनाथ नायक, कृपाल सिंह, परमानन्द विश्वकर्मा, हरगोबिन्द सोनी, अनन्तराम रिछारिया, रामकिशन लोधी, वृषभान सिंह यादव, मेहरबान सिंह यादव, चुन्नीलाल पांचाल, रामनारायण आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश श्रीवास्तव ने किया।

मानव से प्रेम ही ईश्वर प्रेम है

●निरंकारी सत्संग भवन में ललितपुर में ज्ञान प्रचारक ब्रह्मज्ञानी संत के सानिध्य में निरंकारी सन्त सत्संग आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। निरंकारी सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज जी की असीम कृपा से निरंकारी सत्संग का आयोजन संत निरंकारी शाखा मंडल ललितपुर (रजि.) में ब्रम्हज्ञानी संत ज्ञान प्रचारक ज्ञानेश्वर जी (देहरादून) के सानिध्य में किया गया। निरंकारी सत्संग में देहरादून से आए ब्रम्हज्ञानी संत ज्ञान प्रचारक ज्ञानेश्वर जी ने मंगलकारी वचनों की रसधारा प्रवाहित करते हुए दिव्य संदेश में फरमाया कि संसार में विचरण करते हुए जब हम अपने सीमित दायरे से सोचते हैं तो केवल कुछ ही लोगों से रुबरु हो पाते हैं, किन्तु ब्रह्मज्ञान की दिव्य रोशनी से जब हम इस परमपिता परमात्मा संग जुड़ते है तब हम सही अर्थो में सभी से प्रेम करने लगते हैं। यही प्रेमाभक्ति ईश्वर प्राप्ति का सरलतम मार्ग है। भक्ति की परिभाषा को एक नया दृष्टिकोण देते हुए उन्होंने कहा कि यदि जीवन के हर क्षण को भक्ति में बदल दिया जाए, तो अलग से पूजा का समय निकालने की आवश्यकता ही नहीं रहती। यही विचारधारा जब व्यापक रूप ले लेती है तो सबके प्रति निस्वार्थ सेवा और प्रेम की भावना को जाग्रत करती है। आपने संतों के संग और ध्यान (सुमिरण) को आत्मा की गहराई से जोडने का सरल माध्यम बताया। उन्होंने उदाहरण स्वरूप समुद्र की गहराई और शांति को सहनशीलता और विनम्रता का सुंदर प्रतीक बताया। जिस प्रकार समुद्र अपने अंदर सब कुछ समेटे हुए होता है फिर भी शांत अवस्था में रहता है ठीक उसी प्रकार मनुष्य को भी अपने भीतर सहिष्णुता और विशालता विकसित करनी चाहिए। सत्संग के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सत्संग को सफल बनाने में संयोजक महात्मा वीरेंद्र कुमार, सेवादल महापुरुषों सहित सभी महात्माओं का सराहनीय योगदान रहा। उक्त जानकारी मीडिया सहायक मानसिंह ने दी।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस आयुक्त ने की जनसुनवाई

कानपुर। दिनांक 22.12.2025 को पुलिस आयुक्त कार्यालय, कानपुर नगर में आयोजित जनसुनवाई के दौरान पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल द्वारा उपस्थित शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया। प्रत्येक प्रकरण पर समुचित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की टीम ने पेयजल योजना का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय जल जीवन मिशन द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की टीम द्वारा जनपद के विकास खण्ड कालाकांकर की परियावां पेयजल योजना के रेट्रोफिटिंग सम्बन्धित कार्यों एवं जलापूर्ति का सत्यापन इं. आरके हरदहा वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार एसडब्ल्यूएसएम लखनऊ एवं इं. आयुष सिंह सहायक अभियन्ता एसडब्ल्यूएसएम, लखनऊ द्वारा किया गया। सत्यापन के दौरान राजस्व ग्राम परियावां एवं इसके अन्य मजरे क्रमशः बीबी का पुरवा, चन्देल का पुरवा, धनउ का पुरवा, ईदगाह, गड़ेरियन, कंधई का पुरवा, लाला का पुरवा, मोह ऊचे, मोहतरिमगंज, पम्पापुर, परियावां, पूरे भिटारी, पायकेगंज बाजार, शेख का पुरवा, टकिया एवं तुलसी का पुरवा इत्यादि में ग्रामवासियों द्वारा अवगत कराया गया कि पेयजल योजना से जलापूर्ति नियमित रूप से की जाती है तथा मजरा बीबी का पुरवा मजरे के कुछ स्थानों में नाली निर्माण के समय पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण पेयजल आपूर्ति बाधित है, जिसे ठीक कराये जाने हेतु फर्म के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान इं. तौसीफ अहमद अधिशासी अभियन्ता, इं. विपिन कुमार वर्मा सहायक अभियन्ता, इं. सुरजीत मिश्रा जूनियर इंजीनियर, इं. मो0 असद जूनियर इंजीनियर, फर्म के प्रतिनिधि आलोक दूबे एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सहकारी समिति में सचिव की मनमानी, यूरिया के लिए लगाई घंटों लाइन, लौटे खाली हाथ

महराजगंज तराई (बलरामपुर)- तराई क्षेत्र में यूरिया की मारामारी कम होने का नाम नहीं ले रही है। अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही से किसानों को यूरिया के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है।सहकारी समिति कौवापुर के उप शाखा महराजगंज तराई में सचिव की मनमानी से यूरिया वितरण में मनमानी होने के कारण किसानों को यूरिया के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। विभाग के उच्च अधिकारी दावा कर रहे हैं कि सहकारी समिति पर यूरिया पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। लेकिन सचिव की मनमानी से अभी तक उसका वितरण नहीं किया गया है जिससे यूरिया उपलब्ध होने के बाद भी किसान इधर-उधर भटक कर महंगे दामों में खरीद रहे हैं। यूरिया वितरण न होने से यूरिया की किल्ल्त कम होने का नाम नहीं ले रही है। किसान महेंद्र तिवारी शिवकुमार प्रधान मैंनहवा गोपाल गजेंद्र बुधराम बीडीसी अब्दुल्ला, मोहम्मद शरीफ, दरगाही , रफ़ातुल, इंद्रजीत वर्मा, महेश वर्मा, शिवनारायण, सहित अन्य किसानों ने सचिव पर अपनेचहेतों को यूरिया देने का आरोप लगाया है। किसानों ने बताया कि दिनभर लाइन में खड़े रहे लेकिन सचिव अपने चहेतों को यूरिया बांट कर समिति बंद करके चले गए। जिला कृषि अधिकारी उपेंद्र खरवार ने बताया कि जल्द ही किसानों को यूरिया उपलब्ध कराई जाएगी।

न्याय की लड़ाई लड़ने के साथ राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका हो सार्थक- प्रमोद तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। वर्मा नगर स्थित यमुना प्रसाद यादव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को भारत की युवा शक्ति को लेकर परिसंवाद का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने विद्यालय के संस्थापक यमुना प्रसाद यादव के साथ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया। छात्रा शालिनी, रोशनी, शिवानी, शालू, पलक, अनन्या, आस्था ने मनमोहक स्वागत गान तथा मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत किया। बतौर मुख्य अतिथि सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि देश की युवा शक्ति आज पूरी दुनिया में भारतीय सफलताओं का कीर्तिमान गढ़ रही है।उन्होने कहा कि युवाओं को न्याय के लिए लडाई लड़ने की कडी चुनौती को भी स्वीकार करना होगा। उन्होने कहा कि युवा शक्ति में क्षमता है कि वह व्यक्ति के मौलिक अधिकार की रक्षा के साथ राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में अपनी सार्थकता सिद्ध करे। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि वर्तमान परिवेश में पढ़े लिखे नौजवान के सामने सबसे बडी चुनौती सरकारी क्षेत्र मे नौकरियों का रोज घटना है। उन्होने कहा कि ऐसे मे युवाओं को स्वउद्यम के क्षेत्र मे भी अभिरूचि बढ़ानी चाहिए। कार्यक्रम में सांसद प्रमोद तिवारी ने विधायक मोना की ओर से सरयू समाज कल्याण संस्थान द्वारा संचालित मेधावी प्रोत्साहन योजना के तहत छात्र छात्राओं की हौंसला आफजाई

भी की। उन्होने विद्यालय के कक्षा ग्यारह के छात्र लालू प्रसाद यादव तथा छात्रा पलक गुप्ता को संस्थान की ओर से लैपटाप प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी विशिष्ट अतिथि रहे। अध्यक्षता संस्थापक यमुना प्रसाद यादव तथा संचालन साहित्यकार एवं शिक्षक लवलेश यदुवंशी ने किया। विद्यालय के निदेशक अभिषेक यादव ने स्वागत तथा प्रधानाचार्य पारसनाथ वर्मा ने आभार प्रदर्शन किया। इसके बाद सांसद प्रमोद तिवारी ने लालगंज कैम्प कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की बैठक में भी शामिल हुए। यहां उन्होने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना को समाप्त करके गांधीवादी विचारधारा पर हमलावर हुई है। उन्होने कहा कि मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाकर केन्द्र की भाजपा सरकार ने उन्हें अपमानित किया है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि वैचारिक रूप से गांधी को मार रही भाजपा राज में यह कदम देश का सबसे कलंकित अध्याय है।

कानपुर में जारी कोहरे के कहर ने ली 2 किशोरों की जान, टकराई बाइक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। यहां कड़ाके की ठंड के साथ लगातार जारी कोहरे का कहर लोगों की असमय ही जान लेने से नहीं चूक रहा है ,जिसके फल स्वरुप दो किशोरों की बाइकों के टकराने से मौत हो गई। घटना से उनके परिवार में कोहराम मचा हुआ है। उन्हें पुलिस ने लाशों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। यह हादसा अरौल थाना के पिहानी गांव में कोल्ड स्टोरेज के पास हुआ। दो किशोरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान पिहानी गांव निवासी 17 साल के रितिक चतुर्वेदी और 16 साल के रौनक उर्फ बाबी के रूप में हुई है। रितिक, रौनक और नमन गौतम (16) कन्नौज के तेरामल्लू गांव से एक ही बाइक पर सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे।

जानकारी के मुताबिक टक्कर के बाद बाइकें सड़क पर दूर गिरीं पिहानी-तेरामल्लू रोड पर गांव के नजदीक कोल्ड स्टोरेज के पास घने कोहरे के कारण उनकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। दूसरी बाइक पर कोल्ड स्टोरेज का पल्लेदार सनोज अपने दो अन्य साथियों के साथ सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकें सड़क पर दूर जा गिरीं। राहगीरों की सूचना पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को तुरंत कन्नौज जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने रितिक चतुर्वेदी और रौनक उर्फ बाबी को मृत घोषित कर दिया। अन्य चार घायलों का इलाज चल रहा है। इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सेंट्रल जोन कार्यालय में किया गया अपराध गोष्ठी का वृहद आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। दिनांक 22 दिसंबर 2025 को पुलिस उपायुक्त, सेंट्रल, श्रवण कुमार सिंह द्वारा सेंट्रल जोन कार्यालय में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया।उक्त गोष्ठी में कर्नलगंज एवं अनवरगंज सर्किल के अंतर्गत समस्त थानों के चौकी प्रभारी उपस्थित रहे। अपराध गोष्ठी के दौरान पुलिस उपायुक्त महोदय द्वार प्रमुख निर्देश दिए गए, क्षेत्र में अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु प्रभावी, ठोस कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। अपराधियों का नियमित सत्यापन, सतत निगरानी तथा आवश्यकता अनुसार निरोधात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। सक्रिय, आदतन एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध गुण्डा एक्ट के अंतर्गत कठोर कार्यवाही किए जाने

के निर्देश प्रदान किए गए। हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखते हुए समय-समय पर भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। लंबित विवेचनाओं के शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। विवेचना के दौरान ई-साक्ष्य (डिजिटल साक्ष्य) का विधिसम्मत संकलन, सुरक्षित अभिलेखीकरण एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

क्षेत्र में नियमित गश्त, संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बनाए रखने तथा पुलिस-जन समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। जमानत पर रिहा अपराधियों का अनिवार्य सत्यापन करने तथा आवश्यकता अनुसार नए हिस्ट्रीशीटर खोलने के निर्देश दिए गए। रात्रि में चोरी की घटनाओं की रोकथाम हेतु बाजार क्षेत्रों में पर्याप्त सतर्कता बरतने एवं प्राइवेट सुरक्षा कर्मियों के समन्वय को मजबूत करने के निर्देश दिए गए। वर्तमान में क्षेत्र के विभिन्न बाजारों जैसे– पीपीएन मार्केट, रेहमानी मार्केट, हमराज मार्केट, आलम मार्केट, विजय विला आदि में सुरक्षा कर्मी तैनात हैं। इन सभी गार्डों को समय-समय पर ब्रीफ किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

गोविंद नगर विधानसभा में सांसद-विधायक खेल स्पर्धा का सफल आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। युवा कल्याण विभाग द्वारा गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र में सांसद-विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन दिनांक 19 से 21 दिसंबर 2025 तक एस.ए.एफ. ग्राउंड, अरमापुर एवं ग्रीन पार्क, कानपुर में किया गया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन ग्रीन पार्क, कानपुर में कुश्ती, जूडो, फुटबॉल एवं बैडमिंटन विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। बैडमिंटन सब जूनियर बालिका वर्ग में सुरभि यादव ने प्रथम तथा रितिका दुबे ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सब जूनियर बालक वर्ग में राघव पांडे ने प्रथम स्थान हासिल किया। बैडमिंटन जूनियर बालिका वर्ग में अनुष्का दीक्षित प्रथम एवं लवली गुप्ता द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि जूनियर बालक

वर्ग में वेद ने प्रथम तथा अंकित ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन युगल सब जूनियर बालक वर्ग में सक्षम साहू एवं अनीश की जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कुश्ती सब जूनियर 45 किलोग्राम भार वर्ग में कृष्णा नगर तथा 51 किलोग्राम भार वर्ग में राजनगर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुश्ती जूनियर 70 किलोग्राम भार वर्ग में हार्दिक सोनकर प्रथम स्थान पर रहे। जूडो जूनियर बालक वर्ग में 60 किलोग्राम भार वर्ग में निखिल भारद्वाज, 58 किलोग्राम भार वर्ग में सहजीब अली तथा 62 किलोग्राम भार वर्ग में मोहम्मद ओवैस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूडो सब जूनियर वर्ग में सिंह प्रथम स्थान पर रहे। इसी क्रम में 20 किलोग्राम भार वर्ग में आयांशी पांडे, 25 किलोग्राम भार वर्ग में प्रियांशी पांडे एवं 38 किलोग्राम भार वर्ग में आर्या भारद्वाज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों को मुख्य विकास अधिकारी एवं उप जिलाधिकारी सदर, कानपुर नगर द्वारा मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंत में अवगत कराया गया कि सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत सांसद खेल स्पर्धा का आयोजन दिनांक 23, 24 एवं 25 नवंबर 2025 को ग्रीन पार्क, कानपुर में किया जाएगा।

आलू की फसल में समय से करें झुलसा रोग का नियंत्रण-जिला उद्यान अधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने बताया है कि रबी मौसम में आलू की अगेती फसल किसानों के लिए मुनाफे का सौंदा होती है, लेकिन जरा से लापरवाही होने पर आर्थिक नुकसान पड़ जाता है। किसानों को समय रहते जरूरी बचाव करते हुए फसल का उपचार करने की आवश्यकता है। जिला उद्यान अधिकारी ने जिले के किसानों को सलाह दी है कि ठंड के मौसम में कई दिनों तक बादलयुक्त मौसम होने के कारण वातावरण में नमी की मात्र बढ़ जाती है। वातावरण में 80 प्रतिशत से अधिक नमी एवं 10 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच तापक्रम में होने पर आलू में झुलसा रोग का खतरा बढ़ जाता है। यदि समय से इसका उपचार न किया जाय तो पूरी फसल खेत में ही झुलस जाती है। इससे उत्पादन में 80 से 90 प्रतिशत तक कमी आ जाती है। आलू की फसल में यह रोग फाइटोब्योरा नामक फफूंद से होता है। इस रोग में पौधों की पत्तियां सिरे से झुलसने लगती है। प्रभावित पत्तियों पर भूरे एवं काले रंग के धब्बे बनते है जो तीव्र गति से ऊपर की ओर फैलते जाते है। इसमें 3 से 4 दिनों के अन्दर ही सम्पूर्ण फसल नष्ट हो जाती है।

रोग के प्रभाव से आलू के कन्दों का आकार छोटा रह जाता है। आलू की अच्छी पैदावार लेने के लिए अगेती व पिछेती झुलसा का नियन्त्रण करना बेहद जरूरी है। रोग के नियन्त्रण के लिए किसान मेटालाक्सिल 4 प्रतिशत तथा मैंकोजेब 64 प्रतिशत या कारवेन्डाजिम 12 प्रतिशत तथा मैंकोजेब 63 प्रतिशत को 600 ग्राम तथा इमिडाक्लोरोपिड़ 17.8 प्रतिशत 150 मिली लीटर दवा को 150 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से 10-12 दिनों के अन्तराल पर दो छिड़काव करें। साथ ही फसल को पाले से बचाव हेतु खेत में यथा सम्भव नमी बनाए रखें, जिसके लिए नियमित अन्तराल पर हल्की सिंचाई करते रहे या खेत के चारों तरफ धुंआ करें।

रोजगार गारंटी के लिए मनरेगा को वापस लाने की वामपंथी दलों ने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम(मनरेगा) 2005 को बदलकर विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (वीजीरामजी) के नाम से बिल को केंद्र सरकार ने लोकसभा में लाने और उसे लागू करने के प्रयासों पर देश के वामपंथी दलों भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी, कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लेनिन एवं फारवर्ड ब्लाक के आवाहन पर सोमवार को आयोजित जिला मुख्यालय प्रतापगढ़ पर जिलाधिकारी कार्यालय पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी , कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी और यसयूसीआई कम्युनिस्ट के कार्यकर्ताओं द्वारा एक आक्रोश प्रदर्शन किया गया। आक्रोश प्रदर्शन के माध्यम से राष्ट्रपति को जिलाधिकारी प्रतापगढ़ के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञापन में मुख्य रूप से विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण बिल को तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाने, महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी एक्ट 2005 मनरेगा को अधिनियम के रूप में बदस्तूर जारी रखे जाने, मनरेगा में भारत सरकार और प्रांतीय सरकारों द्वारा दिए जाने वाले पुराने बजट

व्यवस्था को जारी रखे जाने, खेत एवं ग्रामीण मजदूरों को वर्ष में 200 दिन काम और प्रतिदिन 600 रूपये न्यूनतम गारंटी शुदा मजदूरी दिए जाने, खेत एवं ग्रामीण मजदूरों को 55 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 10000 रूपये प्रति माह पेंशन की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने, खेत और ग्रामीण मजदूरों के सामाजिक सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित किए जाने, मनरेगा एक्ट को समाप्त करके लाए जा रहे विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण बिल पर रोक लगाने के साथ ही भाजपा केंद्र सरकार के द्वारा हिंदू राष्ट्र बनाने की तरफ आगे बढ़ने की साजिश पर अभिलंब रोक लगाए जाने की मांग की गयी। प्रदर्शन करने वालों में प्रमुख रूप से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला मंत्री राजमणि पांडे ,राज्य परिषद के सदस्य हेमंत नंदन ओझा, पूर्व जिला मंत्री रामबरन सिंह ,सहायक जिला मंत्री निर्भय प्रताप सिंह, मंत्री परिषद सदस्य आर डी यादव अशोक कुमार पाल, राजेंद्र कुमार, महाबली मौर्य ,रामस्वरूप, सुरेश चंद शर्मा, आलोक सिंह, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के जिला मंत्री आशुतोष शुक्ला, मोहम्मद दानिश ,अजय कुमार पांडे, राम आधार, एसयूसी आई के प्रवीण विश्वकर्मा लल्लू रामपाल, अशोक प्रजापति, बजरंग सिंह, भगत यादव आदि प्रमुख रूप से थे। प्रदर्शनकारी मुख्य रूप से मनरेगा अधिनियम को वापस लाने की मांग कर रहे थे। उप जिलाधिकारी ने प्रदर्शन स्थल पर आकर ज्ञापन लिया। ज्ञापन में कहा गया है कि मनरेगा एक्ट में 90 प्रतिशत बजट भारत सरकार और 10 प्रतिशत बजट प्रदेश सरकार देती रही है, अब इसे गारंटी मिशन में बदले जाने पर 60 प्रतिशत बजट केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत बजट राज्य सरकार को व्यवस्था करनी होगी जो अनेक राज्य सरकारों के लिए संभव नहीं है। केंद्र सरकार लंबे समय से विभिन्न राज्य सरकारों को उनके हिस्से के टैक्स का धन नहीं दे रही है। ऐसे में विपक्षी सरकारों में गारंटी मिशन को लागू करना पूर्ण रूप से असंभव हो जायेगा। वामपंथी दलों की ओर से कहा गया है कि यदि केंद्र सरकार इस तरफ और आगे बढ़ती है तो देश के करोड़ों मजदूरो को इसके विरुद्ध मजबूती से लामबंद करके कम्युनिस्ट पार्टी जन आंदोलन करेगी।

खुनुवां के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में हिंदू सम्मेलन का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति खुनुवां के तत्वावधान में सोमवार को सीमावर्ती क्षेत्र के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रांगण में सचमुच त्रिपाठी की अध्यक्षता में बांग्लादेश में हिंदू समाज के साथ हुई बर्बर और निर्मम हत्याओं व उत्पीड़न की घटनाओं के विरोध में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जिला प्रचारक विशाल रहे। सम्मेलन में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, धर्मगुरु, बुद्धिजीवी एवं आम नागरिक शामिल हुए। वक्ताओं ने घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल संज्ञान लेने और पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधान संघ जिलाध्यक्ष डाक्टर पवन कुमार मिश्रा ने कहा कि किसी भी देश में

अल्पसंख्यक समुदाय पर हिंसा मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है। बांग्लादेश में हालिया घटनाएं चिंताजनक हैं और वहां रहने वाले हिन्दू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई, पीड़ित परिवारों को मुआवज़ा तथा धार्मिक स्थलों की सुरक्षा की मांग उठाई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला प्रचारक विशाल ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि यह सम्मेलन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने का मंच है। प्रतिभागियों ने आवाज बुलंद करते हुए घटना को लेकर 'हिंसा बंद करो', 'न्याय दो' जैसे नारे लगाए और वैश्विक स्तर पर मानवाधिकार संस्थाओं से हस्तक्षेप की अपील की।

सम्मेलन के अंत में एक प्रस्ताव पारित कर भारत सरकार, बांग्लादेश सरकार और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से मांग की गई कि वे निष्पक्ष जांच कराएं, पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं। आयोजकों ने कहा कि हिन्दू समाज शांति और सहअस्तित्व में विश्वास करता है, लेकिन अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाना उसका संवैधानिक अधिकार है। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि गंगाधर मिश्रा,बहरैची बाबा, प्रधान संजय कुमार, पूर्व प्रधान हरिनरायन, प्रमिला मिश्रा मातृ संरक्षिका विश्व हिन्दू परिषद,बाबा शिव प्रसाद आदि लोग मौजूद रहे।

जनपद न्यायाधीश, डीएम, एसपी ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

● जनपद न्यायाधीश ने जिला कारागार में औषधि वाटिका स्थल का किया शुभारम्भ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जनपद न्यायाधीश राजीव कमल पाण्डेय, जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी एवं पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कुमुद उपाध्याय द्वारा जिला कारागार का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार में बंदियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, भोजन एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर जिला कारागार परिसर में औषधि वाटिका स्थल का शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश द्वारा फीता काटकर व शीलापट्ट का अनावरण कर किया गया। इस दौरान जनपद न्यायाधीश व जिलाधिकारी द्वारा औषधि वाटिका स्थल पर औषधि पौध का पौधरोपण किया गया। इस दौरान जिला कारागार में सीसीटीव कक्ष का निरीक्षण किया गया जिसमें जिला कारागार

के बैरकों की मानीटरिंग की गयी। पाकशाला के निरीक्षण में भोजन की गुणवत्ता को देखा गया जो ठीक पाया गया। कारागार में स्थापित आंवला प्रसंस्करण केन्द्र का निरीक्षण किया गया जिसमें बंदियों द्वारा निर्मित आंवला उत्पाद, आंवला जूस, आंवला अचार, आंवला मुरब्बा, आंवला बर्फी इत्यादि का अवलोकन किया गया। बैंरकों का निरीक्षण कर बन्दियों से जानकारी ली कि सभी व्यवस्थायें जिला कारागार में मिल रही है कि नही तो बन्दियों द्वारा बताया गया कि सभी व्यवस्थायें बराबर मिल रही। जिला कारागार में बने अस्पताल के निरीक्षण में 13 मरीज भर्ती थे जिनके स्वास्थ्य, दवाओं व भोजन की उपलब्धता के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी तो भर्ती मरीजों द्वारा बताया गया कि दवा, भोजन आदि की सुविधायें समय से मिल रही है।

कड़ाके की शीतलहर ने लोगों का जीवन अस्त व्यस्त

सिद्धार्थनगर। लगातार भीषण ठंड से कस्बा और ग्रामीण क्षेत्रों में जल रहा अलाव लोगों का सहारा बना रहा। रात में कोहरा व दिन बदली से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बढ़ी सर्दी में नगर व गांव में लोग जगह-जगह अलाव तापते नजर आए। सड़कों व गलियों में कम लोगों का आवागमन दिखाई दिया।शनिवार को ठंड से बाजार व गली मोहल्लों में वाहन चालकों व राहगीरों को गर्म कपड़ों में लिपटे देखा गया। दुकानें तो खुली रहीं पर ग्राहक नदारद रहे। दुकानदार अलाव जलाकर ठंड से राहत पाते दिखे। उसका बाजार सीएचसी के डॉ. बृजेश चंद्रा ने कहा कि इस मौसम में लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर गंभीरता बरतें। ठंड लगने से वह बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।घरों से निकलते वक्त गर्म कपड़ों के साथ मास्क जरूर लगाएं। वहीं क्षेत्र के शिव जायसवाल, मनीष अग्रहरी, अमरेश वर्मा, सत्य प्रकाश वर्मा, चंद्रभान त्रिपाठी आदि ने कहा कि बदली ने ठंड को बढ़ा दिया है। दुकानदार संजय जायसवाल ने बताया कि रूम हीटर आदि की जबरदस्त बिक्री हो रही है। ऐसी ही ठंड बनी रही तो पूरा स्टॉक खत्म हो जाएगी। गलन भरी ठंड में गर्म कपड़े भी राहत नहीं दे पा रहे हैं। रूम हीटर व ब्लोअर की मांग बढ़ गई है। पानी गर्म करने के लिए इमरसन रॉड व गीजर की भी लोग खूब खरीदारी कर रहे हैं।

शोहरतगढ़ में भाजपा का बांग्लादेश हिंसा पर प्रदर्शन : बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री का पुतला फूंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर । भारतीय जनता पार्टी शोहरतगढ़ मंडल के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं की कथित हत्याओं और अत्याचारों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मो0 यूनुस खांन का सांकेतिक पुतला बनाकर मुर्दाबाद के नारे लगाए और गडाकुल तिरंगा तिराहे से जुलूस निकालते हुए पुलिस पिकेट चौराहे पर पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है और वहां की सरकार इस पर प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है। वक्ताओं ने कहा कि

धार्मिक आधार पर हो रही हिंसा मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने भारत सरकार से इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाने और बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाने की मांग की। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता देश-विदेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ हमेशा आवाज उठाते रहेंगे। मंडल उपाध्यक्ष राजकुमार मोदनवाल, मंडल महामंत्री राम विनोद यादव और मंडल मंत्री रामकुमार त्रिपाठी ने भी प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि बांग्लादेश में शांति और कानून व्यवस्था बहाल करना वहां की सरकार की जिम्मेदारी है। प्रदर्शन में सभासद प्रतिनिधि बबलू गौड़, मनोज गुप्ता, पंचगुलाम भारती, नन्दलाल वर्मा, दिलीप वर्मा, रामसेवक गुप्ता, ईश्वर दयाल, सतीश वर्मा, विरेन्द्र गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि हिंसा नहीं रुकी तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, मौके पर पुलिस बल मौजूद रहा और किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

सीडीओ की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण एवं जिला गंगा समिति की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की सम्पन्न हुई। बैठक में प्रभागीय निदेशक जगदम्बिका प्रसाद/पर्यावरण सदस्य सचिव एवं समिति के समस्त सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में वृक्षारोपण 2026 हेतु प्रभागीय निदेशक द्वारा वृक्षारोपण तैयारी हेतु अवगत कराया गया जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त विभागों से स्थल चयन/अग्रिम मृदा कार्य की

सूचना 04 कार्य दिवस के अन्दर प्रभागीय कार्यालय में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिला गंगा समिति की बैठक में मुख्य विकास अधिकारी को प्रभागीय निदेशक द्वारा अवगत कराया गया की जिला गंगा प्लान बनाने हेतु समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, अधिशाषी अभियंता सिंचाई विभाग, कृषि विभाग, अधिशाषी अभियंता जल निगम ग्रामीण/शहरी, जिला उद्योग अधिकारी, पशु चिकित्सा एवं क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड रायबरेली से सहयोग अपेक्षित है।

संक्षिप्त खबरें

नैन्सी ने विज्ञान क्विज प्रतियोगिता पाया प्रथम स्थान

हमीरपुर - गोहाण्ड ब्लॉक संसाधन केन्द्र में सोमवार के दिन राष्ट्रीय अविष्कार अभियान कार्यक्रम के तहत विज्ञान क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास करने, प्रयोग के अवसर उपलब्ध कराने तथा विज्ञान/गणित एवं प्रौद्यौगिकी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ''राष्ट्रीय अविष्कार अभियान'' के तत्वाधान में इस विज्ञान क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता में गोहाण्ड विकासखण्ड के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कई बालक एवं बालिकाओं के द्वारा प्रतिभाग किया गया। विज्ञान क्विज़ प्रतियोगिता खण्ड शिक्षा अधिकारी गोहाण्ड शैलेश कुमार के दिशा निर्देश में ए.आर.पी. रामजीवन एवं महेन्द्र कुमार द्वारा विधिवत रूप से आयोजित की गई। प्रतियोगिता में चयनित शिवा उच्च प्राथमिक विद्यालय रावतपुरा स्थान प्रथम, नैन्सी उच्च प्राथमिक विद्यालय रहॅक द्वितीय स्थान, मुस्कान उच्च प्राथमिक विद्यालय जखेडी तृतीय स्थान प्राप्त किया इनके अतिरिक्त 40 अन्य बाल वैज्ञानिक शील्ड, पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र पाकर चेहरे खिल उठे कार्यक्रम के दौरान संजय सिंह, राजा बाबू, सौरभ त्रिपाठी,डालचन्द्र एवं समस्त बीआरसी स्टॉफ़ उपस्थित रहा।

नलकूप में लगी आग, भूसा व कृषि उपकरण जले, 70 हजार के नुकसानका अनुमान

हमीरपुर :- सुमेरपुर क्षेत्र के ग्राम सौंखर में बीती रात एक नलकूप में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में नलकूप में रखा भूसा और कृषि कार्य में उपयोग होने वाले कई उपकरण जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए। आग से करीब 70 हजार रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। ग्रामीण सभाजीत कुशवाहा ने बताया कि रात लगभग 10 बजे नलकूप से धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। उस समय उनके माता-पिता नलकूप के पास ही मौजूद थे। आग तेजी से फैलने लगी, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। स्थिति को देखते हुए शोर मचाया गया, जिस पर पास-पड़ोस के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझ जाने से बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई। पत्योरा पुलिस चौकी प्रभारी निशांत दुबे ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भरखरी टीम ने शेरगढ़ क्रिकेट क्लब को 70 रनों में समेटा

हमीरपुर :- मुस्करा विकासखण्ड क्षेत्र के निवादा गांव ने चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार के दिन दो मैच खेले गए।पहला मैच शेरगढ़ क्रिकेट क्लब निवादा और भरखरी के बीच खेला गया और दूसरा मैच बिवांर और एल पी सी क्रिकेट क्लब के बीच हुआ। पहले मैच में शेरगढ़ क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर भरखरी को बल्लेबाजी का मौका दिया।भरखरी टीम ने दस ओवरों में 97 रन बनाए।वहीं शेरगढ़ क्रिकेट क्लब नौवें ओवर में महज 70 रनों में सिमट गई।भरखरी के श्यामजी ने 23 गेंदों में 39 रन बनाए ,जिसे मैन ऑफ मैच दिया गया।शेरगढ़ क्रिकेट क्लब के कश्यप द्वारा खेली गई 17 गेंदों में 38 रनों की पारी भी मैच नहीं जिता सकी।दूसरे मैच में एल सीसी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बिवांर टीम को 74 रनों के लक्ष्य दिया।बिवांर टीम ने नौ ओवर तीन गेंदों में मैच जीत लिया।बिवांर टीम से ज्ञानेंद्र सिंह ने 17 गेंदों में 31 रन बनाए और आखिरी गेंद में चौका मारकर अपनी टीम के लिए विजयी शॉट मारा।

श्रीभूमि जिले के किशोरीपुर गांव में 15 लाख रुपये के कम्युनिटी हॉल के निर्माण में व्यापक अनियमितताएं, इंजीनियर ने जांच का आश्वासन दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- वर्तमान सरकार 'सबका साथ सबका विकास' इस नारे के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकासपरक कार्यों के जरिए विकास के लक्ष्य के लिए प्रत्येक ग्रामीण क्षेत्र में कम्युनिटी समेत उच्च मानक की विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से करोड़ों रुपये आवंटित किए जा रहे हैं। ताकि आम लोगों अन्य परियोजनाओं के माध्यम से समस्याओं का समाधान किया जा सके। लेकिन श्रीभूमि जिले की रामकृष्णनगर विधानसभा के चेरागी ग्राम पंचायत के किशोरीपुर गांव में 15 लाख रुपये के कम्युनिटी हॉल के निर्माण में व्यापक अनियमितताएं हो रही हैं, स्थानीय लोगों का आरोप है। रामकृष्णनगर जिला के किशोरीपुर गांव के उक्त निर्माण के लिए लगभग 15 लाख रुपये सरकार की ओर से आवंटित किए गए थे। कुछ महीने पहले इस परियोजना का शिलान्यास लोकप्रिय

विधायक विजय मालाकार ने किया था। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी स्थानीय निर्माण समिति और से क्या जा रहा है। इस बीच, काम शुरू करने वाले ठेकेदार ने विभागीय निर्देश और सरकार के गाइडलाइन की अनदेखी करते हुए मंजूरशुदा निर्माण कार्य निम्न गुणवत्ता के साथ चलाया जा रहा है। अधिकारी मशीन से तोड़े गए पत्थरों के स्थान पर निम्न गुणवत्ता वाली नदी की मिट्टी मिलाकर पत्थर (रिबर चिप्स) साफ किए बिना थोड़े सीमेंट को मिलाकर कुटीर के निचले हिस्से की ढलान करते हैं। इससे मंडप के अंदरूनी हिस्से बहुत कमजोर हो जाएगा, ऐसा स्थानीय लोग दावा कर रहे हैं। इस विषय पर रामकृष्णनगर पर्ट डिवीजन के उक्त कार्य के जिम्मेदार इंजीनियर बानीब्रत

चक्रवर्ती से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि विषय की जाँच करके आवश्यक कदम उठाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि उन्हें निर्माण कार्य अपनी जिम्मेदारी पर करना होता तो उन्हें अवसर नहीं दिया गया। नतीजतन वे मजबूर होकर स्थानीय निर्माण समिति के पास वास्तविक कार्य छोड़ देते हैं। हालांकि जनता इंजीनियर के बयान को केवल आत्म पक्षीय समर्थन के रूप में देख रही है। उनके अनुसार इंजीनियर की मदद के बिना निर्माण समिति ने विभागीय निर्देशों की अवहेलना की और अगर कोई गड़बड़ी हो रही है तो इंजीनियर और विभागीय अधिकारी अनैतिक कार्य को क्यों नहीं रोक रहे हैं। इस स्थिति में जनता की मांग है कि निर्माण कार्य केवल विभागीय दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाए। निर्देशिका का उल्लंघन किया गया है, इसे तोड़कर फिर से किया जाए। अन्यथा भ्रष्टाचार किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है।

लैंगिक अपराधों व महिला उत्पीड़न से सम्बंधित कार्यक्रम का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- जिला मुख्यालय के डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम सभागार में सोमवार के दिन ,कार्यस्थलों पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न से सम्बन्धित कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष महेंद्र पांडेय रहे।जिला प्रोबेशन अधिकारी राजीव कुमार ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। बताते चलें कि प्रदेश में बीते 22 सितंबर से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वालंबन हेतु मिशन शक्ति के विशेष अभियान के अंतर्गत कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश में दिनांक 17.12.2025 से दिनांक 22.12.2025

तक की अवधि में कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 के अंतर्गत गठित स्थानीय व आंतरिक परिवाद समितियों का प्रशिक्षण आयोजन कराए जाने के शासन द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित सभी विभागों में गठित आंतरिक समितियों के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। विभागों में संचालित योजनाओं के बारे में भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में बाल विवाह निषेध पर उपस्थिति लोगो को (DLS) सचिव डॉ महेंद्र पांडेय जी ने शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि बाल विवाह एवं सामाजिक बुराई और कानून का उल्लंघन है, जो बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ और विकास में बाधा है, तथा उनके सपनों को साकार होने से रोकता है। भारत सरकार द्वारा 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत भारत के प्रत्येक ग्राम पंचायत व वार्ड को बाल विवाह मुक्त बनाना है। इस कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग के सभी कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दीप्ति अग्निहोत्री (बाल संरक्षण इकाई) द्वारा किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

बलिया में 23 दिसंबर को किसान सम्मान दिवस, चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस पर होगा जनपद स्तरीय किसान मेला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर 23 दिसंबर को बलिया जिले में किसान सम्मान दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम ऑफिसर्स क्लब परिसर में सुबह 10:30 बजे से प्रारंभ होगा। किसान सम्मान दिवस के मौके पर जिले में परंपरागत खेती के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा। कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को उनके योगदान के

लिए विशेष रूप से सम्मान प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में कृषि विभाग के साथ उद्यान, पशुपालन, मत्स्य एवं गन्ना विभाग से जुड़े प्रगतिशील किसान भी भाग लेंगे। सभी संबंधित विभागों से जुड़े किसान इस आयोजन में सहभागिता कर अपने अनुभव साझा करेंगे। यह आयोजन सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन (आत्मा) योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय किसान मेला, गोष्ठी एवं प्रदर्शनी के रूप में किया जा रहा है। मेले में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां किसानों को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रत्येक विभाग से 25-25 प्रगतिशील किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोजन का उद्देश्य किसानों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना और आधुनिक व परंपरागत कृषि तकनीकों के प्रति जागरूक करना है।

मुबारकपुर सेंट्रल पब्लिक स्कूल का मना स्थापना दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आज़मगढ़। मुबारकपुर स्थित सेंट्रल पब्लिक स्कूल (सीबीएसई से संबद्ध 10+2) में विद्यालय का स्थापना दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय श्री विवेक जी,ढ्ढस्,आयुक्त, आज़मगढ़ मंडल रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय श्री सुनील कुमार सिंह जी, आई.पी.एस., पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी), आज़मगढ़ मंडल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय की निदेशक व प्रधानाचार्य रेखा सिंह तथा सीपीएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के संस्थापक अयाज अहमद खान ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि श्री विवेक जी ने अपने संबोधन में कहा कि सेंट्रल पब्लिक स्कूल शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, अनुशासन एवं संस्कारों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बच्चों को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत व ईमानदारी से आगे बढ़ने का संदेश दिया।

विशिष्ट अतिथि श्री सुनील कुमार सिंह जी ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, अनुशासन और कानून के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे ही कल का सशक्त राष्ट्र निर्माण करेंगे। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। नृत्य, गीत, नाटक एवं प्रेरणादायक प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षकगण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी अतिथियों व आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

राजस्व न्यायालयों में न्यायिक प्रक्रिया का होरा रहा उल्लंघन- अरविंद पाठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़। जिलाधिकारी आजमगढ़ की न्यायिक कार्यशैली से नाराज होकर दी डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन आजमगढ़ के अध्यक्ष अरविन्द कुमार पाठक की अगुवाई में अधिवक्ताओं ने चक्रमण कर जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के पूर्व दी डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन आजमगढ़ के सभागार में साधारण सभा की बैठक हुई है। जिसमे दो बिन्दु पर प्रस्ताव पास कर न्यायिक कार्य से विरत रहे। एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविन्द कुमार पाठक ने कहा कि जिलाधिकारी समेत सभी राजस्व न्यायालयों में न्यायिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है। स्थिति यह है कि कालबाधित दावे, तजवीजसानी, अपील, निगरानी स्वीकार नहीं किये जा रहे और न ही उन्हें आन लाइन वाद दर्ज किया जा रहा है। जिससे नैसर्गिक न्याय का हनन हो

रहा है। उक्त के संबंध में जिलाधिकारी से कई बार वार्तालाप हुआ लेकिन आज तक कोई सार्थक कार्यवाही नहीं की गई। जिससे क्षुब्ध होकर अधिवक्ताओं को प्रदर्शन करने को बाध्य होना पड़ा। अगर हमारी मांगे नहीं पूरी हुई तो जनपद के सभी बार संगठन एक राय होकर एक उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिलाधिकारी आजमगढ़ की होगी।

मंत्री रणधीर सिंह ने कहाकि राजस्व न्यायालयों द्वारा बगैर सुनवाई के ही वादों को खारिज किया जाना, माननीय सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय के आदेशों की अवहेलना है। जिससे वादकारियों का काफी अहित है और न्याय मिल पाना असंभव हो गया है। राजस्व न्यायालयों के मनमाने रवैये को बार बदाश्त नहीं करेगा। शीघ्र ही डीएम ने आवश्यक कदम नहीं उठाये तो हम मुखर होने को बाध्य होंगे। अधि-विक्ताओं ने कलेक्ट्रेट का घेराव करते हुए जमकर नारेबाजी की। इस अवसर पर दी डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन आजमगढ़ के सभी अधिवक्ता उपस्थित रहे।

किसान सम्मान दिवस पर जनपद व विकास खंड स्तर पर होंगे कार्यक्रम

हमीरपुर :- भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर आगामी सोमवार के दिन जनपद में किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सुबह दस बजे राजकीय महिला महाविद्यालय हमीरपुर में जनपद स्तरीय किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत किसान मेला, कृषि प्रदर्शनी, गोष्ठी तथा फल एवं शाक-भाजी शो भी आयोजित होंगे, जिसमें जनपद के किसान भाग लेकर अपनी उपज का प्रदर्शन कर सकेंगे।

उप कृषि निदेशक ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के सभी विकास खंडों में भी विकास खंड स्तरीय किसान सम्मान दिवस आयोजित किया जाएगा। विकास खंड कुरारा का कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र कुरारा में संपन्न होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को सम्मानित करने के साथ-साथ उन्हें कृषि की नवीन तकनीकों, योजनाओं और उन्नत बीजों की जानकारी देना है। उप कृषि निदेशक ने सभी किसान भाइयों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम में सहभागिता करें और योजनाओं का लाभ उठाएं।

इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर दो पक्षों में मारपीट, छह घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

-

हमीरपुर :- सदर कोतवाली क्षेत्र में रविवार रात इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। ईदगाह के पास हुई इस घटना में दोनों पक्षों से पिता-पुत्रों सहित कुल छह लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार शहर कोतवाली क्षेत्र के ईदगाह मोहल्ला निवासी जितेंद्र यादव के पुत्र प्रिंस यादव (18) और दिव्यांश यादव (17) का गौरा देवी मोहल्ला निवासी बाबूलाल भुर्जी के पुत्र संदीप (28) और विजय (18) से इंस्टाग्राम पर मैसेज को लेकर विवाद हो गया था। पहले सोशल मीडिया पर शुरू हुई नोकझोंक धीरे-धीरे बढ़ती चली गई और देर रात यह विवाद आमने-सामने की मारपीट में बदल गया। बताया जाता है कि विवाद बढ़ने पर प्रिंस और दिव्यांश कार से गौरा देवी पहुंचे, जहां दूसरा पक्ष पहले से मौजूद था। इसके बाद दोनों पक्षों में लाठी-डंडों से जमकर मारपीट हुई। झड़प में एक पक्ष से प्रिंस यादव, दिव्यांश यादव और उनके पिता जितेंद्र यादव घायल हो गए, जबकि दूसरे पक्ष से संदीप, विजय और उनके पिता बाबूलाल भुर्जी को चोटें आईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और सभी घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। सोशल मीडिया सेल के अनुसार सभी का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और तहरीर मिलने के बाद आवश्यक वैधानिक कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

श्रीभूमि जिले के चेरागी ग्राम पंचायत के विकलांग राहुल नामशूद्र के अभिभावक ने सरकार से इलाज के लिए आर्थिक मदद की अपील

● मुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक का ध्यान।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूम- जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के चेरागी ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 8 में दिहाड़ी मजदूर संजीत नामशूद्र का बेटा राहुल नामशूद्र (9) जन्म से ही विकलांग है और बोल नहीं पा रहा है। परिवार का एकमात्र कमाने वाला एक दिहाड़ी मजदूर है और अपने बेटे का इलाज कराने के लिए संघर्ष कर रहा है। हालांकि, राज्य की भाजपा सरकार ने विधवाओं,

बुजुर्गों, विकलांगों और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को अन्य लाभ प्रदान किए हैं। अब सवाल पिछले साल के ग्राम पंचायत अध्यक्ष या वार्ड सदस्य की भूमिका पर संदेह है। क्या उन्होंने भाई-भतीजावाद की नीति अपनाई?

दिव्यांगों की मां फुलमती रॉय ने कहा, 'मौजूदा विधायक बिजय मालाकार निर्वाचन क्षेत्र के कोने-कोने में विभिन्न तरीकों से असहाय लोगों की मदद कर रहे हैं। हालांकि, स्थानीय नेताओं के कारण उन्हें आज तक सरकारी लाभ से वंचित किया जा रहा है। हालांकि, उन्हें आधिकारिक तौर पर व्हीलचेयर और अरुणद्वय के लिए आवेदन किया है, बाकी भगवान पर छोड़ दिया है। हालांकि बेटे के इलाज के लिए राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा और विधायक विजय मालाकार सहित जिले की नमःशूद्र समिति की कृपा दृष्टि की कामना करते हैं। ताकि बच्चे के स्वास्थ्य के लिए इलाज किया जा सके

बलिया नगर के वार्ड नंबर 5 में डेंगू व मलेरिया की रोकथाम हेतु छिड़काव की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

-

बलिया। नगर क्षेत्र में डेंगू और मलेरिया के बढ़ते खतरे को लेकर वार्ड नंबर 5 के लोगों ने नगर प्रशासन से नियमित कीटनाशक छिड़काव कराने की मांग की है। स्वतंत्र प्रभात से वार्ता के दौरान स्थानीय नागरिकों ने बताया कि वार्ड में जगह-जगह जलजमाव और नालियों की समुचित सफाई न होने के कारण मच्छरों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। मांग करने वालों में जितेंद्र चतुर्वेदी,अजीत पांडे, बृजेश पांडे, दीपक तिवारी, रजनीश उपाध्याय, राकेश विक्रम सिंह,अखिलेश तिवारी, आशीष मिश्रा, ईलू पांडे सहित अन्य लोग शामिल रहे। लोगों का कहना है कि कई दिनों से वार्ड में फॉगिंग और एंटी लार्वा छिड़काव नहीं कराया गया है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की कि वार्ड नंबर 5 में तत्काल प्रभाव से नियमित छिड़काव कराया जाए, नालियों की सफाई कराई जाए तथा जलजमाव वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को डेंगू और मलेरिया से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाए। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो वार्ड में बीमारी फैलने का खतरा और बढ़ सकता है। नागरिकों को उम्मीद है कि नगर प्रशासन इस गंभीर समस्या पर ध्यान देते हुए जल्द आवश्यक कदम उठाएगा।

सिलापथार में लखीमपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद खेल महोत्सव का सफलतापूर्वक संपन्न

असम धेमाजी । फिट यूथ ' विकसित भारत, 2025 उद्देश्य को आगे रखते हुए लखीमपुर लोकसभा क्षेत्र के चिचिबरगांव विधानसभा क्षेत्र के सिलापथार महाविद्यालय खेल मैदान में एक दिवसीय सांसद खेल महोत्सव का आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। लखीमपुर लोकसभा क्षेत्र के नौ विधानसभा क्षेत्रों के युवाओं की खेल के प्रतिभाओं के विकास के लिए एक मंच दिलाने की प्रयास में आयोजित इस खेल प्रतियोगिता में युवाओं के लिए दौड़, वॉलीबॉल, कबड्डी सहित कुल छह प्रकार की खेल आयोजित की गई है। सुबह लखीमपु लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रदान बरुआ, कैबिनेट मंत्री रनोज पेगू ,विधायक भुवन पेगू, बलिन चेतिया, मानव डेका सहित धेमाजी जिला भाजपा दल के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में खेल महोत्सव का झंडा फहराया गया एवं खेल का अनुष्ठानिक तौर पर शुभारंभ किया गया। खेल का अंत में जिला उपायुक्त के उपस्थिति में सभी प्रकार के खेलो का विजयी प्रतियोगियों को मानपत्र,मेडल, से सम्मानित किया गया।

मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने के विरोध में आज़मगढ़ कांग्रेस का जोरदार विरोध मार्च

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़- सोमवार को ज़िला कांग्रेस कमेटी, आज़मगढ़ ने ज़िलाध्यक्ष श्री कौशल कुमार सिंह 'मुन्ना राय ' के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एक विरोध मार्च का आयोजन किया। यह मार्च ज़िला कांग्रेस कार्यालय से प्रारंभ होकर कलेक्ट्रेट मार्ग एवं रैदोपुर तिराहा होते हुए गांधी प्रतिमा तक निकाला गया। इस अवसर पर आज़मगढ़ कांग्रेस ने मोदी सरकार द्वारा मनरेगा (स्न्नह्रत्रश्चव्र) का नाम बदलने तथा इसके मूल ढांचे को कमजोर करने के निर्णय की कड़े शब्दों में निंदा की। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि यह केवल नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की जीवनरेखा माने जाने वाले 'काम के अधिकार' को समाप्त करने की एक सुनियोजित साजिश है।

मुख्य बिंदुः- मांग बनाम बजट का खेलः मनरेगा एक मांग आधारित कानून था, जिसमें काम मांगना मजदूर का कानूनी अधिकार था। मोदी सरकार की मनमानी से इसे बजट आधारित बना दिया गया है,

जिससे मजदूरों को उनकी जरूरत के अनुसार काम मिलना कठिन हो गया है।

राज्यों पर आर्थिक बोझः केंद्र सरकार ने अपने वित्तीय हिस्से में कटौती कर राज्यों पर 40% तक का बोझ डाल दिया है। पहले केंद्र 90% खर्च वहन करता था। यह संघीय ढांचे पर सीधा हमला है।

महात्मा गांधी के नाम का अपमानः यूपीए सरकार ने राष्ट्रपिता के सम्मान में इस योजना का नाम रखा था। आज केवल श्रेय लेने की होड़ में बापू के नाम को राष्ट्रीय चेतना से मिटाने का प्रयास किया जा रहा है।

तकनीक का कुचक्रः एनएमएमएस (NMMS), आधार आधारित भुगतान और अब एआई (AI) ऑडिट जैसे प्रावधानों ने लाखों मजदूरों को पहले ही काम और मजदूरी से वंचित किया है।

इस दौरान ज़िलाध्यक्ष श्री कौशल कुमार सिंह 'मुन्ना राय' ने कहा,

मनरेगा गरीबों के लिए कोई दया नहीं, बल्कि उनका संवैधानिक अधिकार है। भाजपा सरकार इस अधिकार को छीनने और महात्मा गांधी के नाम को मिटाने का षड्यंत्र कर रही है। कांग्रेस इसे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देगी। सरकार को यह गरीब-विरोधी विधेयक तुरंत वापस लेना होगा और मनरेगा के मूल 'गारंटी' वाले स्वरूप को बहाल करना होगा। इस विरोध मार्च में राजाराम यादव, राहुल राय, गिरीश चंद्र चतुर्वेदी, अंसार अहमद, तेज बहादुर यादव, चंद्रपाल सिंह यादव, अजीत राय, बेलाल बेग, रमेश राजभर, शिव मंगल सिंह, संतोष सिंह, हाजी इफ्तिखार, मो. आमिर, मुरारी राय, नवनीत राय, प्रदीप यादव, हरिओम उपाध्याय , दिनेश सरोज , अजय कुमार , मैनेजर यादव रामानंद सागर , राम कुमार यादव , राकेश गुप्ता , हरेंद्र सिंह , श्यामदेव यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।